सूर्योदय 5:45 सूर्यास्त 7:07

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	20.4 अधि
धर्मशाला	21.1 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,154
निफ्टी	24,472

सोना 1,52,000 चांदी 2,34,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 12 अगस्त 2026 | 27 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 108, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

अमेरिकी कोर्ट से गौतम अडाणी का केस खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली/न्यूयॉर्क। अमेरिका की संघीय अदालत ने अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी व उनके भतीजे सागर अडाणी के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले को स्थायी रूप से खारिज कर दिया है। न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट के अमेरिकी जिला न्यायालय ने न्याय विभाग की नियम 48(ए) के तहत दाखिल याचिका स्वीकार करते हुए आरोपों को खारिज किया। इसके साथ ही नवंबर 2024 से चल रही आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो गई। मामले में प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश व वायर धोखाधड़ी की साजिश समेत आरोप शामिल थे। स्थायी रूप से खारिज किए जाने का अर्थ है कि इन्हीं आरोपों पर आपराधिक मामला दोबारा दर्ज नहीं किया जा सकता। गौतम अडाणी ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण दौर में उनका सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में विश्वास कायम रहा।

ईरान के डर से ट्रंप ने सीक्रेट फ्लाइट ली थी

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने तुर्किये से ब्रिटेन जाने के लिए सीक्रेट रूप से एक छोटे मिलिट्री विमान का इस्तेमाल किया था। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान से ट्रंप की हत्या की धमकी मिलने के बाद उनकी यात्रा का पूरा प्लान बदला गया था। तुर्किये की राजधानी अंकारा से निकलते समय ट्रंप कैमरों के सामने पुराने एयरफोर्स वन में सवार हुए। इसके बाद उन्हें एयरपोर्ट पर सामान और खाना पहुंचाने वाली केटरिंग गाड़ी से चुपचाप छोटे मिलिट्री विमान सी-32ए तक पहुंचाया गया।

मनमोहन सिंह सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में एक थे : सोनिया

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में क्लीन चिट मिलने के कुछ दिन बाद कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। सोनिया ने मंगलवार को द इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित अपने आर्टिकल में मनमोहन सिंह और मोदी सरकार के कामकाज की तुलना की। सोनिया ने लिखा कि मनमोहन सिंह की ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड मोदी सरकार के काम करने के तरीके से बिलकुल उल्टा था। इतिहास मनमोहन सिंह को शांत, सरल, लेकिन सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में से एक के तौर पर सम्मान से याद करेगा। सोनिया ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के खिलाफ लॉबी कैंपेन सुनियोजित और संगठित था।

क्रिकेटर अभिषेक दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को दुष्कर्म केस में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी मंगलवार को कोलकाता में हुई। यह मामला एक मेडिकल छात्रा की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें पोरेल पर दुष्कर्म, धमकी और अन्य आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित ने जून में शिकायत दर्ज कराई थी। 23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं।

अब 'वंदे मातरम' का अपमान होगा अपराध

अमित शाह के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन, एनडीए ने विपक्ष पर लगाया चर्चा से भागने का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को 'वंदे मातरम' बिल को मंजूरी दे दी। यह बिल 24 जुलाई को राज्यसभा में पेश किया गया था। वहां से पारित होने के बाद राष्ट्रपति के पास गया था।

इस बिल के कानून बनने के बाद राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के बराबर कानूनी सुरक्षा मिल गई है। यह कानून 1971 के राष्ट्रीय सम्मान के अपमान से रोकने वाले कानून में संशोधन करता है। इसके तहत 'वंदे मातरम' के गायन में जानबूझकर बाधा डालना, किसी सभा को इसे गाने से रोकना या इसका कानून के दायरे में आने वाला अपमान करना अपराध होगा। ऐसे मामलों में 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। दूसरे या बाद के दोषसिद्ध मामलों में कम से कम एक साल की जेल का प्रावधान भी है। वहीं, संसद परिसर में एनडीए और विपक्षी गठबंधन के सांसदों ने मंगलवार को

एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन किया। एनडीए सांसदों ने विपक्ष पर संसद में चर्चा से भागने का आरोप लगाया, जबकि विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की।

इस दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने भी आ गए। प्रियंका गांधी के संसद पहुंचने पर भाजपा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाने लगे। भाजपा सांसद मुकेश दलाल ने पूछा कि राहुल झारखंड में छात्र प्रदर्शनकारियों से क्यों नहीं मिल रहे हैं। प्रियंका मुस्कुराती हुई उनके पास गईं और कहा- राहुल झारखंड गए हैं और छात्रों से मिल चुके हैं। लोकसभा और राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। लोकसभा की कार्यवाही पहले 11 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर 2 बजे सदन दोबारा शुरू हुआ, लेकिन करीब आधे घंटे बाद ही हंगामे के चलते कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई। 20 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र का 13 अगस्त को आखिरी दिन है। तीन हफ्तों के दौरान संसद की कार्यवाही लगातार हंगामे के कारण प्रभावित रही है। विपक्ष दिल्ली में 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री के जवाब की मांग कर रहा है। सरकार ने सोमवार को कहा कि अमित शाह इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं। हालांकि, राहुल ने कहा कि हमें शाह की राय नहीं सुननी, बल्कि यह जानना है कि छात्रों पर पुलिस एक्शन का आदेश किसने दिया था।

छात्रों के मामले पर झूठ फैला रही कांग्रेस : धर्मेंद्र

पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा- 'कांग्रेस छात्रों के हितों को लेकर लगातार झूठ फैला रही है। राहुल के पास तथ्यों की कमी है। विपक्ष के नेता न तो संसद में आना चाहते हैं और न ही सरकार के जवाब सुनना चाहते हैं। उनका मकसद सिर्फ झूठ फैलाना और घड़ियाली आंसू बहाना है।'

लोकसभा में हंगामे के बीच दो बिल पास

हंगामे के बीच लोकसभा में दो बिल बिना चर्चा के पास हो गए। इनमें केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) बिल, 2026 शामिल है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल का नाम बदलने वाला बिल पेश किया। नारेबाजी के बीच इसे बिना बहस के ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके तुरंत बाद सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) बिल, 2026 पेश किया। लगातार हंगामे के बीच यह बिल भी बिना बहस के पारित हो गया।

अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग, स्वयंसिद्ध और निर्विवाद वास्तविकता : विदेश मंत्रालय

एजेंसी, नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश को भारत का अविभाज्य और अभिन्न अंग बताते हुए इसे एक स्वयंसिद्ध और निर्विवाद वास्तविकता बताया है। यह बयान भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक मानचित्रों पर अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के नामों को मानकीकृत करने के भारत के हालिया कदम पर चीन की आपत्ति के जवाब में आया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में कहा, 'अरुणाचल प्रदेश भारत का अविभाज्य और अभिन्न अंग है और यह एक ऐसा तथ्य है, जो स्वयंसिद्ध है। साथ ही, मैं यह भी रेखांकित करना चाहता हूं कि इस निर्विवाद वास्तविकता को कोई नहीं बदल सकता।' उल्लेखनीय है कि चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत या 'जांगनान' का हिस्सा मानता है। वह 2017 से समय-समय पर वहां के स्थानों के नामों की सूचियां जारी करता रहा है। भारत इन दावों और नामकरण को वास्तविक स्थिति बदलने का प्रयास बताकर खारिज करता रहा है। अब भारत ने इन्हें मानकीकृत करने के लिए कदम उठाया है। स्लोवेनिया की राजधानी ल्युब्लियाना में खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारतीय दूतावास में तोड़फोड़ किए जाने के मामले पर भी विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी है।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने घटना की कड़ी निंदा की है और स्लोवेनिया सरकार के सामने यह मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत राजनयिक परिसरों और राजनयिक गतिविधियों की पूरी तरह सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। भारत ने दिल्ली स्थित स्लोवेनियाई दूतावास के साथ-साथ स्लोवेनिया के विदेश मंत्रालय के सामने भी यह मामला उठाया है। भारत ने घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और कानून के मुताबिक उचित सजा देने की मांग की है।

दिल्ली में साइबर ठगी का खुलासा 9 आरोपी पकड़े

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने देशभर में साइबर फ्रॉड से जुड़े 9 लोगों को गिरफ्तार किया। इन पर निवेश के नाम पर लोगों का ठगने का आरोप है। इन्हें पिछले दिनों केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब से पकड़ा गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इन आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि इनका नेटवर्क कतर और दुबई से जुड़ा है। वहां बैठे लोग इनकी मदद करते थे। इनके खिलाफ 34 शिकायतें पुलिस को मिली थीं। इन पर 15.71 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी का आरोप है। इस नेटवर्क के झांसे में फंसे लोग जब रकम निकालने की कोशिश करते थे, तो उनसे टैक्स, ब्रोकरेज, आईपीओ चार्ज, वेरिफिकेशन फीस या मार्जिन के नाम पर पैसे मांगे जाते थे।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ की मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात

अग्निवीरों के भविष्य व रोजगार को लेकर हुई चर्चा

एजेंसी, पंचकूला। भारतीय सेना के 31वें थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उनके आवास संत कबीर कुटीर में मुलाकात की।

सेना प्रमुख का पद संभालने के बाद मुख्यमंत्री के साथ यह उनकी पहली मुलाकात थी। बैठक में सिविल-मिलिट्री समन्वय मजबूत करने, क्षेत्रीय सुरक्षा और पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में पश्चिमी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह समेत सेना मुख्यालय और हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का समन्वय कर्नल जसदीप संधू, सलाहकार सिविल-मिलिट्री अफेयर्स एवं आईटी ने

◆ हरियाणा के युवाओं के लिए रोजगार अवसर बढ़ाने पर जोर

किया। बैठक में आंतरिक सुरक्षा, युवाओं का सशक्तिकरण व अग्निवीरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा का सशस्त्र बलों के साथ लंबे समय से मजबूत जुड़ाव रहा है। राज्य सरकार सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ युवाओं के लिए रोजगार और अन्य अवसर पैदा करने में सेना व राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। बैठक में आंतरिक सुरक्षा, युवाओं का सशक्तिकरण व अग्निवीरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा का सशस्त्र बलों के साथ लंबे समय से मजबूत जुड़ाव रहा है। राज्य सरकार सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ युवाओं के लिए रोजगार और अन्य अवसर पैदा करने में सेना व राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

कोलकाता में ममता के खिलाफ चोर-चोर के लगे नारे

एजेंसी, कोलकाता। कोलकाता में मंगलवार को पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यक्रम में कुछ लोगों ने चोर, चोर के नारे लगाए। यह ममता के साथ 3 दिन में हुई दूसरी घटना है। रविवार को हलीसहर में भी ममता को लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा था। टीएमसी ने यह कार्यक्रम बीजेपी सांसद नागेंद्र रॉय की नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में रखा था। नारे लगने से कार्यक्रम कुछ देर के लिए रुक गया। ममता नॉर्थ कोलकाता के श्याम बाजार फाइव-प्वॉइंट क्रॉसिंग पर पहुंची थीं। उनके हाथ में स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस की फोटो थी, तभी कुछ लोग वहां जमा हो गए। उन्होंने ममता 'चोर-चोर' के नारे लगाना शुरू कर दिए।

बंगाल एसआईआर- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगी जानकारी

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में हटाए गए नामों से जुड़े मामलों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों के फैसलों की डिटेल्स देने को कहा है।

ये अपीलीय ट्रिब्यूनल उन लोगों की अर्जियों पर सुनवाई करते हैं, जिनके नाम बंगाल एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। कोर्ट ने ट्रिब्यूनल की संख्या, काम के घंटे और मामलों के निपटारे की रफ्तार जैसे मुद्दों की जांच करने पर सहमति जताई। याचिकाकर्ता ने कहा कि ट्रिब्यूनल लोगों की अपीलों पर तेजी से फैसला नहीं कर रहे। कोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनल में मामलों के निपटारे के लिए कोई टाइमलाइन तय

◆ ट्रिब्यूनल के फैसलों में देरी पर कहा- इस रफ्तार से तो अगले इलेक्शन आ जाएंगे

नहीं कर सकते। कोर्ट ने ईसी से राज्य में एसआईआर से जुड़े मामलों में कितनी अपीलें दाखिल हुईं, कितनों पर फैसला हुआ और कितने मामले अभी लंबित हैं, इसकी जानकारी मांगी है। इससे यह साफ होगा कि वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के खिलाफ लोगों की ओर से दाखिल अपीलों पर ट्रिब्यूनल ने अब तक कितनी कार्रवाई की है।

मुख्यमंत्री धामी ने सुनीं प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं व उनके त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे लोगों ने सड़क एवं संपर्क मार्ग, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, सिंचाई, रोजगार, स्थानांतरण व स्थानीय विकास से जुड़े मामले मुख्यमंत्री धामी के समक्ष रखे। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से उनकी स्थिति की जानकारी ली और पात्रता एवं नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, सरकार व आमजन के बीच सीधा संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाता है। जनसुनवाई के माध्यम से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे सरकार तक पहुंचाने का अवसर मिलता है और लंबित मामलों के समाधान का रास्ता भी खुलता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई संभव है, उनमें अनावश्यक विलंब न किया जाए। वहीं, जिन प्रकरणों में शासन स्तर पर निर्णय अपेक्षित है, उन्हें आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक तक सुशासन का लाभ पहुंचाना है। सरकार की योजनाओं और नीतियों की सार्थकता तभी है, जब उनका लाभ पात्र और जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं के समाधान में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के साथ नियमों के अनुरूप त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार जनभावनाओं और जनअपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करते हुए प्रदेश के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, अपर सचिव जेसी कांडपाल सहित मुख्यमंत्री कार्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सीरिया में पूर्व राष्ट्रपति अल-असद को फांसी की सजा

एजेंसी, दमिश्क। सीरिया की एक अदालत ने मंगलवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनके छोटे भाई माहेर अल-असद को फांसी की सजा सुनाई। दोनों को गृहयुद्ध के दौरान लाखों लोगों की हत्या और अत्याचार के मामलों में दोषी ठहराया। इसी मामले में बशर अल-असद के मामा के बेटे अतीफ नजीब को भी फांसी की सजा सुनाई गई। बशर और माहेर दिसंबर 2024 में सरकार गिरने के बाद रूस भाग गए थे। पुतिन सरकार ने उन्हें शरण दी हुई है। दोनों की गैरमौजूदगी में सजा सुनाई गई। अतीफ नजीब को जनवरी 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें मंगलवार को कैदी की वर्दी पहनाकर पिंजरे में कोर्ट लाया गया। अतीफ नजीब सीरियाई सेना में ब्रिगेडियर जनरल रह चुके हैं। 2011 में वे दारा प्रांत में राजनीतिक सुरक्षा शाखा के प्रमुख थे।

सीएम रेखा ने 'स्पिरिचुअल एंड हेरिटेज टूरिज्म कॉन्क्लेव' में 4 पर्यटन सर्किट का किया शुभारंभ

एजेंसी, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को अक्षरधाम मंदिर में आयोजित 'स्पिरिचुअल एंड हेरिटेज टूरिज्म कॉन्क्लेव-2026' में दिल्ली के चार आध्यात्मिक और विरासत पर्यटन सर्किट का शुभारंभ किया। इस मौके पर आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव उपस्थित रहे।

इन चार सर्किट्स के जरिए दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में स्थित धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों को एक यात्रा अनुभव के रूप में जोड़ा गया है। द सोल ऑफ दिल्ली-सर्किट 1 : इस सर्किट में गुरुद्वारा बंगला साहिब, सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल, अग्रसेन की बावली, लोटस टेंपल, अक्षरधाम टेंपल को जोड़ा गया है। यह सर्किट दिल्ली की आध्यात्मिक विविधता और सांस्कृतिक विरासत को एक साथ अनुभव करने का अवसर देता है। द हेरिटेज ऑफ दिल्ली-सर्किट 2 में इस सर्किट में बिड़ला मंदिर, झंडेवालान माता मंदिर, जंतर-मंतर, योगमाया मंदिर, जगन्नाथ मंदिर शामिल हैं। यह सर्किट दिल्ली की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत के विविध आयामों को सामने रखता है। दिल्ली की सेक्रेड हार्मनी - सर्किट 3: इस सर्किट में प्राचीन हनुमान मंदिर, दिगंबर जैन लाल मंदिर, अंबेडकर मेमोरियल, पुराना किला, हजरत निजामुद्दीन को जोड़ा गया है। यह सर्किट दिल्ली की बहुधार्मिक और समावेशी संस्कृति के साथ-साथ शहर की ऐतिहासिक विरासत को दर्शाता है। एकोज ऑफ दिल्ली - सर्किट 4 : इस सर्किट में गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब, बुद्धिस्ट टेंपल, चर्च ऑफ रिडेम्पशन, महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क, छतरपुर मंदिर, लिंगा भैरवी सन्निधानम शामिल हैं। यह सर्किट दिल्ली के धार्मिक स्थलों, पुरातात्विक विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं को एक व्यापक यात्रा अनुभव में जोड़ता है। 'दिल्ली : द कैपिटल ऑफ स्पिरिचुअलिटी, हेरिटेज एंड एक्सपीरियंसेज' थीम पर आयोजित सम्मेलन का उद्देश्य दिल्ली की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को एकीकृत टूरिज्म एक्सपीरियंस के रूप में देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करना और राजधानी को 'ट्रांजिट सिटी' से 'डेस्टिनेशन सिटी' के रूप में विकसित करना है।

हर आपात स्थिति से निपटने को तैयार हिमाचल

मुख्यमंत्री सुक्खू ने 46 अग्निशमन वाहनों को दिखाई हरी झंडी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश के विभिन्न जिलों की अग्निशमन इकाइयों के लिए 46 नए त्वरित प्रतिक्रिया वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इनमें शिमला को 9, कांगड़ा को 8, मंडी व सोलन को 5-5, हमीरपुर, ऊना, चंबा व लाहौल-स्पीति को 3-3, सिरमौर, बिलासपुर व कुल्लू को 2-2 तथा किन्नौर को एक वाहन मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आम लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। आपदा व आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए अग्निशमन व आपातकालीन सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 37 और नए अग्निशमन वाहनों की खरीद प्रक्रिया जारी है। अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और

आधुनिकीकरण के लिए 65.33 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में 9.60 करोड़ रुपए की लागत से 22 अग्निशमन वाहन खरीदे गए। वहीं, बिझड़ी अग्निशमन चौकी का करीब 4.85 करोड़ रुपए की लागत से भवन निर्माण पूरा हो चुका है। नादौन व इंदौरा में उप-अग्निशमन केंद्रों के भवनों पर साढ़े तीन-तीन करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जबकि कंडाघाट के लिए 3 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि 3.85 करोड़ रुपए की लागत से 8 वाटर टेंडर भी खरीदे जा रहे हैं।

टाहलीवाल को उप-अग्निशमन केंद्र के रूप में स्तरोन्नत किया गया है, जबकि कांगड़ा के चंगर क्षेत्र में नई अग्निशमन चौकी खोली गई है। नई इकाइयों के संचालन के लिए विभिन्न श्रेणियों के 754 पद भरे गए हैं। सरकार का लक्ष्य आधुनिक वाहन, उपकरण, प्रशिक्षित मानव संसाधन और मजबूत आधारभूत ढांचे के माध्यम से आपदा प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाना है।

आयोजन 70 करोड़ की लागत से सड़क का लोकार्पण, गोरखपुर की कनेक्टिविटी को मिलेगी नई रफ्तार

सतत विकास से बनी गोरखपुर की नई पहचान : मुख्यमंत्री योगी

एजरेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास कार्यों की श्रृंखला से अब बदलता गोरखपुर दिखाई दे रहा है। यहां का हर मार्ग फोरलेन से जुड़ रहा है। बड़े पैमाने पर फ्लाईओवर और ओवरब्रिज बन रहे हैं। सतत हो रहे विकास कार्यों और इससे आई जीवन सुगमता से गोरखपुर की नई पहचान बनी है। सरकार का संकल्प है कि हर नागरिक के जीवन में सुगमता हो।

मुख्यमंत्री योगी मंगलवार पूर्वाह्न गोरखपुर-सोनौली मार्ग से ग्रीन सिटी होते हुए माधोपुर बंधा तक सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य का लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। नेताजी सुभाषचंद्र नगर में एसटीपी के समीप स्थित मैदान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में बहुत पहले से लोग रह रहे थे। कई

◆ कहा- सरकार का संकल्प हर नागरिक के जीवन में हो सुगमता

स्कूल भी यहां बने हुए हैं पर, मार्ग संकरा होने के कारण लोगों को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। भारी वाहन इधर नहीं आ पाते थे। करीब 70 करोड़ रुपए की लागत से लगभग दो किलोमीटर तक इस सड़क के बन जाने से अनेक समस्याओं का समाधान हो गया है। इससे लोगों का आवागमन सुगम हुआ है। साथ ही जलभराव की समस्या भी समाप्त हुई है। उन्होंने कहा कि यह सड़क, आवागमन को सुगम बनाने का एक बेहतरीन मार्ग है। मुख्यमंत्री ने ग्रीन सिटी-माधोपुर बंधा तक नवनिर्मित सड़क का महत्व बताते हुए कहा कि इस मार्ग की कनेक्टिविटी से अब वाराणसी, लखनऊ, नेपाल, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, बलरामपुर आदि स्थानों पर जाने वालों को शहर के अंदर जाने की जरूरत नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि राजघाट से होते हुए हाबर्ट बंधा-माधोपुर तटबंध फोरलेन हो रहा है। डोमिनगढ़ में फ्लाईओवर भी बनेगा। लोग यहां से होते हुए डोमिनगढ़ फोरलेन बाईपास पकड़कर कालेसर जाकर लखनऊ मार्ग पर पहुंच जाएंगे। ऐसे ही नेपाल, सोनौली की तरफ जाना हो तो महेसरा होकर जाने की सुविधा मिल जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा गोरखपुर के लोगों के लिए सरकार की तरफ से बहुत सारी सुविधाएं दी जा रही हैं।

सड़क लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को सावन शिवरात्रि की बधाई और शुभकामनाएं दीं। साथ ही देवाधिदेव महादेव भगवान भोलेनाथ से सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। समारोह में प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच योगी ने फीता काटकर किया सड़क का लोकार्पण

जनसभा को संबोधित करने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर-सोनौली राजमार्ग के ग्रीन सिटी मोड़ स्थित नवनिर्मित सड़क के प्रारंभिक स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने लोकार्पण शिलापट्ट का भी अनावरण किया। लोकार्पण के बाद वह इसी मार्ग से सड़क निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए जनसभा स्थल तक पहुंचे।

चंबा में छह वर्षीय बच्चे को रावी नदी में फेंकने का आरोप, पिता गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा में छह वर्षीय बच्चे को रावी नदी में फेंकने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

आरोप है कि बच्चे के पिता हितेश कुमार ने परेल पुल के पास काली माता मंदिर के नीचे उसे उफनती रावी नदी में फेंक दिया। घटना के बाद से छह वर्षीय गगनदीप सिंह का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। एनडीआरएफ की टीम मंगलवार को भी नदी में बच्चे की तलाश में जुटी रही, लेकिन देर शाम तक उसका शव बरामद नहीं हो सका। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंबा दिनेश शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार घटना सोमवार रात करीब नौ से दस बजे के बीच हुई। घटना के बाद आरोपी ने कथित तौर पर अपनी बहन को फोन कर बताया कि उसने अपने बेटे को रावी नदी में फेंक दिया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। मामले की शिकायत बच्चे के दादा जयपाल ने पुलिस में दर्ज करवाई है। शिकायत के अनुसार हितेश कुमार और उसकी पत्नी शारिका के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। परिवार के सदस्यों ने कई बार दोनों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया, लेकिन विवाद बना रहा। इसके बाद शारिका अपने मायके अमृतसर चली गई, जबकि गगनदीप अपने पिता के साथ परेल स्थित क्वार्टर में रह रहा था।

पुलिस पारिवारिक विवाद को घटना की संभावित पृष्ठभूमि मानकर जांच कर रही है, हालांकि बच्चे को नदी में फेंकने के पीछे आरोपी की वास्तविक मंशा क्या थी, यह पूछताछ के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 और 238 के तहत मामला दर्ज किया है। उधर, तेज बहाव के कारण रावी नदी में तलाशी अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। एनडीआरएफ की टीम संभावित स्थानों पर लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। पुलिस घटनाक्रम की पूरी कड़ी जोड़ने और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच में जुटी है।

चिट्टा तस्कर की 2.09 करोड़ की संपत्ति जब्त

नशे की अवैध कमाई पर पुलिस का प्रहार, 2026 में 6.38 करोड़ की संपत्ति जब्त

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अब तस्करों तक पहुंचने के साथ उनकी अवैध कमाई पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस ने पंजाब के बठिंडा से जुड़े एक नशा तस्करी नेटवर्क के मामले में करीब 2.09 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति और परिसंपत्तियां जब्त की हैं। इनमें चिट्टा तस्कर दीपक उर्फ करणी बरार की छह लग्जरी कारें, दो व्यावसायिक संपत्तियां, एक मकान और बैंक में जमा रकम शामिल है। पुलिस के अनुसार यह वर्ष 2026 में जिला शिमला पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय कार्रवाई है। मामले की शुरुआत 20 जून को हुई थी। शिमला पुलिस के स्पेशल सेल को सूचना मिली थी कि कनलोग स्थित एक होम-स्टे में नशे की खेप पहुंची है। पुलिस ने वहां छापा मारकर बठिंडा निवासी गोपाल कुमार को करीब 16 ग्राम चिट्टे यानी हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने इस खेप से जुड़े सप्लायर और पैडलर तक पहुंचने की कोशिश की। जांच के दौरान पुलिस को इस नेटवर्क की अगली कड़ी बठिंडा निवासी गुरुवचन उर्फ गुरु के रूप में मिली। उसे मोहाली से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार उसकी तलाशी में करीब 162 ग्राम चिट्टा यानी हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने वैज्ञानिक, तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इसमें बठिंडा निवासी दीपक कुमार उर्फ करणी बराड़ का नाम सामने आया। पुलिस ने उसे इस नशा नेटवर्क का प्रमुख संचालक बताया है। शिमला पुलिस ने इसके बाद बठिंडा में संयुक्त अभियान चलाकर दीपक कुमार उर्फ करणी बराड़ को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार

उसके खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 12 जून 2023 को थाना कैनाल कॉलोनी, बठिंडा में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21-बी, 61 और 85 के तहत दर्ज मामला शामिल है। इस मामले में करीब 100 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद होने का उल्लेख है। इसके अलावा थाना थर्मल, बठिंडा में 15 फरवरी 2018 को भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और 354-डी के तहत मामला दर्ज हुआ था। वहीं 21 जनवरी 2022 को थाना सिविल लाइंस, बठिंडा में भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत भी मामला दर्ज किया गया था। पुलिस की वित्तीय जांच में सामने आया कि दीपक कुमार उर्फ करणी बराड़ के बैंक खाते में केवल पिछले छह महीनों के दौरान ही 50 लाख रुपए से अधिक का लेनदेन हुआ था। इसके बाद पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत नशे की तस्करी से जुड़े पैसों और संपत्तियों की जांच शुरू की। जांच में पुलिस ने आरोपियों और उनके सहयोगियों से जुड़ी करीब 2.09 करोड़ रुपए की ऐसी संपत्तियों और परिसंपत्तियों की पहचान की, जिन्हें नशे की अवैध कमाई से अर्जित किया गया माना गया है। पुलिस के अनुसार जब्त या फ्रीज की गई संपत्तियों में छह वाहन शामिल हैं। इनमें टोयोटा फॉर्च्यूनर, फोर्ड एंडेवर, टाटा सफारी, हुंडई वरना, मारुति सुजुकी स्विफ्ट और फॉक्सवैगन जेट्टा शामिल हैं। इसके अलावा एस-4 स्पोर्ट्स क्लब और एस-4 कार वॉश सेंटर नाम की दो व्यावसायिक संपत्तियां, एक आवासीय मकान और बैंक में जमा रकम भी कार्रवाई के दायरे में आई है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक नशा तस्करों और सप्लायरों से जुड़ी करीब 6.38 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति जब्त या फ्रीज की जा चुकी है। वर्ष 2024 और 2025 में इस तरह की कार्रवाई का आंकड़ा शून्य था। उनका कहना है कि इन वर्षों में नशा तस्करी के मामलों में वित्तीय जांच को इस स्तर पर लागू नहीं किया गया था।

हिमाचल में बाढ़ और कटाव रोकने के लिए 875 .27 करोड़ रुपए जारी : केंद्र सरकार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और नदी कटाव से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने बाढ़ प्रबंधन और सीमावर्ती क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) के तहत 875.27 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता जारी की है।

जल शक्ति मंत्रालय ने यह जानकारी राज्यसभा में सांसद सिकंदर कुमार द्वारा पूछे सवाल के जवाब में दी। मंत्रालय के अनुसार बाढ़ प्रबंधन, मिट्टी के कटाव को रोकने और पेयजल योजनाओं से जुड़े काम राज्य सरकारें अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार तैयार और लागू करती हैं। केंद्र सरकार इन कामों में तकनीकी मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता देती है। सिकंदर कुमार के सवाल के जवाब में जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने बताया कि केंद्र सरकार नदी प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण, मिट्टी के कटाव को रोकने और जल निकासी के विकास जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए एफएमबीएपी योजना लागू कर रही है। इसके बाढ़ प्रबंधन घटक के तहत हिमाचल प्रदेश सरकार को अब तक कुल 875.27 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता जारी की गई है। मंत्रालय के जवाब में ब्यास, रावी और सतलुज नदी घाटियों के संरचनात्मक तटीकरण के लिए किसी अलग विशेष वित्तीय पैकेज की मंजूरी का उल्लेख नहीं किया गया है। जवाब में यह स्पष्ट किया गया है कि बाढ़ प्रबंधन और कटाव रोधी योजनाओं को राज्य सरकारें अपनी जरूरत और प्राथमिकताओं के अनुसार तैयार करती हैं। केंद्र इन योजनाओं के लिए निर्धारित व्यवस्था के तहत सहायता उपलब्ध कराता है। हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में नदियों के किनारे कटाव और बाढ़ का खतरा मानसून के दौरान बढ़ जाता है। तेज बारिश, बादल फटने और अचानक आने वाली बाढ़ से नदी-नालों का बहाव बढ़ने पर किनारे की जमीन और वहां मौजूद ढांचों को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में बाढ़ नियंत्रण और कटाव रोकने के काम राज्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

न्यूज ब्रीफ

कंप्यूटर प्रशिक्षण से सशक्त हुईं बालिकाएं

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। एनटीपीसी कोलडैम हाइड्रो पावर स्टेशन के बालिका सशक्तिकरण अभियान का समापन मंगलवार को भावपूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख एसएस राव मुख्यातिथि रहे। उन्होंने अभियान में शामिल बालिकाओं की प्रतिभा और आत्मविश्वास में आए बदलाव की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एसएस राव ने कहा कि दूर-दराज क्षेत्रों की बालिकाओं को सक्षम बनाने, आत्मनिर्भर बनाने और उनके व्यक्तित्व विकास के लिए एनटीपीसी ने मंच उपलब्ध कराया है। उन्होंने बताया कि अभियान के लिए करीब दो माह पहले से तैयारियां शुरू कर दी जाती हैं और भोजन, चिकित्सा व आवास सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए समितियां गठित की जाती हैं। 14 जुलाई से 11 अगस्त तक चले अभियान में योग, आत्मरक्षा, गणित, अंग्रेजी, पर्यावरण, कंप्यूटर, पेंटिंग, गुड टच-बैड टच और मनोविज्ञान का प्रशिक्षण दिया गया। बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और नाटक भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अरुण महाजन और नर्मदा राव भी उपस्थित रहीं।

डॉ. ओमेश भारती बने कांगड़ा के नए सीएमओ

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ओमेश भारती को कांगड़ा जिले का नया मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति का स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अधिकारियों, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने स्वागत किया है। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों ने डॉ. ओमेश भारती को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि डॉ. भारती के व्यापक अनुभव एवं नेतृत्व में कांगड़ा जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी तथा आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। डॉ. ओमेश भारती को नई जिम्मेदारी के लिए जिला के स्वास्थ्य अधिकारियों ने हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। गौरतलब है कि इससे पूर्व डॉ विवेक करोल कांगड़ा के सीएमओ पद का कार्यभार देख रहे थे।

एफसीआई स्टील साइलो खोलने की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। शाहपुर के विधायक व उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया इन दिनों दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात कर शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में गेहूं एवं चावल के भंडारण के लिए भारतीय खाद्य निगम के आधुनिक स्टील साइलो खोलने की मांग रखी। विधायक केवल सिंह पठानिया ने केंद्रीय मंत्री को सौंपे पत्र में कहा कि शाहपुर में आधुनिक वैज्ञानिक भंडारण सुविधा स्थापित होने से किसानों तथा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। स्टील साइलो के माध्यम से अनाज का बेहतर एवं सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित होने के साथ फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को भी कम किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि एफसीआई द्वारा पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख कृषि उत्पादक राज्यों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत अत्याधुनिक स्टील साइलो स्थापित किए गए हैं। इसी तर्ज पर शाहपुर में भी यह सुविधा उपलब्ध करवाना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम होगा। पठानिया ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि हिमाचल प्रदेश में ऊना में आलू प्रसंस्करण केंद्र, नादौन में स्पाइस पार्क तथा कांगड़ा में किन्नू प्रसंस्करण केंद्र जैसे प्रोजेक्ट भी विचाराधीन हैं। ऐसे में शाहपुर में एफसीआई साइलो की स्थापना खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े इन प्रयासों को और गति प्रदान कर सकती है। विधायक ने केंद्रीय मंत्री से जनहित में शाहपुर में गेहूं और चावल के लिए एफसीआई स्टील साइलो खोलने को स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया।

तीन महीने में उखड़ने लगीं इंटरलॉक टाइल्स

न्यू एमसी मार्केट के निर्माण कार्य पर उठे सवाल, विजिलेंस में शिकायत की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पठानकोट की न्यू एमसी मार्केट में इंटरलॉक टाइल्स के निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय दुकानदारों और लोगों का आरोप है कि मार्केट में बिछाई गई इंटरलॉक टाइल्स महज करीब तीन महीने बाद ही टूटने और उखड़ने लगी हैं। इससे निर्माण कार्य में इस्तेमाल किए गए मैटीरियल की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

मामला सामने आने के बाद पूर्व पार्षद विक्की ने भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संबंध में कई बार नगर निगम अधिकारियों को फोन के माध्यम से जानकारी दी गई और मौके का निरीक्षण कर स्थिति की जांच करने का आग्रह किया गया, लेकिन अभी तक नगर निगम की ओर से कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर जांच करने नहीं पहुंचा। पूर्व पार्षद विक्की ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर करवाए जाने वाले विकास कार्य यदि कुछ ही महीनों में खराब होने लगें तो उनकी गुणवत्ता की जांच जरूरी है। उन्होंने मांग की कि नगर निगम यह जांच करे कि न्यू एमसी मार्केट में इंटरलॉक टाइल्स का कार्य किस प्रक्रिया के तहत करवाया गया, इसमें किस गुणवत्ता के मैटीरियल का इस्तेमाल हुआ और क्या निर्माण के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया। उन्होंने कहा कि बार-बार सूचना देने के बावजूद नगर निगम की ओर से कार्रवाई न होना चिंता का विषय है। अब वह इस मामले को विजिलेंस विभाग के समक्ष उठाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच हो सके।

विक्की ने कहा कि यदि जांच में निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी धन से होने वाले विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं होना चाहिए। वहीं, स्थानीय दुकानदारों और लोगों ने भी नगर निगम से मौके का निरीक्षण करवाने तथा क्षतिग्रस्त टाइल्स की स्थिति का जायजा लेने की मांग की है। उन्होंने पूरे कार्य की गुणवत्ता की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग उठाई है। फिलहाल मामले में पूर्व पार्षद द्वारा विजिलेंस में शिकायत देने की बात कही गई है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि टाइल्स उखड़ने की वास्तविक वजह क्या है और निर्माण में इस्तेमाल सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप थी या नहीं।

झारखंड के छात्रों की आवाज भी राहुल को सुनाई देनी चाहिए : राजीव बिंदल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा के हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने झारखंड में रोजगार और अपने अधिकारों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि रांची में अपनी मांगें लेकर प्रदर्शन कर रहे निहत्थे युवाओं के खिलाफ कंटीले तार लगाए गए, आंसू गैस छोड़ी गई, वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया व लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताते हुए कहा कि भाजपा झारखंड के युवाओं और छात्रों के साथ खड़ी है। बिंदल ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि कांग्रेस खुद को युवाओं और छात्रों की हितैषी बताती है। ऐसे में राहुल गांधी को झारखंड में छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई पर उसे अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस-जेएमएम सरकार से छात्रों की आवाज सुनने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से कहा कि दिल्ली में छात्रों की आवाज सुनाई देती है तो झारखंड के छात्रों की परेशानी भी दिखाई देनी चाहिए। बिंदल ने कहा कि दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन को लेकर बयान देने वाले राहुल गांधी को झारखंड के छात्रों की आवाज भी सुननी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस उन जगहों पर छात्र हितों की बात करती है, जहां उसे राजनीतिक लाभ दिखाई देता है। अपनी सहयोगी सरकार के खिलाफ युवा सड़क पर उतरते हैं तो कांग्रेस की संवेदनशीलता दिखाई नहीं देती। बिंदल ने इसे कांग्रेस की 'सुविधा की राजनीति' बताया और राहुल गांधी तथा कांग्रेस से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

तंबाकू नियंत्रण अभियान में 63 चालान, 20 हजार रुपए जुर्माना वसूला

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिले में तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री और सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के लिए स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग ने संयुक्त अभियान चलाया। जिला और चारों विकासखंडों की उड़नदस्ता टीमों ने दुकानों व विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 के उल्लंघन पर 63 चालान किए तथा 20 हजार रुपए जुर्माना वसूला। जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपक गुरुंग के नेतृत्व में जिला स्तरीय टीम और खंड चिकित्सा अधिकारियों के नेतृत्व में विकासखंड स्तरीय टीमों ने कार्रवाई की। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, तंबाकू उत्पादों की बिक्री तथा शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में बिक्री की जांच की गई। टीमों ने दुकानदारों को खुले में सिगरेट बेचने से बचने और वैध लाइसेंस के साथ ही तंबाकू उत्पाद बेचने की हिदायत दी।

बागवानों को अपराधी की तरह नोटिस देकर कटघरे में खड़ा कर रही सरकार : चेतन बरागटा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा नेता एवं जुब्बल-कोटखाई से प्रत्याशी चेतन बरागटा ने सेब बागवानों के मुद्दों को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि कम फसल, प्रतिकूल मौसम और बढ़ती उत्पादन लागत से परेशान बागवानों को राहत देने के बजाय सरकार नोटिस और कागजी कार्रवाई में उलझा रही है। उन्होंने बागवानों की समस्याओं को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने की जानकारी भी दी। बरागटा ने कहा कि 2025 में एमआईएस के तहत 100 से अधिक बोरियां सेब देने वाले बागवानों को आधार कार्ड, जमाबंदी, ततीमा, आढ़ती की पर्चियां और बैंक स्टेटमेंट जैसे दस्तावेज जमा करवाने के नोटिस दिए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि खरीद के समय सत्यापन क्यों नहीं किया गया। उन्होंने सरकार से ऐसे सभी नोटिस वापस लेने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि एमआईएस के तहत बागवानों की 100 करोड़ रुपए से अधिक की देनदारी लंबित है। उन्होंने सरकार से

बकाया भुगतान तत्काल जारी करने की मांग की। साथ ही सभी कलेक्शन सेंटरों को समय पर खोलने और उनकी सूची सार्वजनिक करने को कहा।

बरागटा ने एमआईएस खरीद की पूरी प्रक्रिया की जांच, कलेक्शन सेंटरों और सरकारी खरीद व्यवस्था में पारदर्शिता तथा सी-ग्रेड सेब की पर्याप्त खरीद सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने एंटी हेलनेट, स्प्रे मशीन और पावर टिलर की लंबित सब्सिडी जारी करने की भी मांग उठाई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने बागवानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो भाजपा आंदोलन तेज करेगी और सड़कों पर उतरकर संघर्ष करेगी।

मंत्रिमंडल की बैठकों में लिए गए अधिकांश निर्णय कार्यान्वित: जगत सिंह नेगी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक हुई। बैठक में आवास, तकनीकी शिक्षा एवं नगर नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी भी मौजूद थे। इस दौरान मंत्रिमंडल की बैठकों में लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन को लेकर समीक्षा की गई। बैठक में अवगत करवाया गया कि 13 जनवरी, 2023 से 31 मई, 2026 तक मंत्रिमंडल की बैठकों में 1628 निर्णय लिए गए, जिनमें से अधिकांश निर्णय पूरी तरह कार्यान्वित किए जा चुके हैं। शेष निर्णयों को लेकर भी चर्चा की गई, जिनमें गृह, राजस्व, वित्त, लोक निर्माण विभाग, वन, जलशक्ति, कार्मिक, श्रम एवं रोजगार, पंचायतीराज, बहुउद्देशीय परियोजनाएं व ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, सहकारिता से जुड़े निर्णय शामिल हैं। जगत सिंह नेगी ने अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना की और बाकी निर्णयों को समयबद्ध कार्यान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधान सचिव डॉ. अभिषेक जैन, सचिव मुख्यमंत्री राकेश कंवर, सचिव सहकारिता व टीसीपी अमरजीत सिंह, सचिव बागवानी व कृषि सी. पालरासू, सचिव आयुष ए. शायनामोल, सदस्य सचिव हरबंस सिंह ब्रसकोन, निदेशक ट्रेजरी विजय वर्धन और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए मजबूत नेटबॉल टीम तैयार करना लक्ष्य : अशोक

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। अखिल भारतीय नेटबॉल संघ के महासचिव नियुक्त होने के बाद हिमाचल पहुंचे अशोक आनंद का प्रदेश नेटबॉल संघ के पदाधिकारियों, खिलाड़ियों और विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधियों ने भव्य स्वागत किया।

ऊना से सीधे अवाहदेवी माता मंदिर पहुंचे अशोक आनंद का पदाधिकारियों और खिलाड़ियों ने फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद लिया और राष्ट्रीय स्तर पर नई जिम्मेदारी में सफलता की कामना की। इसके बाद मंडी जिले के धर्मपुर उपमंडल के खौदा गांव में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। पत्रकारों से बातचीत में अशोक आनंद ने कहा कि अखिल भारतीय नेटबॉल संघ की कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन सराहनीय कदम है। उन्होंने

राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिओम कौशिक का महासचिव नियुक्त करने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 में अहमदाबाद में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत की मजबूत नेटबॉल टीम तैयार करना प्राथमिकता होगी। इसके लिए राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन कर चार वर्षों में मजबूत टीम तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत में नेटबॉल तेजी से उभर रहा है और हिमाचल भी इसमें आगे बढ़ रहा है। खिलाड़ियों के लिए अधिक प्रशिक्षक और रेफरी तैयार करने के साथ कोचिंग कैंप आयोजित किए जाएंगे। इनमें शारीरिक शिक्षकों और राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नेटबॉल को सरकारी नौकरियों में स्पोर्ट्स कोटे में शामिल करना खिलाड़ियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय है। अब स्कूल और कॉलेज स्तर पर भी नेटबॉल को शामिल करने की मांग की जाएगी। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र ठाकुर, उपाध्यक्ष सुनील अत्री, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार सहित कई राष्ट्रीय खिलाड़ी मौजूद रहे। विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों ने भी अशोक आनंद को बधाई देते हुए नियुक्ति को हिमाचल के लिए गौरव बताया।

मछुआरों को 3,500 नहीं कम से कम 10 हजार रुपए राहत दे सरकार : कटवाल

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता विधायक जीतराम कटवाल ने क्लोज सीजन के दौरान मछुआरों को दी जा रही 3,500 रुपए की राहत राशि को अपर्याप्त बताते हुए इसे 'ऊंट के मुंह में जीरा' करार दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू 12 अगस्त को झंडूता विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर आ रहे हैं और इस दौरान मछुआरों को दो माह के मत्स्य आखेट प्रतिबंध के एवज में 3,500-3,500 रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने सरकार से यह राशि बढ़ाकर कम से कम 10 हजार रुपए करने की मांग की।

◆ बाहरी राज्यों से आने वाली मछली से स्थानीय मछुआरों का रोजगार प्रभावित हो रहा

कटवाल ने कहा कि मछुआरों की कई अन्य समस्याएं भी हैं, जिनके समाधान के लिए प्रदेश सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की इस योजना में तालाब निर्माण, मत्स्य उत्पादन और नाव जैसी सुविधाओं के लिए सब्सिडी सहित 28 कंपोनेंट शामिल हैं। अनुसूचित जाति, जनजाति और महिला मछुआरों को भी सब्सिडी का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि केंद्र की योजना 90:10 के अनुपात में संचालित है, जिसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार और 10 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करती है।

केंद्र की योजना प्रति मछुआरा आधारित है, जबकि प्रदेश की योजना परिवार आधारित होने के कारण एक ही परिवार के एक से अधिक सदस्यों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता। कटवाल ने कहा कि बाहरी राज्यों से आने वाली मछली से स्थानीय मछुआरों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मत्स्य सोसायटियों में भाई-भतीजावाद रोकने, गरीब मछुआरों को छोटे उद्यमों के लिए सहायता देने और प्रदेश में उपलब्ध जलाशयों की क्षमता का बेहतर उपयोग करने की मांग की।

बातचीत 6 साल पहले 3 करोड़ के प्रोजेक्ट चल रहे थे, अब 38 करोड़ के 37 प्रोजेक्ट पर हो रहा काम

एनआईटी के रुतबे की बहाली के लिए किए हर संभव प्रयास : प्रो. सूर्यवंशी

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश के एकमात्र राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में रैंकिंग का स्तर गिर रहा था उसे सुधारने के लिए को मौजूदा डायरेक्टर प्रो. एचएम सूर्यवंशी हैं उनके प्रयास रंग लाने लगे हैं। उनका कार्यकाल जो अब अंतिम पड़ाव पर है, लेकिन उन्होंने एनआईटी को उस मकाम तक पहुंचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। एनआईटी को लेकर सूर्यवंशी से विशेष बातचीत की।

चारदीवारी मजबूत कर नशे से जुड़ी समस्याओं पर पाया काबू

डायरेक्टर का कहना था कि कैंपस के भीतर सभी तरह के कर्मचारी फैकल्टी नॉन फैकल्टी और स्टूडेंट को आवासीय सुविधा उपलब्ध है एक फीसदी बच्चे जो जानबूझकर कैंपस के भीतर नहीं रहना चाहते, उन्हें यदि छोड़ दिया जाए, तो यहां बेहतर परिस्थितियों हैं। और यहां का कैंपस बेहद अच्छा है। चारदीवारी को मजबूत करके नशे को लेकर कुछ समय पहले जो छोटी-मोटी समस्याएं थीं उन पर काबू पाने में सफलता हासिल की है।

सूर्यवंशी ने कहा कि वे जब इस संस्थान में कार्यकाल संभालने पहुंचे थे उसे समय केवल तीन करोड़ के प्रोजेक्ट यहां चल रहे थे। जिनकी संख्या अब 37 हो चुकी है और 38 करोड़ की लागत वाले इन प्रोजेक्ट्स से निश्चित रूप में संस्थान की साख में निखारश्आएगा। उनका मानना था कि पूर्व काल में यानी उनके कार्यभार संभालने से पहले संस्थान को जो डैमेज हो चुका था, उसकी भरपाई के लिए मुकम्मल तौर पर जो रिपेयर वर्क चाहिए था, उसमें कोई कसर नहीं छोड़ी है। हर साल प्रमोशन का सिलसिला भी जारी रखा। यही नहीं, न्यायालय के मामलों में भी काफी काम हुआ है। इनमें अब बहुत कमी अब आ चुकी है। फैकल्टी के मामले कोर्ट में नाम मात्र को हैं। जबकि नॉन टीचिंग के कुछ मामले हैं। 25 से 30 संख्या वाले इन मामलों का भी निपटारा बहुत जल्दी होने की उम्मीद है, क्योंकि संस्थान इसमें अच्छी खासी मशक्कत कर रहा है। बेवजह के मामलों को बातचीत के जरिए अंतिम चरण में ले जाने के हर संभव प्रयास किए गए हैं। तकरीबन 5000 की छात्र संख्या वाले इस संस्थान में 13 विभाग हैं। डायरेक्टर का कहना था कि आर्किटेक्चर विभाग में कुछ कमियां निश्चित रूप में हैं, मगर अब आरएंडडी के तहत स्पार्क का नया प्रोजेक्ट भी मिला है। कंसल्टेंसी भी चालू कर दी गई है, इससे संस्थान को भी इनकम होगी। सालाना ढाई सौ से 300 करोड़ का खर्च संस्थान के बजट में रहता है। अब दो हॉस्टल स्टूडेंट्स के लिए निर्मित किया जा रहे हैं। 300 छात्राओं की सुविधा वाला गर्ल्स हॉस्टल का काम तो अंतिम चरण में है, लेकिन 150 स्टूडेंट के लिए बॉयज हॉस्टल में अभी कुछ तकनीक की पहलू हैं, जिसकी वजह से यह काम अधर में लटका हुआ है। सूर्यवंशी को विश्वास है कि जितना काम इस संस्थान में उनके कार्यकाल में हुआ है, अब यह संस्थान अखिल भारतीय रैंकिंग में 100 से नीचे निश्चित रूप में रहेगा, सितंबर में जो रैंकिंग आएगी, उसमें संस्थान को बहुत उम्मीद है। क्योंकि पहले हुए डैमेज को कंट्रोल करके उसकी बेहतर रिपेयरमेंट करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई है। सूर्यवंशी का कहना था कि उनके इस कार्यकाल में सबसे महत्वपूर्ण काम फैकल्टी और नॉन टीचिंग के दरमियान प्रशासनिक फैसले को खत्म करने का बेहतर प्रयास किया छोटी-छोटी समस्याओं को हल किया गया जो मामले बरसों से अनसुलझे थे उन पर सफलता पाई है। स्टैग्नेशन को खत्म करने के लिए हर साल प्रमोशन चैनल बहाल रखा गया और अब ऐसी जगह पर यह संस्थान पहुंच गया है। जहां से यह तरक्की की पायदान पर बेहतर ही साबित होगा।

हार्ट वाल्व को राष्ट्रीय अभियान बनाने की मांग

भाजपा के वरिष्ठ नेता अविनाश राय खन्ना ने हार्ट वाल्व और पेसमेकर दान को देशव्यापी अभियान का हिस्सा बनाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने राज्यपाल कविंद्र गुप्ता से मुलाकात कर उन्हें विस्तृत ज्ञापन सौंपा। खन्ना ने कहा कि देश में नेत्रदान व अंग एवं ऊतक दान को लेकर लोगों में जागरूकता पहले के मुकाबले बढ़ी है, लेकिन हार्ट वाल्व दान और पेसमेकर दान के बारे में अभी भी बहुत कम जानकारी है।

उत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग

खुली निविदा सूचना संख्या NIT-02-GS-Engg-UMB-2026-27, दिनांक 11.08.2026

उप मुख्य अभियंता/जीएस/यूएमबी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए, निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत खुली निविदाएं (ई-टेंडर) आमंत्रित करते हैं। ये निविदायें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं तथा इनकी अंतिम तिथि 01.09.2026 को 15:00 बजे तक है। निविदाकार केवल निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय तक ही अपनी मूल/संशोधित बोली प्रस्तुत कर सकेंगे। इन निविदाओं के विरुद्ध मैनुअल (हस्तचालित) प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे तथा प्राप्त होने पर ऐसे प्रस्तावों को अनदेखा किया जाएगा। ठेकेदार इस निविदा के अंतर्गत अर्जित धनराशि (Earnest Money) का भुगतान www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध ई-पेमेंट गेटवे माध्यमों से नकद रूप में अथवा भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक द्वारा जारी बैंक गारंटी बॉण्ड के रूप में या निविदा दस्तावेज के अनुसार कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए www.ireps.gov.in पर लॉगिन करें।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुली	इंजि.जी.एस./कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड तिथि	बोली प्रारंभ तिथि	बोली समापन तिथि (समय)
11.08.2026	18.08.2026	01.09.2026 (15:00 बजे तक)

क्र.सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम
1.	02-जीएस-इंजि-यूएमबी/2026-27	अम्बाला मंडल के अंतर्गत सरहिंद रेलवे स्टेशन पर यात्री प्लेटफार्म संख्या 1 और 2 को ऊँचा करना तथा प्लेटफार्म शेल्टर का निर्माण।

विज्ञापित मूल्य	अग्रिम राशि	प्रस्ताव की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि
3,85,15,223.38/-	7,70,300/-	60 दिन	06 माह

समान प्रकृति का कार्य:- "पटरी कार्य को छोड़कर कोई भी सिविल कार्य।"

नोटः निविदा में भाग लेने से पूर्व, निविदाकार यह सुनिश्चित कर लें कि उक्त निविदा के विरुद्ध कोई संशोधन/परिशिष्ट जारी तो नहीं किया गया है।

2769/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

न्यूज शॉर्ट्स

ऊधम सिंह नगर में तेज रफ्तार कार ने छीनी पति-पत्नी की जिंदगी

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रपुर। रुद्रपुर में तेज रफ्तार कार की टक्कर से संतोष यादव और उनकी पत्नी सुनीता यादव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम पसर गया। दोनों अपने पीछे 18 वर्षीय बेटी प्रियंका और 14 वर्षीय बेटे यश को छोड़ गए। घटना की सूचना पर गोरखपुर से पहुंचे स्वजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, जहां शव देखकर चीख-पुकार मच गई।

देहरादून में हाथी के हमले से महिला की मौत

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के डोईवाला क्षेत्र के धन्याड़ी गांव में हाथी के हमले में 37 वर्षीय अंजली गुसा की उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला सोमवार शाम दूध लेकर घर लौट रही थीं, तभी हाथी ने उन पर हमला कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों में शोक और आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से हाथियों की आवाजाही है, लेकिन सोलर फेंसिंग की मांग पर अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

पंद्रहवें वित्त आयोग से उत्तराखंड की पंचायतों को मिला 2239 करोड़ अनुदान

अनिल थपलियाल। उत्तराखंड में पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से लगातार वित्तीय सहयोग दिया जा रहा है। पिछले पांच वर्षों में पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत पंचायतों के तीनों स्तरों को कुल 2239 करोड़ रुपये का अनुदान आवंटित किया गया। वहीं संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक उत्तराखंड को 201.24 करोड़ रुपये से अधिक की निधि मिली। इस योजना के तहत पंचायतों की क्षमता बढ़ाने के साथ बुनियादी सुविधाओं और कंप्यूटरीकरण को भी बढ़ावा दिया गया। राज्य में 1001 कंप्यूटर खरीदे गए।

तमक नाला हादसे में लापता व्यक्ति की तलाश जारी

उदित नैनवाल। चमोली जिले के ज्योतिर्मठ-मलारी मार्ग स्थित तमक नाला में अत्यधिक जलप्रवाह से वैली ब्रिज बहने के बाद लापता व्यक्ति की तलाश दूसरे दिन भी जारी रही। चमोली पुलिस, जिला प्रशासन, सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सीमा सड़क संगठन की टीमें संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं। नदी तट और संभावित स्थानों पर सघन तलाशी ली जा रही है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद सभी एजेंसियां समन्वय से जुटी हैं।

कांवड़ यात्रा में 200 से अधिक कटे चालान

अनिल थपलियाल। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए रुद्रप्रयाग पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर, कर्कश ध्वनि, ट्रिपल राइडिंग और स्टंटबाजी करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की। गत दिवस मोटर वाहन अधिनियम के तहत 160 और पुलिस अधिनियम के तहत 30 चालान किए गए।

कोटद्वार के नए रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में

निर्माण कार्य का एडीआरएम ने लिया जायजा, गुणवत्ता पर दिए निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल। कोटद्वार में निर्माणाधीन नए रेलवे स्टेशन का काम अब अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। मंगलवार को मुरादाबाद मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) पारितोष गौतम ने मंगलवार को स्टेशन परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार स्टेशन का निर्माण कार्य अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद स्टेशन के उद्घाटन की तैयारियां शुरू की जाएंगी।

निरीक्षण के दौरान एडीआरएम ने स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया और यात्रियों के लिए विकसित की जा रही अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से निर्माण की वर्तमान स्थिति, गुणवत्ता और निर्धारित समयसीमा की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए और सभी कार्य तय समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएं।

एडीआरएम पारितोष गौतम ने फोन पर कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण से भी बातचीत की। विधायक ने स्टेशन पर यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए स्टेशन परिसर में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने समेत अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

अक्टूबर तक पूरा होगा निर्माण कार्य

विधायक ने कहा कि नया रेलवे स्टेशन कोटद्वार के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है। स्टेशन शुरू होने के बाद यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही क्षेत्र में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक निर्माणाधीन स्टेशन का कार्य अक्टूबर माह तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है।

कई अधिकारी रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान जनसंपर्क अधिकारी मनीराम शर्मा, विधायक प्रतिनिधि कमल नेगी, महेश नेगी एवं राजेंद्र जेजेडी मौजूद रहे। इसके अलावा वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक महेश यादव, मुख्य वाणिज्यिक निरीक्षक नजीबाबाद राजेंद्र कुमार मीना सहित रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

राहुल गांधी पर बरसे सुबोध उनियाल कहा– 'जेन जी' के नाम पर कर रहे राजनीति

◆ कांग्रेस के दोहरे रवैये पर सुबोध उनियाल ने उठाए सवाल

नकलरोधी कानून पर मंत्री ने रखी सख्ती

उनियाल ने उत्तराखंड में लागू नकलरोधी कानून का भी उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कठोर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य योग्य अभ्यर्थियों को निष्पक्ष अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा का इस्तेमाल देश और प्रदेश के विकास में होना चाहिए।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए दिल्ली और झारखंड के मुद्दों पर पार्टी के कथित दोहरे रवैये पर सवाल उठाए। मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उनियाल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी 'जेन जी' के नाम पर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को युवाओं के मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय देशहित में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

सुबोध उनियाल ने राहुल गांधी के संसद में दिए जा रहे बयानों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में चर्चा और अन्य मुद्दों को लेकर राहुल गांधी लगातार अपने बयान बदल रहे हैं। उनियाल ने कहा कि संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है और वहां सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से मर्यादित भाषा तथा जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति भी संसद में असमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया।

कैबिनेट मंत्री ने कांग्रेस के दिल्ली और झारखंड में अपनाए जा रहे रवैये को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में किसी कार्रवाई को लेकर कांग्रेस जोरदार विरोध करती है, लेकिन झारखंड में जब छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दे सामने आते हैं तो पार्टी की आवाज कमजोर पड़ जाती है

गांव-गांव जैविक खेती का संदेश पहुंचाएंगी कृषि सखियां

◆ महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनाएगी जैविक खेती

विकास बलोनी। उत्तराखंड राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत उत्तराखंड जैविक उत्पाद परिषद के किसान भवन में कृषि सखियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि सखियों की क्षमता का विकास करते हुए उन्हें जैविक एवं प्राकृतिक खेती की आधुनिक और टिकाऊ तकनीकों से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान कृषि सखियों को पोषण वाटिका, प्राकृतिक खेती, जैविक आगतों के निर्माण तथा उनके प्रयोग की विभिन्न विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने खेती में रासायनिक इनपुट पर निर्भरता कम करने, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया।

प्रशिक्षण में कृषि सखियों को इस तरह तैयार किया गया कि वे अपने समूहों और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर अन्य महिला किसानों को भी जैविक एवं प्राकृतिक खेती की तकनीकों की जानकारी दे सकें। इससे ग्रामीण महिलाओं के कृषि संबंधी ज्ञान और कौशल में वृद्धि होने के साथ उनकी आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रशिक्षण के माध्यम से कृषि सखियों को समुदाय में ज्ञान की वाहक के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया। ऐसे कार्यक्रम टिकाऊ कृषि, बेहतर पोषण, स्थानीय संसाधनों के उपयोग और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

वैली ब्रिज बहने के बाद तमक नाले में मार्ग बहाली का काम तेज

उदित नैनवाल। नीती घाटी में भारी बारिश के कारण तमक नाला उफान पर आने से वैली ब्रिज बह गया था, जिसके बाद क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। मार्ग को जल्द सुचारु करने के लिए, जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की टीमें युद्धस्तर पर जुटी हैं। तमक नाले में ह्यूम पाइप डालकर अस्थाई मोटर मार्ग तैयार करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मौके पर तैनात टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं और प्रशासन मार्ग को जल्द से जल्द तैयार कर वाहनों की आवाजाही बहाल करने का प्रयास कर रहा है। जिला प्रशासन द्वारा मौके की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने संबंधित टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं और मार्ग बहाली के कार्य में विभागों तथा सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। आवश्यक संसाधन और मशीनरी भी मौके पर उपलब्ध कराई गई है।

टिहरी में धूमधाम से मनाया जाएगा स्वतंत्रा दिवस समारोह: सीडीओ

स्वतंत्रता दिवस पर सजेगा शहर, 14-15 अगस्त को जगमग होंगे सरकारी भवन

भारतेंदु संवाददाता, टिहरी। स्वतंत्रता दिवस समारोह को धूमधाम से मनाने के लिए सीडीओ वरुण अग्रवाल ने अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए अपने कार्य तत्परता से पूरा करने के निर्देश दिए। मंगलवार को विकास भवन में आयोजित बैठक में सीडीओ अग्रवाल ने बताया कि जनपद के प्रमुख स्थानों पर 12 अगस्त को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिसके लिए एसडीएम, बीडीओ और ईओ को स्थल चयन के निर्देश दिए।

वहीं 13 अगस्त को तिरंगा रैली डाइजर से हनुमान चौक, मुख्य बाजार होते हुए साईं चौक बौराड़ी तक निकाली जाएगी। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर रूट पर सुचारू यातायात व्यवस्था, एंबुलेंस, मेडिकल टीम की उपलब्धता के निर्देश दिए। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस गरिमापूर्ण व जनसहभागिता के साथ मनाया जाएगा। जिसमें प्रदर्शनी, दो मिनट का मौन, वृत्तचित्र प्रदर्शन, श्रद्धांजलि व कैंडल मार्च शामिल है। शिक्षण संस्थानों में भाषण, निबंध, वाद-विवाद व जोड़ प्रतियोगिताएं होंगी।

सीडीओ ने अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

टिहरी। सीडीओ ने नगर पालिका को शहर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने, शहीद स्मारक की साफ-सफाई करने को कहा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था सहित सभी व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। 14-15 अगस्त को सरकारी और गैर-सरकारी भवनों को एलईडी लाइटों से प्रकाशमान किया जाए। 15 अगस्त को सभी राजकीय कार्यालयों में सुबह 9 बजे ध्वजारोहण, जबकि मुख्य कार्यक्रम स्थल जीपीआईसी में मुख्य अतिथि साढ़े 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में राकेश जोशी को मिली नई जिम्मेदारी

गिरीश चंदोला। विकासखंड थराली के पूर्व ब्लाक प्रमुख और भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री राकेश जोशी को भाजपा की नई प्रदेश कार्यसमिति में सदस्य मनोनीत किया गया है। इस जिम्मेदारी के लिए जोशी ने भाजपा प्रदेश संगठन, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। उनके मनोनयन पर थराली के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया तथा बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राकेश जोशी के प्रदेश संगठन में शामिल होने से थराली विधानसभा क्षेत्र में पार्टी और अधिक मजबूत होगी। राकेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार के कार्यों के आधार पर भाजपा वर्ष 2027 में उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। उन्होंने नकल विरोधी कानून और समान नागरिक संहिता जैसे महत्वपूर्ण कदमों का भी उल्लेख किया। जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है।

नशे से दूर रहकर शिक्षा और सफलता की राह चुनें युवा: एसपी चमोली

उदित नैनवाल। पीएम श्री राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज ग्वाड़ देवलधार में नेह ट्रस्ट फाउंडेशन के नशामुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम में 'जहर की राह' लघु फिल्म दिखाई गई, जिसमें नशे के व्यक्ति, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को दर्शाया गया। विद्यार्थियों के लिए नशामुक्ति विषय पर क्विज प्रतियोगिता भी कराई गई और विजेताओं को सम्मानित किया गया। एसपी ने कहा कि नशा धीरे-धीरे व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य को प्रभावित करता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों ने नशामुक्त समाज और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्तिकेय वाजपेयी ने शुरू किया नया पॉडकास्ट 'इनसाइट आउट' में जिंदगी, रिश्तों और खुद को समझने की होगी गहरी पड़ताल

अनिल थपलियाल। लेखक, वकील, क्रिकेटर और आध्यात्मिक चिंतक कार्तिकेय वाजपेयी ने 'इनसाइट आउट फीचरिंग कार्तिकेय वाजपेयी' नाम से नया पॉडकास्ट शुरू किया है। इसमें जिंदगी, पहचान, रिश्तों, महत्वाकांक्षा, असफलता, उद्देश्य और आधुनिक जीवन से जुड़े सवालों पर चिंतनशील बातचीत की जा रही है। पहले एपिसोड में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और बाहरी स्वीकृति के कारण बदलती व्यक्तिगत पहचान पर चर्चा की गई। कार्तिकेय ने सवाल उठाया कि क्या लोग अपनी पहचान खुद तय कर रहे हैं या डिजिटल दुनिया और सामाजिक अपेक्षाएं उसे प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने रिश्तों को लेकर भी कहा कि सार्थक संबंध दो ऐसे व्यक्तियों के बीच बनता है, जो स्वयं में पूर्ण हों। पॉडकास्ट का उद्देश्य तैयार जवाब देना नहीं, बल्कि श्रोताओं को अपने जीवन और धारणाओं पर नए सिरे से विचार करने के लिए प्रेरित करना है। आने वाले एपिसोड में नेतृत्व, असफलता, उद्देश्य और समकालीन जीवन जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

दो विधायक बदले, आठ साल बीते फिर भी बुरूकोट पुल का इंतजार जारी

गिरीश चंदोला। देवाल-वाण मोटरमार्ग के किलोमीटर 43 स्थित बुरूकोट गधेरे में पुल निर्माण की मांग आठ वर्षों से लंबित है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार शासन-प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से गुहार लगाने के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बरसात में गधेरे का जलस्तर बढ़ने से यहां आवाजाही जोखिमभरी हो जाती है। पुल नहीं होने से स्थानीय ग्रामीणों के साथ श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। यह मार्ग नंदा देवी राजजात यात्रा के साथ रूपकुंड, आली बुग्याल और बेदनी बुग्याल जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए महत्वपूर्ण है। सामाजिक कार्यकर्ता हीरा सिंह गढ़वाली ने कहा कि आठ वर्षों में दो विधायक बदल गए, लेकिन समस्या जस की तस है। ग्रामीणों ने जल्द पुल निर्माण शुरू नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन और आंदोलन की चेतावनी दी है।

उत्तराखंड क्रांति दल ने जनहित के मुद्दों को लेकर सरकार से की कई मांगें

◆ कहा- मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन करेगा यूकेडी

अनिल थपलियाल। उत्तराखंड क्रांति दल ने प्रदेश में जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। दल ने कहा कि प्रदेश के विकास और आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार को केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित न रहकर जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। लंबे समय से विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की समस्याएं लंबित हैं, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से समयबद्ध कार्रवाई नहीं होने के कारण जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे आम लोगों में सरकार और प्रशासन के प्रति असंतोष बढ़ रहा है।

दल ने कहा कि स्थानीय स्तर पर सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, रोजगार और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना जरूरी है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को छोटी-छोटी प्रशासनिक समस्याओं के समाधान के लिए भी अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कई मामलों में शिकायतों और मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से लोगों की परेशानियां लगातार बनी हुई हैं। ऐसे में संबंधित विभागों को जिम्मेदारी तय करते हुए लंबित मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर करना चाहिए।

उत्तराखंड क्रांति दल ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। दल का कहना है कि जनहित से जुड़े मामलों में अधिकारियों और विभागों की जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए तथा लोगों की शिकायतों पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए। इससे प्रशासन और जनता के बीच विश्वास मजबूत होगा। दल ने प्रदेश के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार से गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेने की अपील की है।

संयुक्त मोबाइल कोर्ट में दिव्यांगजन उठा सकेंगे पेंशन संबंधी मुद्दे

दिव्यांगजनों को मिलेगा न्याय, सितंबर में आयोजित होगा संयुक्त मोबाइल कोर्ट

अनिल थपलियाल। देहरादून में दिव्यांगजनों की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सितंबर 2026 में संयुक्त मोबाइल कोर्ट आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन मुख्य आयुक्त दिव्यांगजन भारत सरकार और राज्य आयुक्त दिव्यांगजन उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में प्रस्तावित है। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और विधिक संरक्षण का लाभ उपलब्ध कराने के साथ उनकी समस्याओं का सक्षम स्तर पर निस्तारण सुनिश्चित करना है।

मुख्य आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय की ओर से प्रदेश के सभी जनपदों में संयुक्त मोबाइल कोर्ट के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को इस पहल से जोड़ना है, ताकि वे अपनी शिकायतें और समस्याएं सीधे मोबाइल कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत कर सकें।

समाज कल्याण अधिकारी ने दिव्यांगजनों से की अपील

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जनपद के दिव्यांगजनों से अपील की है कि मोबाइल कोर्ट की तिथि और स्थान निर्धारित होने के बाद अधिक से अधिक संख्या में इसमें भाग लेकर अपनी समस्याएं प्रस्तुत करें। शिकायत पत्र के साथ दिव्यांगता प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। शिकायत पत्र संबंधित खंड विकास अधिकारी कार्यालय अथवा जिला समाज कल्याण विभाग के कार्यालय में भी जमा किए जा सकेंगे।

दीपांकर घिल्डियाल ने अधिकारियों को किया निर्देशित

जिला समाज कल्याण अधिकारी देहरादून दीपांकर घिल्डियाल ने सभी सहायक समाज कल्याण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में दिव्यांगजनों, दिव्यांगजन संगठनों और संबंधित हितधारकों को संयुक्त मोबाइल कोर्ट की जानकारी उपलब्ध कराएं। अधिकारियों को दिव्यांगजनों की शिकायतों और समस्याओं से संबंधित आवश्यक जानकारी मोबाइल नंबर सहित एकत्र करने के लिए भी कहा गया है, ताकि मामलों की सुनवाई के लिए व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जा सके।

राजकीय विश्वविद्यालय कर्मचारियों की मांगों पर मुख्यमंत्री धामी ने सुनी समस्याएं

अनिल थपलियाल। देहरादून में उत्तराखंड विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने राजकीय विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों की लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से महत्वपूर्ण वार्ता की। महासंघ ने विश्वविद्यालयों में लंबे समय से रिक्त पदों को शीघ्र भरने, पंतनगर विश्वविद्यालय में लंबित प्रयोगशाला सहायकों के प्रस्ताव तथा संस्कृत विश्वविद्यालय के मिनिस्टीरियल संवर्ग पदों के पुनर्गठन सहित विभिन्न मांगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए कर्मचारी हितों से जुड़े मामलों पर सकारात्मक रुख अपनाया।

उन्होंने प्रमुख सचिव, सचिव वित्त और सचिव कार्मिक को आवश्यक कार्रवाई करते हुए मांगों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण सिंह रौतेला और महामंत्री प्रशांत मेहता ने बताया कि संगठन लंबे समय से कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए शासन स्तर पर प्रयास कर रहा है।

मुख्य संरक्षक भूपाल सिंह करायत ने मुख्यमंत्री और अधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद संबंधित विभाग जल्द सकारात्मक कार्रवाई करेंगे। महासंघ ने स्पष्ट किया कि सभी लंबित मांगों के समाधान तक संगठन एकजुट होकर प्रयास जारी रखेगा।

कर्णप्रयाग कांड: काकोरी के 17 साल बाद पहाड़ में अंग्रेजी हकूमत को मिली सीधी चुनौती

उदित नैनवाल। कर्णप्रयाग कांड स्वतंत्रता संग्राम का ऐसा गौरवशाली अध्याय है, जिसे व्यापक पहचान नहीं मिल पाई। अगस्त 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कश्यप राम प्रसाद नौटियाल और उनके साथियों ने अंग्रेजी शासन को सीधी चुनौती देने की योजना बनाई थी। कर्णप्रयाग स्थित पीडब्ल्यूडी मैगजीन स्टोर से डायनामाइट की सात पेटियां निकालकर लैंसडौन अभियान के लिए भेजी गई थीं। जीवानन्द खंडूरी, थोकदार देवानंद, अनुसूया प्रसाद बहुगुणा और योगेश्वर प्रसाद खंडूड़ी सहित कई स्थानीय क्रांतिकारियों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियान का उद्देश्य अंग्रेजों की संचार और प्रशासनिक व्यवस्था को कमजोर करना था।

हर घर तिरंगा अभियान से महिलाओं को मिला रोजगार, 2500 से अधिक ध्वज तैयार

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं बड़े स्तर पर राष्ट्रीय ध्वज तैयार करने में जुटी हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत भटवाड़ी और डुंडा विकासखंड की 27 समूहों से जुड़ी 75 महिलाओं ने अब तक 2500 से अधिक तिरंगे तैयार किए हैं। इसके अलावा स्वयं सहायता समूहों ने विभिन्न स्रोतों से 23,700 तिरंगे खरीदकर जिले के अलग-अलग विभागों को उपलब्ध कराए हैं। इनकी बिक्री और आपूर्ति से होने वाला लाभ सीधे समूह की महिलाओं को मिल रहा है, जिससे उनके आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ रहा है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर जिले में 9 से 17 अगस्त तक चलने वाले अभियान की व्यापक तैयारियां की गई हैं।

चंडीगढ़ में वोटर लिस्ट की जांच तेज, 93,193 मतदाताओं को वितरित नोटिस

मतदाता सूची में नाम बचाने के लिए दस्तावेज जमा करना जरूरी, एसआईआर के तहत बीएलओ कर रहे सत्यापन

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत सत्यापन प्रक्रिया तेज कर दी गई है। निर्वाचन विभाग की ओर से ऐसे मतदाताओं की पहचान कर उन्हें नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिनके संबंध में मतदाता सूची में दर्ज जानकारी के सत्यापन की आवश्यकता है। विभाग के अनुसार कुल 1,38,070 नोटिस जारी किए जाने हैं।

इनमें से अब तक 93,193 नोटिस संबंधित मतदाताओं तक पहुंचाए जा चुके हैं। यह कुल नोटिस का करीब 67.5 प्रतिशत है। नोटिस मिलने के बाद संबंधित मतदाताओं को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। दस्तावेजों के माध्यम से उन्हें यह साबित करना होगा कि वे मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए निर्धारित पात्रता पूरी करते हैं। निर्वाचन विभाग की ओर से सत्यापन प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा करने के लिए बूथ स्तर पर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाना है। इसके तहत डुप्लीकेट नामों, मृत व्यक्तियों के नाम तथा ऐसे लोगों की प्रविष्टियों की पहचान की जा रही है, जो अब संबंधित क्षेत्र में निवास नहीं करते या मतदाता के रूप में पात्र नहीं हैं। विभाग का प्रयास है कि मतदाता सूची में केवल पात्र नागरिकों के नाम ही दर्ज रहें।

इसके साथ ही निर्वाचन विभाग इस बात पर भी विशेष ध्यान दे रहा है कि सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से सूची से बाहर न हो। इसी वजह से नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं को दस्तावेज उपलब्ध कराने का अवसर दिया जा रहा है। संबंधित मतदाताओं से अपील की जा रही है कि वे नोटिस को गंभीरता से लें और निर्धारित समय के भीतर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें।

एसआईआर के तहत बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ फील्ड स्तर पर मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। बीएलओ मतदाताओं से संपर्क कर आवश्यक जानकारी जुटाने के साथ ही दस्तावेजों और मतदाता सूची में दर्ज विवरण का मिलान कर रहे हैं। जहां किसी प्रविष्टि को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है, वहां संबंधित मतदाता को नोटिस देकर दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा जा रहा है। निर्वाचन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार 93,193 नोटिस मतदाताओं तक पहुंचाए जा चुके हैं। शेष नोटिस पहुंचाने की प्रक्रिया भी जारी है। अधिकारियों का लक्ष्य है कि सत्यापन से संबंधित कार्रवाई को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि आगामी चरण में मतदाता सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

नोटिस को नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

निर्वाचन विभाग के अनुसार जिन मतदाताओं को नोटिस प्राप्त हुआ है, उन्हें इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि किसी मतदाता की पात्रता को लेकर जानकारी या दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं, तो आगे की प्रक्रिया में संबंधित प्रविष्टि पर सवाल उठ सकता है। इसलिए मतदाताओं को समय रहते आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उन्हें प्रस्तुत करने की सलाह दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक एसआईआर का उद्देश्य किसी पात्र नागरिक को मताधिकार से वंचित करना नहीं, बल्कि मतदाता सूची में मौजूद गलत, दोहराव वाली और अपात्र प्रविष्टियों को दूर करना है। सत्यापन पूरा होने के बाद मतदाता सूची में आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

पंजाब कांग्रेस में कलह बरकरार, चन्नी गुट के 15 विधायकों ने राहुल से मांगा समय

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में चल रही अंदरूनी खींचतान एक बार फिर सामने आ गई है। चन्नी गुट से जुड़े 15 विधायकों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर मुलाकात के लिए समय मांगा है। विधायक पंजाब कांग्रेस के मौजूदा हालात, संगठन से जुड़े मुद्दों और पार्टी के भीतर चल रहे विवाद को लेकर शीर्ष नेतृत्व के सामने अपनी बात रखना चाहते हैं।

सूत्रों के अनुसार, इन विधायकों का मानना है कि पंजाब में पार्टी को मजबूत करने के लिए संगठन के स्तर पर चल रही परिस्थितियों पर गंभीरता से चर्चा जरूरी है। नेताओं के बीच मतभेद और अंदरूनी खींचतान का असर पार्टी की गतिविधियों पर पड़ रहा है। ऐसे में विधायक सीधे केंद्रीय नेतृत्व के सामने अपनी बात रखना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि विधायकों ने अपने पत्र में पंजाब कांग्रेस से जुड़े कई मुद्दों का उल्लेख किया है। हालांकि, पत्र में किन-किन विषयों को प्रमुखता से उठाया गया है, इसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है।

विधायकों की राहुल गांधी से मुलाकात को लेकर अभी तक कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। इससे पहले पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल के पंजाब दौरे के दौरान भी कई विधायकों की उनसे मुलाकात नहीं हो पाई थी।

उस समय पंजाब विधानसभा का सत्र चल रहा था और विधायक सदन की कार्यवाही में व्यस्त थे। इसके चलते वे संगठन से जुड़े मुद्दों पर प्रभारी के सामने अपनी बात नहीं रख सके थे। अब 15 विधायकों के राहुल गांधी को पत्र लिखने से पंजाब कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति फिर गरमा गई है।

न्यूज ब्रीफ

मोहाली में हेडमास्टर हत्याकांड का खुलासा शिक्षिका और पति पर मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। गांव कुंभड़ा स्थित सरकारी स्कूल के हेडमास्टर गुरसेवक सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने शिक्षिका हरप्रीत कौर और उसके पति सरताज सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हेडमास्टर के परिजनों ने आरोप लगाया था कि स्कूल में हुए विवाद और तबादले की रंजिश के चलते उन पर जानलेवा हमला किया गया था। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच के दौरान शिक्षिका और उसके पति की भूमिका संदिग्ध रूप से सामने आई। इसके बाद दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब दोनों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मामले की जांच में पुलिस अन्य पहलुओं को भी खंगाल रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा किया जाएगा।

चंडीगढ़ समेत ट्राईसिटी में बारिश की चेतावनी कई इलाकों में बरसे बादल

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब और चंडीगढ़ में मौसम का मिजाज बदल गया है। सुबह से ही कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ ने दोपहर दो बजे तक ट्राईसिटी यानी चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। पठानकोट में रात से ही तेज बारिश हो रही है। लगातार बारिश के कारण यहां मौसम काफी सुहावना हो गया और तापमान में करीब 1.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, अमृतसर में पंजाब के अन्य हिस्सों की तुलना में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी घंटों में कई क्षेत्रों में बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना है। बारिश के चलते तापमान में और गिरावट आने की उम्मीद है।

दुष्कर्म मामले में डेरा प्रमुख बाबा धनवंत की दस साल की सजा बरकरार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने करीब 26 साल पुराने दुष्कर्म मामले में डेरा प्रमुख बाबा धनवंत सिंह की सजा बरकरार रखी है। निचली अदालत ने उन्हें नर्सिंग छात्रा से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराते हुए दस साल की कठोर कैद की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद निचली अदालत के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। अदालत ने पीड़िता को लंबे समय तक न्याय के लिए संघर्ष करने और दुष्कर्म की घटना के कारण झेले गए मानसिक आघात को ध्यान में रखते हुए उसे छह लाख रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। मामले की घटना करीब 26 वर्ष पुरानी है। इतने लंबे समय बाद आए फैसले में अदालत ने पीड़िता के अधिकारों और उसके साथ हुए मानसिक एवं सामाजिक प्रभाव को गंभीरता से लिया। हाईकोर्ट के फैसले के बाद डेरा प्रमुख की दस साल की कठोर कैद की सजा कायम रहेगी।

मोहाली में डीजीपी की अहम बैठक, 15 अगस्त की सुरक्षा रणनीति पर मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस ने व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की है। इसी सिलसिले में मोहाली में डीजीपी गौरव यादव की अध्यक्षता में अहम बैठक हुई। बैठक में रूपनगर रेंज के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसमें रूपनगर, एसएएस नगर और फतेहगढ़ साहिब जिलों में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की गई। डीजीपी ने अधिकारियों को 15 अगस्त के दौरान संवेदनशील स्थानों, प्रमुख सड़कों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ प्रमुख मार्गों पर गश्त बढ़ाने को कहा गया है।

मोहाली में बनेगी 50 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट, गंभीर मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

मोहाली और आसपास के क्षेत्रों के गंभीर मरीजों के लिए राहत की खबर है। फेज-6 स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में जल्द ही 50 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट स्थापित की जाएगी। इस यूनिट के शुरू होने के बाद गंभीर रूप से बीमार और घायल मरीजों को इलाज के लिए पीजीआई या जीएमसीएच-32 रेफर करने की आवश्यकता कम होगी।

पंजाब हेल्थ सिस्टम कारपोरेशन की ओर से क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यूनिट के निर्माण के लिए मेडिकल कॉलेज परिसर में क्वार्टर के पास स्थित जगह को चिन्हित किया गया है। प्रस्तावित यूनिट में गंभीर मरीजों के उपचार के लिए आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नई क्रिटिकल केयर यूनिट में आईसीयू, एचडीयू, आइसोलेशन और डायलिसिस जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इससे ऐसे मरीजों को एक ही स्थान पर बेहतर उपचार मिल सकेगा, जिन्हें गंभीर स्थिति के कारण उच्च स्तर की चिकित्सा निगरानी और तत्काल उपचार की आवश्यकता होती है। मोहाली में गंभीर मरीजों को कई बार बेहतर उपचार के लिए दूसरे बड़े संस्थानों में रेफर करना पड़ता है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ता है।

विशेष रूप से आपात स्थिति में दूसरे अस्पताल तक पहुंचने में लगने वाला समय भी महत्वपूर्ण होता है। नई यूनिट बनने से स्थानीय स्तर पर गंभीर मरीजों को उपचार उपलब्ध कराने की क्षमता मजबूत होगी। मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को यूनिट से संबंधित प्रक्रिया के बारे में पत्र भी भेजा जा चुका है।

मोहाली में तहबाजारी कार्रवाई को लेकर भाजपा प्रधान और सुपरिंटेंडेंट के बीच हुई तीखी बहस

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

मोहाली के फेज-7 में अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर निगम की तहबाजारी शाखा और भाजपा जिला प्रधान संजीव वशिष्ठ के बीच विवाद हो गया। तहबाजारी टीम की कार्रवाई के दौरान भाजपा जिला प्रधान मौके पर पहुंचे और उन्होंने रेहड़ी-फड़ी तथा दुकानदारों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर सवाल उठाए। इस दौरान उनकी तहबाजारी शाखा के सुपरिंटेंडेंट मनदीप सिंह के साथ तीखी बहस हुई।

संजीव वशिष्ठ ने आरोप लगाया कि शहर में तहबाजारी की कार्रवाई समान रूप से नहीं की जा रही है। कुछ स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है, जबकि अन्य जगहों पर नियमों का उल्लंघन होने के बावजूद ध्यान नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति या दुकानदार को चुनिंदा तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से नियमों के अनुसार सभी के खिलाफ समान कार्रवाई करने की मांग की।

वहीं, सुपरिंटेंडेंट मनदीप सिंह ने भाजपा जिला प्रधान के आरोपों को खारिज किया। उनका कहना था कि तहबाजारी टीम नगर निगम के नियमों के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी कार्रवाई में अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, तहबाजारी शाखा की टीम फेज-7 में अतिक्रमण हटाने पहुंची थी।

टीम द्वारा कार्रवाई किए जाने के दौरान भाजपा जिला प्रधान संजीव वशिष्ठ भी मौके पर पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली और कुछ स्थानों पर की जा रही कार्रवाई को लेकर आपत्ति जताई। इसी दौरान भाजपा जिला प्रधान और सुपरिंटेंडेंट मनदीप सिंह के बीच बहस शुरू हो गई।

19 विज्ञापन साइटों के लिए टेंडर, निगम ने 5.64 करोड़ रुपये रखा रिजर्व प्राइस

चंडीगढ़ नगर निगम की नई पहल, 19 साइटों से तीन साल में होगी करोड़ों की कमाई

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम ने शहर में विज्ञापन के माध्यम से राजस्व बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। निगम ने जोन-4 के विभिन्न स्थानों पर विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए 19 साइटों का टेंडर जारी किया है। इन साइटों के आवंटन से निगम को तीन साल की अवधि में करीब 5.64 करोड़ रुपये का अनुमानित राजस्व मिलने की उम्मीद है। इसके लिए निगम ने 5.64 करोड़ रुपये का रिजर्व प्राइस निर्धारित किया है।

निगम की ओर से चयनित एजेंसी को इन 19 साइटों पर यूनिपोल और विज्ञापन पैनल लगाने तथा उनके माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने की अनुमति दी जाएगी। कुल 19 साइटों में चार यूनिपोल और 15 विज्ञापन पैनल शामिल हैं। इन सभी साइटों का संचालन और विज्ञापन प्रदर्शन निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुसार किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत यूनिपोल पर एक तरफ डिजिटल

नान-स्टैटिक एलईडी विज्ञापन प्रदर्शित किए जा सकेंगे।

वहीं, विज्ञापन पैनल के दोनों तरफ डिजिटल विज्ञापन चलाने की अनुमति होगी। इससे शहर में विज्ञापन के लिए उपलब्ध स्थानों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा और निगम को नियमित आय का स्रोत भी मिलेगा। नगर निगम का मानना है कि विज्ञापन साइटों को व्यवस्थित तरीके से आवंटित करने से शहर में अनधिकृत विज्ञापनों पर भी नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी।

फिलहाल विभिन्न स्थानों पर विज्ञापन लगाने के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं देखने को मिलती हैं। निगम की ओर से निर्धारित साइटों के माध्यम से विज्ञापन गतिविधियों को एक नियोजित व्यवस्था के तहत संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित एजेंसी को तीन वर्ष के लिए इन साइटों का उपयोग करने का अधिकार मिलेगा। एजेंसी को निगम द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन करते हुए विज्ञापन प्रदर्शित करने होंगे।

इसके अलावा विज्ञापन सामग्री, प्रदर्शन और साइट के रखरखाव से संबंधित नियमों का भी पालन करना होगा। 19 साइटों से मिलने वाला 5.64 करोड़ रुपये का अनुमानित राजस्व नगर निगम के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। निगम लगातार अपने आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास कर रहा है। विज्ञापन के क्षेत्र से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल शहर में विभिन्न नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों के लिए किया जा सकता है। चार यूनिपोल और 15 विज्ञापन पैनल के माध्यम से डिजिटल विज्ञापन की सुविधा मिलने से विज्ञापन एजेंसियों और कंपनियों के लिए भी नए अवसर उपलब्ध होंगे।

मनीमाजरा थाना प्रभारी पर कार्रवाई शराब ठेकेदार से रिश्वत मांगने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ पुलिस महकमे में लगातार सामने आ रहे विवादों के बीच मनीमाजरा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनिंदर पर कार्रवाई की गई है। शराब ठेकेदार से कथित तौर पर हर महीने एक लाख रुपये और विदेशी ब्रांड की दो पेटी शराब मांगने के आरोपों के बाद उन्हें थाना प्रभारी के पद से हटा दिया गया है। अब उन्हें ट्रैफिक लाइन भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार, एक शराब ठेकेदार ने इंस्पेक्टर मनिंदर के खिलाफ शिकायत देकर आरोप लगाया था कि उनसे हर महीने एक लाख रुपये की रकम के साथ विदेशी शराब की दो पेटियां मांगी जा रही थीं। शिकायत सामने आने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया।

आइजी स्तर से इंस्पेक्टर मनिंदर को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। मामले की जांच अभी जारी है और इसी बीच उन्हें मनीमाजरा थाने की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया। चंडीगढ़ पुलिस में हाल के दिनों में भ्रष्टाचार

◆ शराब ठेकेदार की शिकायत के बाद इंस्पेक्टर पर गिरी गाज

और कार्रवाई से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। इंस्पेक्टर सुरेश कुमार और एएसआइ भगत सिंह को सीबीआई ट्रैप में गिरफ्तार किए जाने के बाद विभाग में हड़कंप मचा था। इसके अलावा एसआई जगमेहर सिंह और एएसआइ सुरेंद्र पाल के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की गई थी। इन घटनाओं के बाद पुलिस विभाग में कई महत्वपूर्ण पद खाली हो गए थे।

विभाग ने सोमवार को खाली पदों पर नई तैनाती की सूची जारी की। अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपकर पुलिस व्यवस्था को सुचारु करने का प्रयास किया गया है। माना जा रहा है कि विवादों के बाद विभागीय स्तर पर अधिकारियों की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियों पर भी निगरानी बढ़ाई जा रही है। शराब ठेकेदार की शिकायत के बाद विभाग ने इंस्पेक्टर मनिंदर को पद से हटाया है।

15 अगस्त से पहले पुलिस अलर्ट, पाकिस्तानी हथियारों के साथ तीन बदमाश काबू

15 अगस्त से पहले सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई कार्रवाई में दीपक नंदल गैंग से जुड़े तीन बदमाश पकड़े गए

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

स्वतंत्रता दिवस से पहले चंडीगढ़ पुलिस के ऑपरेशन सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियारों की खेप के साथ हरियाणा के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों के पास से पाकिस्तान से आए हथियार बरामद हुए हैं। इनमें एक जिगाना पिस्टल, दो पीएक्स-3 पिस्टल, दो मैगजीन और 19 कारतूस शामिल हैं। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर संभावित वारदात को टाल दिया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपित गैंगस्टर दीपक नंदल गैंग से जुड़े हुए हैं। आरोप है कि इन हथियारों का इस्तेमाल गुरुग्राम में रंगदारी वसूलने के लिए फायरिंग की वारदात में किया जाना था। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पुलिस पहले से ही शहर और आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान पुलिस को हथियारों की खेप पहुंचने की जानकारी मिली।

सूचना के आधार पर ऑपरेशन सेल की टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपितों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चार पिस्टल, दो मैगजीन और 19 कारतूस बरामद किए गए। हथियारों में एक जिगाना पिस्टल भी शामिल है, जिसे लेकर पुलिस ने हथियारों की आपूर्ति के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। गुरुग्राम में वारदात की थी तैयारी प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि बरामद हथियारों का इस्तेमाल गुरुग्राम में रंगदारी से जुड़ी वारदातों के लिए किया जाना था। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आरोपितों को किन लोगों से हथियार मिले और उन्हें आगे किसे सौंपा जाना था। इसके अलावा गैंग से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, हथियारों की आपूर्ति के पीछे पंजाब के एक युवक की भूमिका सामने आई है। बताया जा रहा है कि वही हथियार मंगवाने में मदद करता था। पुलिस अब हथियारों के स्रोत और उन्हें चंडीगढ़ तक पहुंचाने वाले नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा बढ़ी

15 अगस्त को देखते हुए चंडीगढ़ और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। पुलिस की ओर से प्रमुख स्थानों, प्रवेश मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है। संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच की जा रही है। ऐसे में हथियारों की खेप पकड़े जाने को पुलिस की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई होने से संभावित आपराधिक वारदात को रोकने में मदद मिली है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हथियारों की पूरी खेप कहां से आई थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग सक्रिय हैं।

गैंग के नेटवर्क की जांच

जांच एजेंसियां अब गिरफ्तार आरोपितों के मोबाइल फोन, संपर्कों और पिछले आपराधिक रिकॉर्ड की भी जानकारी जुटा रही हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित इससे पहले भी हथियारों की तस्करी या किसी आपराधिक वारदात में शामिल रहे हैं या नहीं।

पुलिस को आशंका है कि हथियारों की यह खेप किसी बड़े आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा हो सकती है। इसलिए जांच का दायरा बढ़ाते हुए अन्य संदिग्धों की तलाश भी की जा रही है। हथियारों के पाकिस्तान से आने की जानकारी को देखते हुए पुलिस आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल तीनों आरोपित पुलिस की हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ हथियारों की आपूर्ति और प्रस्तावित वारदात से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी सामने आ सकती है।

पीयू की दो विरासत कुर्सियां शिकागो में होंगी नीलाम, हेरिटेज फर्नीचर की सुरक्षा पर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विश्वविद्यालय की विरासत से जुड़ी दो कुर्सियां अमेरिका के शिकागो में नीलामी के लिए पहुंचने के बाद चंडीगढ़ के हेरिटेज फर्नीचर की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इन दोनों कुर्सियों की 13 अगस्त को नीलामी प्रस्तावित है। मामले को लेकर हेरिटेज फर्नीचर संरक्षण से जुड़े लोगों ने तत्काल हस्तक्षेप कर नीलामी रुकवाने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, पंजाब विश्वविद्यालय से जुड़ी दो विरासत कुर्सियां अब शिकागो में नीलामी के लिए उपलब्ध हैं। इनके विदेश पहुंचने की जानकारी सामने आने के बाद यह सवाल उठ रहा है कि चंडीगढ़ की विरासत से जुड़े फर्नीचर को आखिर किस तरह विदेश ले जाया गया। साथ ही यह भी जांच का विषय है कि इन वस्तुओं का स्वामित्व किसके पास था और इन्हें देश से बाहर ले जाने की अनुमति कैसे मिली। अधिवक्ता एवं हेरिटेज आइटम्स प्रोटेक्शन सेल के सदस्य अजय जग्गा ने मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने उपराष्ट्रपति एवं पंजाब विश्वविद्यालय के चांसलर सीपी राधाकृष्णन तथा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मीनाक्षी गोयल को पत्र भेजकर नीलामी तत्काल रोकने की मांग की है।

जग्गा ने हेरिटेज फर्नीचर के विदेशों में पहुंचने की पूरी प्रक्रिया की जांच कराने की भी मांग की है। उनका कहना है कि चंडीगढ़ और पंजाब विश्वविद्यालय से जुड़ी विरासत वस्तुओं को संरक्षित करना जरूरी है। यदि ऐसी वस्तुएं बिना उचित अनुमति के विदेशों में पहुंच रही हैं तो उनके स्रोत और परिवहन की जांच होनी चाहिए। चंडीगढ़ का हेरिटेज फर्नीचर शहर की स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। शहर की कई प्रमुख इमारतों के लिए तैयार किए गए फर्नीचर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है। यही कारण है कि ऐसी वस्तुओं की विदेशों में नीलामी की खबर सामने आने पर संरक्षण को लेकर चिंता बढ़ जाती है।

अब मांग की जा रही है कि विश्वविद्यालय और संबंधित अधिकारी शिकागो में प्रस्तावित नीलामी के संबंध में उपलब्ध जानकारी जुटाएं और दोनों कुर्सियों की वास्तविक पहचान तथा उनके इतिहास की पुष्टि करें। इसके साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि ये कब और किस माध्यम से विदेश पहुंचीं। मामले में तत्काल कार्रवाई होने पर नीलामी को रोके जाने की संभावना तलाशने के साथ हेरिटेज फर्नीचर को वापस लाने के प्रयास भी किए जा सकते हैं।

राज्यपाल से मिले सेना प्रमुख, क्षेत्रीय सुरक्षा और समन्वय पर मंथन

पंजाब लोक भवन में हुई बैठक में सीमावर्ती परियोजनाओं और पूर्व सैनिकों के कल्याण पर विचार-विमर्श

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से पंजाब लोक भवन में मुलाकात की। सेना की कमान संभालने के बाद राज्यपाल के साथ यह उनकी पहली मुलाकात थी। बैठक के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा, नागरिक-सैन्य समन्वय, सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं और पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को पंजाब और सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पंजाब की भौगोलिक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय सीमा से निकटता को देखते हुए सेना तथा नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा से जुड़े मामलों में आपसी समन्वय को और मजबूत करने पर जोर दिया। पंजाब लोक भवन पहुंचने पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ का स्वागत किया। इस दौरान पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह समेत सेना मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हुई बैठक में क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और सेना से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। सीमावर्ती इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास और सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। सेना और नागरिक प्रशासन के बीच सहयोग से इन क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने तथा स्थानीय स्तर पर समन्वय मजबूत करने की जरूरत पर भी विचार किया गया।

इसके अलावा पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों से जुड़े कल्याणकारी मुद्दों पर भी चर्चा हुई। पंजाब में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और उनके परिवार रहते हैं। ऐसे में उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं, कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक स्तर पर सहयोग को लेकर भी बातचीत हुई। पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने पर जोर दिया गया। नागरिक-सैन्य समन्वय बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय रहा।

प्राकृतिक आपदा, आपात स्थिति अथवा अन्य चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सेना और नागरिक प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे समय में त्वरित सूचना आदान-प्रदान और प्रभावी समन्वय के लिए मजबूत व्यवस्था जरूरी है। बैठक में इसी दिशा में सहयोग को और प्रभावी बनाने से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की गई। थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने सेना की कमान संभालने के बाद पंजाब के राज्यपाल से पहली बार मुलाकात की। इस दौरान पंजाब और चंडीगढ़ से जुड़े सुरक्षा एवं प्रशासनिक विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में मौजूद वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने क्षेत्रीय परिस्थितियों और सुरक्षा से संबंधित आवश्यक पहलुओं से भी अवगत कराया।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सेना की भूमिका और सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सैन्य बलों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। वहीं, सेना की ओर से भी नागरिक प्रशासन के साथ निरंतर सहयोग और समन्वय बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास और पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देने पर सहमति जताई। अधिकारियों ने माना कि सुरक्षा और विकास दोनों क्षेत्रों में बेहतर तालमेल से सीमावर्ती इलाकों में प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। इस मुलाकात में पश्चिमी कमान और सेना मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने बैठक के महत्व को और बढ़ा दिया।

युगांडा में अगवा हुए पंजाब के तीन युवक, केंद्र और पंजाब सरकार से संपर्क करेगा प्रशासन

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली

पंजाब के तीन युवकों के युगांडा में अगवा किए जाने का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार, चार अगस्त को राकेश कुमार, सुरेंद्र और अवतार को कथित तौर पर बंधक बना लिया गया। इसके बाद युवकों के साथ मारपीट किए जाने के भी आरोप लगाए गए हैं। घटना की जानकारी सामने आने के बाद परिवारों में चिंता का माहौल है और उन्होंने युवकों की सुरक्षित वापसी के लिए सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

अगवा किए गए युवकों में राकेश कुमार भी शामिल है। राकेश के पिता कश्मीर लाल ने बताया कि परिवार को घटना की जानकारी मिलने के बाद से वे लगातार परेशान हैं। परिजनों का कहना है कि विदेश में रोजगार की तलाश में गए युवकों के साथ इस तरह की घटना होना बेहद चिंताजनक है।

परिवार अब सरकार और संबंधित अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की उम्मीद कर रहा है। मामला सामने आने के बाद सांसद सतनाम सिंह संधू ने भी इस संबंध में जानकारी ली है। उन्होंने कहा कि युवकों के अगवा किए जाने का मामला चार अगस्त का बताया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मामले को केंद्र सरकार और पंजाब सरकार के संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा। युवकों की सुरक्षित रिहाई के लिए जरूरी स्तर पर संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

परिजनों ने सरकार से अपील की है कि युगांडा में संबंधित अधिकारियों और भारतीय मिशन के माध्यम से युवकों का पता लगाया जाए तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। परिवारों को आशंका है कि युवकों को बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की गई है। ऐसे में उनकी जल्द से जल्द सुरक्षित वापसी प्राथमिकता होनी चाहिए। फिलहाल परिजन युवकों के संबंध में आधिकारिक जानकारी और उनकी सुरक्षित वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं। मामले में आगे की कार्रवाई और युवकों के ठिकाने को लेकर संबंधित एजेंसियों के प्रयासों का इंतजार है। परिजनों के अनुसार, युवकों के युगांडा जाने और वहां काम करने से जुड़ी जानकारी भी जुटाई जा रही है।

परिवारों ने मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विदेश मंत्रालय के स्तर पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि युवकों की सुरक्षा को लेकर हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए और यदि उन्हें बंधक बनाया गया है तो आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। सांसद सतनाम सिंह संधू की ओर से मामले को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने के आश्वासन के बाद परिजनों को कुछ राहत मिली है। अब परिवार युवकों की सुरक्षित वापसी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

अंशुमन कालिया आम आदमी पार्टी में शामिल, अमन अरोड़ा ने किया स्वागत

अंशुमन कालिया के आप में शामिल होने से जालंधर नॉर्थ में कांग्रेस को झटका

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र की सियासत में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। यूथ कांग्रेस के नेता अंशुमन कालिया ने आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। उन्हें कांग्रेस विधायक बावा हैनरी के करीबी नेताओं में माना जाता रहा है। ऐसे में कांग्रेस के मजबूत गढ़ माने जाने वाले जालंधर नॉर्थ में उनका आप में शामिल होना पार्टी के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है।

मेयर विनीत धीर की मौजूदगी में अंशुमन कालिया को आम आदमी पार्टी में शामिल करवाया गया। इस दौरान आप पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने उनका पार्टी में स्वागत किया। पार्टी नेताओं ने उम्मीद जताई कि अंशुमन कालिया के जुड़ने से जालंधर नॉर्थ में आम आदमी पार्टी को संगठनात्मक स्तर पर मजबूती मिलेगी। अंशुमन कालिया लंबे समय से युवा राजनीति में सक्रिय रहे हैं और यूथ कांग्रेस से जुड़े रहे हैं।

स्थानीय स्तर पर उनकी राजनीतिक सक्रियता को देखते हुए उनके पार्टी बदलने को जालंधर नॉर्थ के आगामी राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस के लिए यह बदलाव इसलिए भी अहम है, क्योंकि नॉर्थ हलके में पार्टी का मजबूत जनाधार माना जाता रहा है। आम आदमी पार्टी की ओर से लगातार कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की जा रही है।

अंशुमन कालिया के पार्टी में आने को भी इसी रणनीति की एक कड़ी माना जा रहा है। वहीं, उनके आप में शामिल होने से स्थानीय कांग्रेस संगठन के भीतर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। आप नेताओं का कहना है कि पार्टी में नए नेताओं और कार्यकर्ताओं के जुड़ने से संगठन को और मजबूती मिल रही है।

सनौर में कहासुनी के बाद युवक पर चाकू से हमला, मौके पर हुई मौत

भारतेंदु संवाददाता, पटियाला। पटियाला के निकटवर्ती कस्बे सनौर में मामूली कहासुनी के बाद 25 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या का मामला सामने आया है। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सनौर के फतेहपुर रोड निवासी जश्न के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, जश्न का कुछ युवकों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल जश्न की मौत हो गई। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से संबंधित जानकारी जुटाने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की। वारदात के कारणों और आरोपियों की पहचान को लेकर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। वहीं, घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चंडीगढ़ में बिजली बिलिंग व्यवस्था बदली, कुछ उपभोक्ताओं को मिला 21 दिन का बिल

अगले बिलिंग चक्र से उपभोक्ताओं को फिर 30 दिन की अवधि का बिजली बिल मिलेगा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़ । चंडीगढ़ में कुछ उपभोक्ताओं को 30 दिन के बजाय 21 दिन की अवधि का बिजली बिल जारी होने के मामले में सीपीडीएल ने स्थिति स्पष्ट की है। कंपनी के अनुसार, बिलिंग चक्र को व्यवस्थित करने के लिए कुछ उपभोक्ताओं के बिल जारी करने की तारीख में एक बार के लिए बदलाव किया गया था। इसी वजह से संबंधित उपभोक्ताओं को कम अवधि का बिजली बिल प्राप्त हुआ।

सीपीडीएल ने स्पष्ट किया है कि 21 दिन की बिलिंग किसी नियमित व्यवस्था में बदलाव का संकेत नहीं है। यह केवल बिलिंग शेड्यूल को संशोधित करने के साथ व्यवस्थित करने के लिए किया गया अस्थायी बदलाव था। कंपनी के मुताबिक, अगले बिलिंग चक्र से संबंधित उपभोक्ताओं को फिर से सामान्य 30 दिन की अवधि के आधार पर बिजली के बिल जारी किए जाएंगे। कम अवधि का बिल मिलने के बाद कुछ उपभोक्ताओं के मन में बिजली खपत के स्लैब को लेकर आशंकाएं पैदा हुई थीं।

सीपीडीएल ने कहा, कम अवधि के बिल से स्लैब पर असर नहीं।

इस पर कंपनी ने कहा कि 21 दिन की बिलिंग अवधि होने से उपभोक्ताओं पर बिजली खपत के स्लैब को लेकर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। बिजली खपत की गणना निर्धारित नियमों के अनुसार ही की जाएगी। सीपीडीएल के अनुसार, जेईआरसी के दिशा-निर्देशों के तहत बिजली खपत के स्लैब की गणना प्रतिदिन के आधार पर की जाती है।

इसलिए बिलिंग अवधि कम होने के कारण उपभोक्ताओं को स्लैब के स्तर पर किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। कंपनी ने उपभोक्ताओं से इस एक बार के बदलाव को लेकर चिंता नहीं करने की अपील की है। कंपनी ने दोहराया कि यह बदलाव केवल बिलिंग चक्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से किया गया था। अगले चक्र से बिलिंग व्यवस्था सामान्य रूप से संचालित होगी और उपभोक्ताओं को नियमित 30 दिन की अवधि का बिजली बिल मिलेगा।

इससे बिलिंग प्रक्रिया भी अपने निर्धारित चक्र में वापस आ जाएगी। सीपीडीएल ने कहा कि बिलिंग अवधि में किया गया यह अस्थायी बदलाव केवल कुछ उपभोक्ताओं तक सीमित था। कंपनी के अनुसार, बिलिंग तिथि में समायोजन के बाद आगामी चक्र में सभी संबंधित उपभोक्ताओं को नियमित अवधि के अनुसार बिल जारी किए जाएंगे। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे कम अवधि के बिल को लेकर किसी तरह की गलतफहमी न रखें। कंपनी ने स्पष्ट किया कि बिजली की खपत और स्लैब की गणना निर्धारित नियमों के तहत ही होगी।

सीवरेज समस्या पर पार्षद पति का फूटा गुस्सा निगम कमिश्नर दफ्तर के बाहर दिया धरना

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। वार्ड नंबर 7 में पिछले कई दिनों से बनी सीवरेज समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज पार्षद पति रविंदर मोनू खिंडा ने नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। वह अपनी पार्षद पत्नी के साथ नगर निगम कमिश्नर कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने निगम अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी कर अपना रोष जताया।

रविंदर मोनू खिंडा का आरोप है कि वार्ड में लंबे समय से सीवरेज व्यवस्था खराब है। सीवर का पानी जमा होने के कारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार शिकायत और अधिकारियों से समस्या के समाधान की मांग करने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोग लगातार सीवरेज समस्या से जूझ रहे हैं। गंदे पानी के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है और आसपास के वातावरण पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से नाराज होकर उन्हें धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

धरने के दौरान उन्होंने निगम प्रशासन से वार्ड की सीवरेज व्यवस्था को जल्द दुरुस्त करने की मांग की। उनका कहना है कि जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाता, तब तक वह अधिकारियों के समक्ष आवाज उठाते रहेंगे। धरने की सूचना मिलने के बाद निगम अधिकारियों की ओर से प्रदर्शनकारियों से बातचीत की गई।

हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर फरार

अमृतसर में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचला, मौके पर मौत

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर के फतेहगढ़ चूड़ियां-संगतपुरा मार्ग पर मंगलवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक एक ही गांव के रहने वाले थे और मवेशियों के कारोबार से जुड़े हुए थे। मृतकों की पहचान गांव हरदोरावाल कलां निवासी गुरदीप सिंह, संदीप सिंह और जगतार सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तीनों युवक मोटरसाइकिल पर किसी काम से जा रहे थे। जब वे फतेहगढ़ चूड़ियां और संगतपुरा के बीच पहुंचे तो सामने से या पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। हादसे में तीनों युवकों की मौत की पुष्टि होने के बाद शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की गई। हादसे के बाद कार सवार वाहन को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया।

बहस के बाद युवक की बेरहमी से हत्या, बचाने आया व्यक्ति घायल

भारतेंदु संवाददाता, पटियाला। पटियाला जिले के कस्बा सनौर में रंजिश के चलते 24 वर्षीय युवक जशन विर्क की दिनदहाड़े तेजधार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई। वारदात के दौरान जशन को बचाने पहुंचे बलदेव सिंह भी हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि जशन विर्क का कुछ लोगों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बहस बढ़ने के बाद आरोपियों ने उस पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरातफरी मच गई। जशन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हमले में घायल बलदेव सिंह का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

बामियाल में जलालिया दरिया में पानी बढ़ने से पठानकोट-दीनानगर मार्ग फिर हुआ बंद

भारतेंदु संवाददाता, बामियाल। सरहदी क्षेत्र बामियाल से गुजरने वाले जलालिया दरिया में मंगलवार को अचानक पानी का स्तर बढ़ने से एक बार फिर बाढ़ जैसे हालात बन गए। दरिया का पानी बढ़ने के कारण बामियाल से पठानकोट और दीनानगर को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग बंद हो गया। सड़क पर यातायात प्रभावित होने से स्थानीय लोगों और रोजाना सफर करने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष जलालिया दरिया पर बनी पुलिया बह गई थी, जिसका निर्माण अभी तक पूरी तरह पूरा नहीं हो सका है। हाल में आई बाढ़ के दौरान भी इस मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ था। इसके बाद प्रशासन ने पुलिया के निर्माण का काम तेज गति से शुरू कराया था, लेकिन बारिश का मौसम आने से पहले निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया। मंगलवार को दोबारा दरिया का जलस्तर बढ़ने से मुख्य मार्ग पर आवाजाही रोकनी पड़ी।

सड़क बंद होने के बाद कुछ लोगों ने वैकल्पिक रास्तों से पानी के बीच से निकलने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने इसे बेहद जोखिम भरा बताया। ड्यूटी पर जा रही कई महिलाएं भी सड़क बंद होने के कारण वापस लौट गईं। वहीं, कुछ मोटरसाइकिल सवार पानी के बीच से निकलते नजर आए।

पंजाब यूनिवर्सिटी में फीस वृद्धि के खिलाफ छात्रों का जोरदार प्रदर्शन, वीसी कार्यालय के बाहर जताया रोष

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ सेक्टर-14 स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में फीस वृद्धि को लेकर मंगलवार को छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने वाइस चांसलर कार्यालय के बाहर एकत्र होकर फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अपना रोष जताया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने फीस वृद्धि वापस लेने की मांग उठाई और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय की ओर से फीस में बढ़ोतरी किए जाने से विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उनका कहना है कि पहले से ही शिक्षा, किताबों, छात्रावास, परिवहन और अन्य आवश्यक खर्चों का भार विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर है। ऐसे में फीस में और वृद्धि करना छात्रों के हित में नहीं है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले बड़ी संख्या में विद्यार्थी अलग-अलग आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं। फीस बढ़ने का सीधा असर उन विद्यार्थियों पर पड़ेगा, जिनके परिवार सीमित आय में उनकी पढ़ाई का खर्च उठा रहे हैं। छात्रों ने प्रशासन से फीस वृद्धि के फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की।

छात्रों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए वाइस चांसलर कार्यालय के आसपास सुरक्षा व्यवस्था भी रखी गई। प्रदर्शनकारी छात्र अपनी मांगों को लेकर काफी देर तक कार्यालय के बाहर मौजूद रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से बातचीत कर समस्या का समाधान निकालने की मांग की। छात्रों का कहना है कि यदि फीस वृद्धि का फैसला वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे भी जारी रखा जा सकता है। उन्होंने प्रशासन से छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए जल्द निर्णय लेने की अपील की। वहीं, प्रदर्शन के कारण विश्वविद्यालय परिसर में कुछ समय के लिए माहौल गरमाया रहा।

छात्रों ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध फीस वृद्धि के फैसले के खिलाफ है और वे अपनी मांग को प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाना चाहते हैं। प्रदर्शन के बाद अब छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच बातचीत तथा आगे की कार्रवाई पर सभी की नजर है।

चुनाव | अमृतपाल सिंह की पार्टी ने बस्सी पठाना से सतवंत सिंह को बनाया उम्मीदवार, 2027 के चुनाव की तैयारी तेज

इंदिरा गांधी हत्याकांड से जुड़े केहर सिंह के बेटे को मिला चुनावी टिकट

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ने अपना पहला चुनावी पत्ता खोल दिया है। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह की पार्टी ने सतवंत सिंह को आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए अपना पहला उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी ने उन्हें फतेहगढ़ साहिब जिले की बस्सी पठाना विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है।

सतवंत सिंह के नाम की घोषणा के बाद पंजाब की राजनीति में इसको लेकर चर्चा तेज हो गई है। सतवंत सिंह की पहचान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की साजिश के मामले में दोषी ठहराए गए केहर सिंह के बेटे के रूप में है। केहर सिंह पर वर्ष 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप लगा था।

अदालत ने उन्हें इस मामले में दोषी ठहराया था और वर्ष 1989 में उन्हें फांसी की सजा दी गई थी। अब उनके बेटे सतवंत सिंह को विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाए जाने से यह मामला एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। सतवंत सिंह की उम्र 61 वर्ष है और वह पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के मुस्तफाबाद गांव के रहने वाले हैं। वह बैंक से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वर्ष 2027 में होने वाला पंजाब विधानसभा चुनाव उनका पहला चुनाव होगा।

हालांकि, राजनीति में चुनाव लड़ने से पहले वह राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं और चुनाव प्रचार में भी सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान सतवंत सिंह ने फरीदकोट लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले सरबजीत सिंह खालसा के समर्थन में प्रचार किया था। सरबजीत सिंह खालसा ने इस चुनाव में जीत दर्ज की थी। इसके बाद से सतवंत सिंह की राजनीतिक सक्रियता को लेकर भी चर्चा होती रही है।

अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ने सतवंत सिंह को बस्सी पठाना विधानसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी की ओर से यह पहला उम्मीदवार घोषित किया गया है।

ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी आने वाले समय में पंजाब की अन्य विधानसभा सीटों पर भी अपने उम्मीदवारों के नाम सामने ला सकती है। पंजाब में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनाव को अभी समय है, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में अमृतपाल सिंह की पार्टी की ओर से पहला उम्मीदवार घोषित करना महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है।

सप्ताह के मध्य में आने वाला बुधवार देता है कार्यों की समीक्षा और नई योजना का अवसर

अजय श्याम
स्वतंत्र लेखक

सप्ताह का प्रत्येक दिन अपने साथ एक विशेष महत्व लेकर आता है, लेकिन बुधवार का स्थान भारतीय संस्कृति, ज्योतिष, धर्म और दैनिक जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह दिन बुध ग्रह को समर्पित है, जिन्हें बुद्धि, वाणी, तर्क, व्यापार, शिक्षा और संचार का कारक माना जाता है। इसी कारण बुधवार को ज्ञान, विवेक, संवाद और शुभ कार्यों के लिए विशेष रूप से अनुकूल माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ व्यावहारिक जीवन में भी इस दिन का अपना अलग महत्व है, क्योंकि यह सप्ताह के मध्य में आने वाला दिन है, जो लोगों को अपने कार्यों की समीक्षा करने और आगे की योजनाओं को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने का अवसर देता है।

हिंदू धर्म में बुधवार को भगवान **गणेश** की पूजा का भी विशेष महत्व है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, बुद्धि के देवता और शुभ कार्यों के आरंभ के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। ऐसी मान्यता है कि बुधवार के दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान गणेश की आराधना करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं तथा ज्ञान, सफलता और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अनेक श्रद्धालु इस दिन व्रत रखते हैं, मंदिरों में दर्शन करते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बुध ग्रह व्यक्ति की बुद्धिमत्ता, निर्णय क्षमता, शिक्षा, वाणी, व्यापार और संचार कौशल को प्रभावित करता है। जिन लोगों की कुंडली में बुध ग्रह कमजोर होता है, वे बुधवार के दिन विशेष पूजा, दान या मंत्र जाप करते हैं। हालांकि इन मान्यताओं का पालन व्यक्तिगत आस्था का विषय है, लेकिन यह स्पष्ट है कि भारतीय परंपराओं में बुधवार को सकारात्मक ऊर्जा और शुभ कार्यों से जोड़ा गया है।

व्यापार और व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए भी बुधवार का विशेष महत्व माना जाता है। कई व्यापारी इस दिन नए सौदे, नए कार्यों की शुरुआत, खातों का शुभारंभ या महत्वपूर्ण व्यावसायिक निर्णय लेना शुभ मानते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर महानगरों तक अनेक स्थानों पर बुधवार को विशेष साप्ताहिक बाजार भी आयोजित किए जाते हैं, जहां स्थानीय उत्पादों की खरीद-बिक्री होती है। इससे छोटे व्यापारियों, किसानों और हस्तशिल्प से जुड़े लोगों को आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण अवसर मिलता है।

आधुनिक जीवन में बुधवार का महत्व केवल धार्मिक या पारंपरिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि कार्य प्रबंधन के संदर्भ में भी बढ़ गया है। सप्ताह के बीच में आने के कारण यह दिन कर्मचारियों, विद्यार्थियों और व्यवसायियों के लिए अपनी प्रगति का आकलन करने का अवसर होता है। कई संस्थान इस दिन साप्ताहिक समीक्षा बैठकें, परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा और आगामी कार्यों की योजना बनाते हैं। इससे कार्यों में गति और अनुशासन बना रहता है।

विद्यार्थियों के लिए बुधवार विशेष रूप से प्रेरणादायक हो सकता है। सप्ताह के मध्य तक वे अपनी पढ़ाई की समीक्षा कर सकते हैं, कमजोर विषयों पर ध्यान दे सकते हैं और शेष सप्ताह के लिए बेहतर लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। इसी प्रकार नौकरीपेशा लोगों के लिए भी यह दिन अपने अधूरे कार्यों को पूरा करने, नई योजनाएं बनाने और कार्यक्षमता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

समाज में सकारात्मक सोच, अनुशासन और समय प्रबंधन की आदत विकसित करने में भी बुधवार की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। यदि प्रत्येक सप्ताह इस दिन व्यक्ति अपने कार्यों, व्यवहार और लक्ष्यों का मूल्यांकन करे, तो वह जीवन में अधिक संतुलन और सफलता प्राप्त कर सकता है। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि निरंतर प्रयास, सही योजना और विवेकपूर्ण निर्णय किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

गौरीशंकर मंदिर को पर्यटन मानचित्र पर पहचान दिलाने से खुल सकते हैं विकास के नए द्वार

अमरनाथ
स्वतंत्र लेखक

हिमाचल प्रदेश को देवभूमि कहा जाता है, जहां प्रकृति की अनुपम सुंदरता के साथ-साथ प्राचीन धार्मिक आस्था के अनेक केंद्र स्थित हैं।

इन्हीं में से एक है कांगड़ा जनपद के पालमपुर उपमंडल के सुलह क्षेत्र की शिवालिक पहाड़ियों में स्थित ऐतिहासिक एवं रहस्यमयी गौरीशंकर मंदिर, जिसे स्थानीय लोग अक्षैणा मंदिर के नाम से भी जानते हैं। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण एक अद्भुत पर्यटन स्थल भी है, जो आज भी अपेक्षित विकास से दूर 'अनछुआ' बना हुआ है।

कलकल करती न्यूगल और सोन नदियों के संगम के निकट स्थित यह मंदिर हरी-भरी वादियों और सुरम्य पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इसका वातावरण इतना शांत और दिव्य है कि यहां आने वाला प्रत्येक आगंतुक आत्मिक सुकून का अनुभव करता है। मान्यता है कि यह मंदिर लगभग 450 वर्ष से भी अधिक पुराना है। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार एक किसान द्वारा हल चलाते समय शिव-पार्वती की मूर्तियां प्राप्त हुई थीं, जिसके बाद इसी स्थान पर विधि-विधान से मंदिर की स्थापना की गई।

मंदिर परिसर में भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश, नंदी तथा अन्य देवी-देवताओं की कलात्मक प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति से भर देती हैं। परिसर में निरंतर प्रज्वलित अखंड धुना, शिवलिंग, त्रिशूल और डमरू की उपस्थिति इस स्थान को और भी पवित्र बनाती है। साथ ही गीता कीर्तन हाल में श्रद्धालु भजन-कीर्तन और ध्यान के माध्यम से आत्मिक शांति प्राप्त करते हैं।

सोन खड्ड पर स्थित मच्छयाल (मछलियों का कुंड) इस क्षेत्र का एक प्रमुख आकर्षण है, जहां बड़ी मछलियों का झुंड जल में विचरण करता दिखाई देता है। स्थानीय परंपरा के अनुसार श्रद्धालु यहां मछलियों को आटा अर्पित करते हैं। यह परंपरा न केवल आस्था का प्रतीक
है, बल्कि प्रकृति संरक्षण का संदेश भी देती है।

हर वर्ष शिवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। इस दौरान मंदिर परिसर भक्ति, संगीत और आध्यात्मिक ऊर्जा से गूंज उठता है। लंगर की व्यवस्था और सामूहिक सहभागिता इस आयोजन को और भी विशेष बनाती है। प्राकृतिक दृष्टि से भी यह क्षेत्र अत्यंत समृद्ध है। चारों ओर फैली हरियाली, पक्षियों का कलरव और हिमालय की बर्फीली चोटियों के विहंगम दृश्य इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाते हैं। मंदिर के समीप स्थित रेलवे स्टेशन और सड़क मार्ग इसे और भी सुलभ बनाते हैं, जिससे यहां पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

हालांकि इतनी संभावनाओं के बावजूद यह क्षेत्र अभी तक पर्यटन मानचित्र पर पूर्ण रूप से स्थापित नहीं हो पाया है। यदि राज्य सरकार और पर्यटन विभाग इस स्थल के विकास पर ध्यान दें, तो यह स्थान न केवल धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन सकता है, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक विकास के नए अवसर भी उत्पन्न कर सकता है।

गौरीशंकर मंदिर वास्तव में आस्था, प्रकृति और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम है। आवश्यकता केवल इसके योजनाबद्ध विकास और संरक्षण की है, ताकि यह अनछुआ रत्न हिमाचल प्रदेश के प्रमुख धार्मिक-पर्यटन स्थलों में अपना स्थान बना सके।

गौरीशंकर मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। यहां आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु न केवल भगवान शिव और माता पार्वती के दर्शन कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करता है, बल्कि आसपास फैली हरियाली, निर्मल जलधाराएं और हिमालय की मनोरम छटा उसके मन को भी सुकून से भर देती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

बदलते समाज में सिनेमा की भूमिका

सिनेमा आधुनिक समाज का एक ऐसा प्रभावशाली माध्यम है, जो केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों की सोच, व्यवहार, जीवनशैली और सामाजिक दृष्टिकोण को भी प्रभावित करता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में सिनेमा ने समाज को देखने, समझने और बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बड़े पर्दे पर दिखाई जाने वाली कहानियां अक्सर समाज की वास्तविक परिस्थितियों, समस्याओं, संघर्षों और आकांक्षाओं को सामने लाती हैं। यही कारण है कि सिनेमा को समाज का दर्पण भी कहा जाता है।

भारतीय सिनेमा का इतिहास सौ वर्षों से अधिक पुराना है। शुरुआती दौर की फिल्मों में धार्मिक और पौराणिक कथाओं को प्रमुखता दी जाती थी। समय के साथ फिल्मों के विषय बदलते गए और सामाजिक समस्याएं, गरीबी, बेरोजगारी, जातिगत भेदभाव, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा, भ्रष्टाचार, ग्रामीण जीवन और देशभक्ति जैसे विषय फिल्मों का हिस्सा बनने लगे। सिनेमा ने आम लोगों की समस्याओं को व्यापक मंच दिया और कई बार ऐसे मुद्दों पर चर्चा शुरू की, जिन पर समाज में खुलकर बात नहीं होती थी।

सिनेमा का सबसे सकारात्मक प्रभाव सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में देखा जा सकता है। कई फिल्मों ने बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, लैंगिक असमानता, छुआछूत और अंधविश्वास जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लोगों को सोचने के लिए प्रेरित किया है। जब किसी सामाजिक समस्या को कहानी और पात्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है तो उसका प्रभाव केवल आंकड़ों या भाषणों की तुलना में अधिक गहरा हो सकता है। दर्शक पात्रों के संघर्ष से भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं और समस्या को अपने आसपास की वास्तविकता से जोड़कर देखने लगते हैं।

महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में भी सिनेमा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिल्मों में ऐसी महिला पात्रों को सामने लाया गया है, जो अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करती हैं, शिक्षा हासिल करती हैं, अपने निर्णय स्वयं लेती हैं और सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देती हैं। इससे महिलाओं की क्षमता और स्वतंत्र पहचान को लेकर समाज में सकारात्मक चर्चा बढ़ी है। हालांकि अभी भी फिल्मों में महिलाओं के चित्रण को लेकर कई सवाल मौजूद हैं। महिलाओं को केवल सुंदरता या मनोरंजन के साधन के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय उनके व्यक्तित्व, संघर्ष और उपलब्धियों को प्रमुखता देना जरूरी है।

सिनेमा युवाओं पर विशेष प्रभाव डालता है। युवा फिल्मी पात्रों, कलाकारों और उनकी जीवनशैली से प्रभावित होते हैं। फिल्मों के माध्यम से युवाओं को मेहनत, संघर्ष, आत्मविश्वास और अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा मिल सकती है। खेल, शिक्षा, विज्ञान, सेना और सामाजिक सेवा पर आधारित फिल्मों ने अनेक युवाओं में नई ऊर्जा पैदा की है। दूसरी ओर हिंसा, नशे, अपराध और दिखावे को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने वाली सामग्री युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव भी डाल सकती है। इसलिए सिनेमा बनाने वालों की जिम्मेदारी और दर्शकों की समझ दोनों महत्वपूर्ण हैं।

सिनेमा भाषा और संस्कृति को भी प्रभावित करता है। फिल्मों के माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों की परंपराएं, लोकगीत, पहनावे, खान-पान और जीवनशैली दूसरे क्षेत्रों के लोगों तक पहुंचती हैं। इससे सांस्कृतिक विविधता को समझने और स्वीकार करने में मदद मिलती है। क्षेत्रीय सिनेमा ने स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कई क्षेत्रीय फिल्मों ने स्थानीय कहानियों को वैश्विक मंच तक पहुंचाया है।

फिल्मों का प्रभाव लोगों की जीवनशैली पर भी दिखाई देता है। पहनावे, बोलचाल, संगीत, नृत्य और मनोरंजन की पसंद पर सिनेमा का प्रभाव लंबे समय से रहा है। कई बार फिल्मों में लोकप्रिय हुई कोई शैली कुछ ही समय में समाज में फैशन बन जाती है। विज्ञापन और फिल्मी सितारों की लोकप्रियता भी उपभोक्ता व्यवहार को प्रभावित करती है। यही कारण है कि फिल्म कलाकारों को केवल मनोरंजन जगत की हस्ती नहीं, बल्कि सामाजिक प्रभाव रखने वाले व्यक्तित्व के रूप में भी देखा जाता है।

सिनेमा देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी बन सकता है। स्वतंत्रता संग्राम, सैनिकों के बलिदान, राष्ट्रीय उपलब्धियों और देश की विविधता पर आधारित फिल्मों ने दर्शकों में राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना पैदा की है। विभिन्न धर्मों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोगों को एक साथ जोड़ने वाली कहानियां सामाजिक एकता को मजबूत करती हैं। जब सिनेमा विविधता में एकता का संदेश देता है, तो वह समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने में योगदान करता है। हालांकि सिनेमा के नकारात्मक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हिंसा, अपराध, नशे और अश्लीलता का अत्यधिक प्रदर्शन संवेदनशील दर्शकों को प्रभावित कर सकता है। कभी-कभी फिल्मों में अपराध को रोमांचक या आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे गलत संदेश जाने की संभावना रहती है।

-शिवांश धाकड़

कविता: चलते जाना है

प्रवीण कुमार, गांव बाड़ा द घाट (सरेल) त. घुमारवीं

चलते जाना है, रुकना नहीं है, कोई तुम्हें समझे या ना समझे
कोई तुम्हें जाने या ना जाने, कोई तुम्हें पहचाने या ना पहचाने
कोई तुम्हें कहे अच्छा या कहे बुरा, कोई निंदा करे या करे स्तुति
कोई प्रीति करे या करे घृणा, रुकना नहीं है, चलते ही जाना है
जग में कोई नहीं है अपना, कौन कब स्वार्थ हेतु साथ छोड़ जाए
कोई नहीं जानता, अक्सर हमने लोगों को कलिकाल में विश्वास को
तोड़ते-मरोड़ते देखा है, हृदय को विदीर्ण करते देखा है प्रेम में हमने देखे हैं,
धोखे-सादगी का हमने मजाक बनते देखा है ऐसा लगता है कि सब ओर
गिरगिटों का अंबार है अरे! फिर भी, फरेब से भरी दुनिया में, चलना तो है, हर
कदम फूंक-फूंक कर चलिए, रुकना नहीं है, बस चलते ही जाना है हे मानव!
जग में स्वकर्तव्य का कर निर्वहन, ईश्वर का सुमिरन करते जाओ तुम, प्रेमपूर्ण,
भक्तिपूर्ण प्रार्थनाएं होती हैं दया भाव से, करुणा से नित्य कबूल, तभी उस
करुणामय, प्रेम के सागर ईश्वर को हृदय से नमन है, वाणी से वंदन है, जो है
इस सृष्टि का पालक इस सृष्टि का मूल, रुकना नहीं है हमें जीवन में, प्रेम से,
सच्चाई से परोपकार हेतु, निरंतर आगे बढ़ते जाना है, आगे बढ़ते जाना है।

युवाओं के बीच लिव-इन संबंधों का बढ़ता चलन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारियों को समझना भी जरूरी

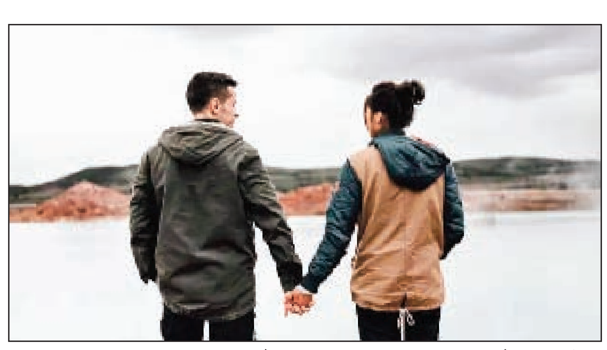

अशोक कुमार गुलेरिया
स्वतंत्र लेखक

भारत सांस्कृतिक मूल्यों और रीति-रिवाजों का देश है। आज भी भारत कृषि प्रधान देशों की श्रेणी में आता है। यहां की लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है, जहां पर नितांत शिक्षा का अभाव है, परंतु संचार माध्यमों से एवं यहां की विकसित होती अर्थव्यवस्था व वैश्वीकरण ने लोगों को अधिकाधिक जागरूक किया है। अत्यंत खेद का विषय है की भारत लिव-इन रिलेशनशिप की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। लिव-इन रिलेशनशिप एक जोड़े द्वारा शादी किए बिना साथ रहने के निर्णय की अभिव्यक्ति है। युवा वर्ग द्वारा लिव-इन रिलेशनशिप को अब शादी के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा है, लेकिन आज भी समाज इसे गंभीरता से नहीं लेता है। आजकल युवा पीढ़ी अधिक भौतिकवादी हो गई है। लिव इन में रहने वाले भागीदारों के बीच नैतिक मूल्य एवं भावनात्मक संबंधों में कई गुना गिरावट आई है।

कोई भी साथी दूसरे साथी की जिम्मेदारी उठाने और जीवनभर उसके प्रति प्रतिबद्ध होने को तैयार नहीं होता है। किशोरावस्था में अनेक जोड़े यह मान लेते हैं कि लिव-इन संबंध उन्हें अधिक स्वतंत्रता, सुरक्षा और भावनात्मक निकटता प्रदान करेंगे। कहीं न कहीं उन्हें यह विश्वास होता है कि लगातार साथ रहने से रिश्ता और मजबूत होगा, लेकिन वैज्ञानिक शोधों के वास्तविक निष्कर्ष इस धारणा को सही नहीं ठहराते। कम उम्र में बना दांपत्य जीवन का निर्वहन चाहे उसका स्वरूप लिव-इन रिलेशनशिप ही क्यों न हो अक्सर सुरक्षा का भ्रम पैदा करता है, जबकि भीतर ही भीतर यह भावनात्मक अस्थिरता, मानसिक दबाव और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभावों को जन्म दे सकता है।

किशोरावस्था में लिव-इन रिलेशनशिप के मामले निर्विवादित रूप से व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े हुए हैं, परंतु प्राप्त अधिकार सदैव हितकर हो यह आवश्यक नहीं। न्यायालय का दरवाजा खटखटाना और अपने अधिकारों की बात करना एक अलग मुद्दा है, परंतु वास्तविकता के धरातल पर किशोरावस्था चुनौतियों से भरी हुई है। ध्यान देने योग्य तथ्य है यह कि विवाहित जीवन सदैव से ही परिपक्वता, संयम, दायित्व निर्वहन और आर्थिक सुदृढ़ता से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है और इसमें से किसी एक का भी अभाव विवाहित जीवन के मार्ग को कठिन कर देता है।

किशोरावस्था में परिपक्वता और आर्थिक सुदृढ़ता दूर की कौड़ी है। इस बात को युवा पीढ़ी जितनी जल्दी समझ ले बेहतर होगा। किशोर संबंधों में अनुभव होने वाली निकटता और हम एक-दूसरे को पूरी तरह समझते हैं, वाली धारणा अक्सर सतही होती है। अध्ययन में यह पाया गया कि वही संबंध जिनमें किशोर सुरक्षित महसूस करते हैं, वास्तव में अविश्वास, गलतफहमियों और भावनात्मक निर्भरता से भरे रहते हैं। सुरक्षित महसूस करना और वास्तव में सुरक्षित होना दोनों अलग बातें हैं।

भारत ऐसा देश नहीं है जहां राज्य बेरोजगारों और अशिक्षितों को कोई भत्ता देता हो। इसलिए, यदि आप अपने माता-पिता पर निर्भर नहीं हैं, तो आपको अपनी और अपने साथी की आजीविका स्वयं अर्जित करनी होगी और इससे स्वाभाविक रूप से स्कूल या कॉलेज जाने की संभावना समाप्त हो जाएगी। यदि आप अपनी इच्छा से कम उम्र में ही जीवन के इस संघर्ष में उतर जाते हैं, तो न केवल जीवन के अन्य अवसरों का आनंद लेने की आपकी संभावनाएं बुरी तरह प्रभावित होती हैं, बल्कि समाज में आपकी स्वीकृति भी कम हो जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

साक्षरता से आगे बढ़कर बच्चों को जीवन जीने की शिक्षा देना समय की सबसे बड़ी जरूरत

रविंद्र कुमार
स्वतंत्र लेखक

हिमाचल प्रदेश की साक्षरता दर 99 प्रतिशत आंकी गई है, जो राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित माप के अनुसार 95 प्रतिशत से अधिक है। शानदार उपलब्धि है। शिक्षा के स्तर को सुधारने और विस्तार के उद्देश्य में प्रदेश हमेशा प्रत्यनशील रहा है। अकादमिक शिक्षा के अलावा क्या वास्तविक शिक्षा प्रदान करने में सफल हुए हैं या नहीं? विचारणीय है।

आखिर वास्तविक शिक्षा है क्या? केवल बौद्धिक ज्ञान नहीं बल्कि शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आत्मिक ज्ञान बच्चों को दिया जाना वास्तविक शिक्षा है। चरित्र निर्माण, नैतिकता, बुद्धिमत्ता, समाज के प्रति जिम्मेवारी, व्यवहारिक संस्कार आदि गुण किशोरावस्था में विकसित होना जरूरी है।

युवावस्था में बेहतर इंसान बनने का है, जो जीवन में चुनौतियों का धैर्य से हल निकालने में सफल रहे। अनुशासित जीवन बिताएं और कुसंगतियों से दूर रहे। वैसे नियमित पढ़ाई के साथ स्कूलों में खेल, संगीत, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित होती हैं, जो बच्चों के विकास में सहयोग देती है, लेकिन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए वास्तविक शिक्षा महत्वपूर्ण है।

शिक्षा समाज का स्तंभ है। क्या सोचना है, शिक्षा सिखाती है। परंतु कैसे सोचना है, शिक्षा नहीं सिखाती। किताबों में लिखी प्रत्यक्ष जानकारी के साथ अप्रत्यक्ष जानकारी उदाहरण सहित यदि बच्चों को दी जाती है, तो सोने पर सुहागा जैसी कहावत चरितार्थ होती रहेगी। बाहरी जानकारी उदाहरणों के साथ पाठ्यक्रम में संवाद विधि अपनाना बच्चों के हित में है। अकादमिक ज्ञान सफल करियर के लिए जरूरी है, परंतु उतना ही जरूरी है, जिम्मेदारी संभालने, व्यवहारिक ज्ञान, जो सिखाता है कि समाज में कैसे जीना है, कैसा व्यवहार करना है, कैसे सामने आ रही बाधाओ से पार पाना है। माता-पिता और शिक्षक मार्गदर्शक बनकर बच्चों को प्यार के साथ सही और गलत का फर्क बताते रहे। अनुचित दबाव के बिना पढ़ाई ज्ञान के लिए प्रेरित करें। जो उपदेश दे, समझानी दे, उस तरह का आचरण पहले स्वयं अपनाएं। हमारे आचरण से बच्चे जल्दी सिखते है। कठोरता जरूरी है परंतु क्रोध के साथ नहीं।

अत्यधिक क्रोध और अत्यधिक प्यार दोनों उचित नहीं होते। बच्चों की आंतरिक शक्तियों को स्वयं बाहर निकलने में मदद करें। हमेशा पढ़ाई ज्ञान में बैठाए रखना उचित नहीं होता है। समय प्रबंधन तय करें, जिससे बच्चा अनुशासन और समय के महत्व को समझे। बच्चा अपना कार्य स्वयं करें, इसके लिए जिम्मेदारी तय करें। बच्चों को एकाकी जीवन व्यतीत करने से बचाए।

अन्य बच्चों के साथ समय व्यतीत करने दें, जहां उसके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। आपसी सहयोग करना सीखता है। रास्ता चुनने में मदद करते रहे। प्रत्येक कार्य करने का एक समय निर्धारित होता है। इसलिए कम उम्र में ही बच्चों से ज्यादा की उम्मीद न करें। ध्यान रखना होगा की अनुचित दबाव से बच्चो का बचपन प्रभावित ना हो। यही वास्तविक शिक्षा है। बच्चे दो नावों पर सवार होकर शिक्षा ग्रहण करते हैं। एक नाव विद्यालय है, जहां उनका अधिकांश किशोरावस्था का समय व्यतीत होता है और उन्हें अकादमिक ज्ञान प्राप्त होता है।

दूसरी नाव घर-परिवार है, जहां वे सामाजिक व्यवहार, संस्कार और जीवन मूल्यों को सीखते हैं। यद्यपि कहा जाता है कि दो नावों पर सवार होकर सफलता नहीं मिलती, परंतु किशोरावस्था में ये दोनों ही बच्चों के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

तकनीक के दौर में युवाओं की प्रतिभा को सकारात्मक दिशा देना समय की जरूरत

डॉ. रगवेंदर शर्मा
स्वतंत्र लेखक

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस हर वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर में युवाओं की भूमिका, उनकी चुनौतियों, अधिकारों और समाज के विकास में उनके योगदान को रेखांकित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। किसी भी देश की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है, क्योंकि युवाओं में ऊर्जा, रचनात्मकता, नई सोच और बदलाव लाने का साहस होता है। यदि इस शक्ति को सही दिशा और उचित अवसर मिले तो युवा देश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1999 में 12 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसके बाद वर्ष 2000 से यह दिवस नियमित रूप से मनाया जाने लगा। इसका उद्देश्य युवाओं से जुड़े मुद्दों पर वैश्विक स्तर पर चर्चा को बढ़ावा देना और युवाओं की आवाज को नीति निर्माण तथा सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण स्थान दिलाना है। यह दिवस सरकारों, संस्थाओं और समाज को याद दिलाता है कि युवाओं के भविष्य को मजबूत किए बिना किसी भी देश का समग्र विकास संभव नहीं है।

आज के दौर में युवाओं के सामने अवसरों के साथ अनेक चुनौतियां भी हैं। शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, मानसिक दबाव, तकनीक का बढ़ता प्रभाव, सामाजिक असमानता और बदलती जीवनशैली जैसे विषय युवाओं के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। विशेष रूप से रोजगार का प्रश्न युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि बदलते समय के अनुसार कौशल और व्यावहारिक ज्ञान हासिल करना भी आवश्यक है। तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और उद्यमिता को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

युवा समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक भी हैं। आज बड़ी संख्या में युवा पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सामाजिक माध्यमों और डिजिटल तकनीक ने युवाओं को अपनी बात दुनिया तक पहुंचाने का मंच दिया है। हालांकि इसका उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाना जरूरी है। गलत सूचना, अफवाह और नकारात्मक सामग्री से बचते हुए युवाओं को तकनीक का इस्तेमाल ज्ञान, शिक्षा और रचनात्मक कार्यों के लिए करना चाहिए।

खेलों के क्षेत्र में भी युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत के अनेक युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करने का प्रभावी साधन भी है। विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर खेल सुविधाओं को मजबूत करने से युवाओं की प्रतिभा को सही मंच मिल सकता है।

युवाओं के विकास में परिवार और शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बच्चों और युवाओं पर केवल अच्छे अंक हासिल करने का दबाव डालने के बजाय उनके व्यक्तित्व, रुचि और प्रतिभा को समझने की आवश्यकता है। उन्हें निर्णय लेने, असफलताओं से सीखने और अपने लक्ष्य निर्धारित करने का अवसर मिलना चाहिए। सही मार्गदर्शन युवाओं को आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस हमें यह संदेश देता है कि युवा केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान के भी महत्वपूर्ण भागीदार हैं। देश की नीतियों और विकास योजनाओं में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की जरूरत है। युवाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, कौशल और नेतृत्व के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

सिनेमा की चमकती सितारा 'सायेशा'

सायेशा सहगल भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने कम उम्र में ही अभिनय और नृत्य के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई।

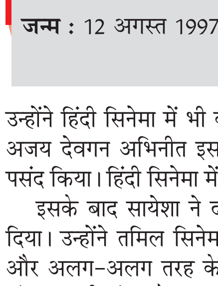

सायेशा सहगल
जन्म : 12 अगस्त 1997

उनका जन्म **12 अगस्त 1997** को मुंबई में हुआ था। हर वर्ष 12 अगस्त को उनका जन्मदिन मनाया जाता है। सायेशा ने हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अपनी खूबसूरती, अभिनय क्षमता और नृत्य कौशल के कारण उन्होंने दर्शकों के बीच खास जगह बनाई है।

सायेशा का फिल्मी सफर बहुत कम उम्र में शुरू हुआ। उन्होंने वर्ष 2015 में तेलुगु फिल्म अखिल से अभिनय की शुरुआत की। इस फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी कदम रखा और शिवाय फिल्म में काम किया। अजय देवगन अभिनीत इस फिल्म में सायेशा की भूमिका को दर्शकों ने पसंद किया। हिंदी सिनेमा में उनकी शुरुआत ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई।

इसके बाद सायेशा ने दक्षिण भारतीय फिल्मों की ओर अधिक ध्यान दिया। उन्होंने तमिल सिनेमा में कई महत्वपूर्ण फिल्मों में अभिनय किया और अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। वनमगन, कड़ैकुट्टी सिंगम, जुंगा, गजनीकांत और काप्पान जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को दर्शकों ने देखा। दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करते हुए उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता को लगातार बेहतर किया।

सायेशा की सबसे बड़ी खूबियों में उनका नृत्य कौशल भी शामिल है। उन्हें बचपन से ही नृत्य में रुचि रही है और उन्होंने विभिन्न नृत्य शैलियों का प्रशिक्षण लिया है। फिल्मों में उनके नृत्य प्रदर्शन को दर्शकों और प्रशंसकों ने काफी पसंद किया। अभिनय के साथ नृत्य पर उनकी मजबूत पकड़ उन्हें दूसरी अभिनेत्रियों से अलग पहचान दिलाती है। सायेशा के निजी जीवन की बात करें तो उन्होंने अभिनेता आर्या के साथ विवाह किया। दोनों ने फिल्म गजनीकांत में साथ काम किया था। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और वर्ष 2019 में उन्होंने विवाह कर लिया।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

करीमुद्दीनपुर स्टेशन पर 16 अगस्त से रुकेगी कामायनी एक्सप्रेस

एजेंसी, वाराणसी। गाजीपुर के करीमुद्दीनपुर रेलवे स्टेशन पर अब कामायनी एक्सप्रेस का ठहराव होगा। यात्रियों की सुविधा और क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने गाड़ी संख्या 11071/11072 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस को प्रायोगिक आधार पर दो मिनट का ठहराव देने का निर्णय लिया है। रेलवे की ओर से यह सुविधा 16 अगस्त से शुरू की जाएगी। इस फैसले से करीमुद्दीनपुर और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

रेलवे के अनुसार लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 16 अगस्त को चलने वाली 11071 एक्सप्रेस रात 9 बजकर 53 मिनट पर करीमुद्दीनपुर स्टेशन पहुंचेगी और दो मिनट रुकने के बाद रात 9 बजकर 55 मिनट पर रवाना होगी। इसी तरह बलिया से 17 अगस्त को चलने वाली 11072 एक्सप्रेस दोपहर 1 बजकर 13 मिनट पर करीमुद्दीनपुर पहुंचेगी और दो मिनट के ठहराव के बाद दोपहर 1 बजकर 15 मिनट पर आगे के लिए रवाना होगी। दोनों दिशाओं में ट्रेन का निर्धारित ठहराव यात्रियों को समय बचाने के साथ बेहतर यात्रा विकल्प उपलब्ध कराएगा।

करीमुद्दीनपुर स्टेशन पर कामायनी एक्सप्रेस के रुकने से स्थानीय लोगों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए दूसरे बड़े स्टेशनों पर जाने की आवश्यकता कम होगी। क्षेत्र के विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, व्यापारी और अन्य यात्री सीधे इस ट्रेन का लाभ उठा सकेंगे। विशेष रूप से लोकमान्य तिलक टर्मिनस और बलिया की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह सुविधा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। रेलवे प्रशासन का यह निर्णय क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी अहम माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी में तारीख पर तारीख: सिगरा स्थित शहीद उद्यान पार्क का जीर्णोद्धार अब भी अधूरा

एजेंसी, वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सिगरा स्थित शहीद उद्यान पार्क का जीर्णोद्धार कार्य सरकारी उदासीनता और कार्यदायी संस्था की लापरवाही के कारण लटक गया है। नगर निगम द्वारा पार्क के सौंदर्यीकरण और कायाकल्प के लिए लगभग 7.50 करोड़ (748.93 लाख) रुपये की भारी-भरकम योजना स्वीकृत की गई थी। कागजी दस्तावेजों के अनुसार, इस परियोजना को 4 जून 2025 को मंजूरी मिली थी और इसका निर्माण कार्य 1 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 30 जून 2026 तक पूरा किया जाना तय था।

ट्रेन में पिट्ठू बैग और थैले से मिले 63 लाख रुपये, दस्तावेज न दिखाने पर यात्री हिरासत में

एजेंसी, वाराणसी। चित्रकूट में बेतवा एक्सप्रेस के बी-3 कोच से आरपीएफ ने एक यात्री के पास से 63 लाख रुपये की नकदी बरामद की। सतना निवासी 60 वर्षीय हेमराज वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। आरपीएफ के अनुसार, बहिलपुरवा और चित्रकूटधाम कर्वी स्टेशन के बीच संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर यात्री की तलाशी ली गई। उसके पिट्ठू बैग और थैले से नकदी मिली। पूछताछ में उसने बताया कि यह रकम संजय उर्फ संजू ने सतना से कानपुर पहुंचाने के लिए दी थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, दो जीवित संतान वाली महिलाओं को मातृत्व अवकाश नहीं

एजेंसी, प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सरकारी महिला कर्मचारियों के मातृत्व अवकाश को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति मंजूरानी चौहान की एकल पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि किसी सरकारी महिला कर्मचारी की दो या उससे अधिक जीवित संतान हैं तो वह बाद की संतान के लिए मातृत्व अवकाश की पात्र नहीं होगी। अदालत ने यह फैसला शशि कुमारी की याचिका पर सुनाया। उन्होंने अपनी चौथी संतान के लिए छह महीने के मातृत्व अवकाश की मांग की थी। विभाग ने 19 जून 2026 के आदेश के जरिए उनकी मांग खारिज कर दी थी। इसके खिलाफ उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

12 साल से लंबित याचिका में जवाबी हलफनामा न देने पर हाई कोर्ट सख्त

एजेंसी, प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वर्ष 2014 से लंबित याचिका में राज्य सरकार की ओर से जवाबी हलफनामा दाखिल न किए जाने पर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट के दो बार आदेश के बावजूद जवाब दाखिल नहीं होने पर संतकबीरनगर के कलेक्टर और विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से तलब किया गया है। दोनों अधिकारियों को 12 अगस्त को दोपहर दो बजे अदालत में उपस्थित होकर जवाब देना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने शोएब अली व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर कानपुर से चलेंगी 15 नई ई-बसें, सफर होगा आसान

एजेंसी, कानपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कानपुर के यात्रियों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। 15 अगस्त से झकरकटी बस अड्डे से लखनऊ और प्रयागराज के लिए 15 नई वातानुकूलित ई-बसों का संचालन शुरू होगा। इनमें आठ बसें कानपुर से लखनऊ के आलमबाग और सात बसें प्रयागराज मार्ग पर चलेंगी। आधुनिक और हाईटेक इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक सफर मिलेगा। इन बसों के लिए आरबी मोबिलिटी कंपनी से 12 वर्ष का अनुबंध किया गया है।

पुरामहादेव में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया पवित्र जलाभिषेक

एजेंसी, बागपत। बागपत के ऐतिहासिक पुरामहादेव मंदिर में शिवरात्रि पर श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लाखों कांवड़ियों ने लंबी कतारों में लगकर भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। मेरठ के औघड़नाथ मंदिर समेत अन्य शिवालयों में भी बड़ी संख्या में शिवभक्त पहुंचे। प्रशासन ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए।

टैक्सी चालक के बेटे शाहनवाज ने विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

नहर की पटरी से विश्व मंच तक पहुंचा प्रतापगढ़ का शाहनवाज

एजेंसी, लखनऊ

◆ पुरुष लंबी कूद में विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप का पहला भारतीय पदक दिलाया

प्रतापगढ़ के एक छोटे से गांव से निकलकर अमेरिका के यूजीन तक पहुंचे 19 वर्षीय शाहनवाज खान ने अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष के दम पर भारतीय एथलेटिक्स में नया इतिहास रच दिया है। विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में लंबी कूद स्पर्धा में शाहनवाज ने 7.84 मीटर की शानदार छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल प्रतापगढ़ बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पुरुष लंबी कूद में विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप के इतिहास में भारत के लिए पदक जीतने वाले शाहनवाज पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनकी सफलता के बाद गांव से लेकर जिले तक खुशी का माहौल है और परिवार के लोगों को बधाइयां देने वालों का तांता लगा हुआ है।

शाहनवाज का सफर किसी बड़े खेल मैदान या आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र से शुरू नहीं हुआ था। प्रतापगढ़ के संग्रामपुर मधई का पुरवा गांव के पास नहर की पटरी ही उनके शुरुआती अभ्यास का मैदान बनी। स्थानीय बच्चों और दोस्तों के साथ उन्होंने वहीं लंबी कूद का अभ्यास शुरू किया। संसाधनों की कमी के बावजूद उन्होंने अपने सपने को कमजोर नहीं पड़ने दिया। वरिष्ठ एथलीट मोहम्मद हदीस खान के मार्गदर्शन में शाहनवाज ने लंबी कूद की तकनीक और खेल की बारीकियां सीखनी शुरू कीं। लगातार अभ्यास और कठिन मेहनत के कारण उनका प्रदर्शन धीरे-धीरे बेहतर होता गया। गांव के सीमित साधनों से शुरू हुआ यह सफर आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच तक पहुंचा।

शाहनवाज के परिवार की आर्थिक स्थिति भी बहुत मजबूत नहीं थी। उनके पिता स्वर्गीय मोहम्मद नफीस और दादा जमीलुद्दीन खान मुंबई में टैक्सी चलाते थे। परिवार के लिए खेल में करियर बनाना आसान नहीं था, लेकिन शाहनवाज ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर रास्ता बनाया। उनके दादा जमीलुद्दीन आज भी गांव में रहते हैं और पोते की उपलब्धि पर बेहद खुश हैं। शाहनवाज दो भाइयों में बड़े हैं। उनकी सफलता से मां नसरीन बानो, दादा, भाई-बहन और परिवार के अन्य सदस्यों में खुशी की लहर है।

पढ़ाई के साथ शाहनवाज ने अपने खेल प्रशिक्षण को भी जारी रखा। कोविड काल के दौरान उन्होंने मुंबई के पनवेल स्थित पिल्लई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में प्रवेश लिया।

यूपी में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए 10 रुपए लीटर खरीदा जाएगा गोमूत्र

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने, जैविक खेती को बढ़ावा देने और गोवंश के संरक्षण के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की है। राज्य सरकार ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत ग्रामीण क्षेत्रों से 10 रुपये प्रति लीटर की दर से गोमूत्र खरीदने की योजना शुरू की है। इस दूरगामी कदम का मुख्य लक्ष्य पशुपालकों के लिए अतिरिक्त आय का जरिया बनाना है, जिससे लोग पशुओं को आवारा छोड़ने के बजाय उनकी बेहतर देखभाल करने के लिए प्रेरित होंगे।

यह योजना कृषि और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। कृषि क्षेत्र में रासायनिक खाद और जहरीले कीटनाशकों के स्थान पर गोमूत्र पर आधारित जीवामृत और प्राकृतिक कीटनाशकों के प्रयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे मिट्टी की उर्वरता में सुधार होगा और फसलों की लागत कम होगी, जिससे किसानों को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ पहुंचेगा।

इसके साथ ही, चिकित्सा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी इसका बड़ा महत्व है। वरिष्ठ आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार, गोमूत्र में प्राकृतिक कीटाणुनाशक और विष-रोधी गुण मौजूद होते हैं। प्राचीन आयुर्वेद शास्त्रों में इसके औषधीय गुणों का व्यापक उल्लेख मिलता है और वर्तमान में लिवर संबंधी विकारों तथा अन्य कई गंभीर बीमारियों की दवाओं के निर्माण में इसका बहुतायत से प्रयोग किया जाता है।

गोमूत्र का व्यावसायिक एकत्रीकरण शुरू होने से ग्रामीण स्तर पर प्रसंस्करण और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यदि यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है, तो इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा। यह कदम न केवल राज्य में गो-संरक्षण को बल देगा, बल्कि उत्तर प्रदेश को पूर्ण प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा।

बरेली में किशोरी से गैंग रेप: पड़ोसी बालक के सामने खींच ले गए आरोपित

एजेंसी, बरेली

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में बकरी चराने गई 14 वर्षीय किशोरी के साथ दो युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म का अत्यंत दुखद मामला सामने आया है। घटना रविवार शाम की है, जब आठवीं कक्षा की छात्रा अपने घर से करीब दो किलोमीटर दूर खेत में बकरियाँ चरा रही थी। उसी दौरान विमलेश और उसका एक अज्ञात साथी किशोरी को जबरन गन्ने के खेत में खींच ले गए और वारदात को अंजाम दिया।

घटना के समय कुछ दूरी पर मौजूद आठ वर्षीय पड़ोसी बालक ने किशोरी को संघर्ष करते और चीखते देखा। वह डरकर तुरंत आधा किलोमीटर दूर घास काट रही पीड़िता की मां के पास पहुंचा और घटना की जानकारी दी। मां जब तुरंत मौके पर पहुंची, तो उसने दोनों आरोपियों को खेत से भागते देखा।

पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने विमलेश तथा एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। सोमवार को हुए मेडिकल परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि हो चुकी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने खुद घटनास्थल का मुआयना किया और आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी के लिए एसओजी टीम का गठन कर जांच शुरू कर दी है।

25 करोड़ से बनेगा आरएमपीएसयू का तीसरा शैक्षणिक भवन

एजेंसी, अलीगढ़

अलीगढ़ स्थित राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। बढ़ती छात्र संख्या और आने वाले समय में नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना को देखते हुए विश्वविद्यालय में तीसरे शैक्षणिक भवन का निर्माण शुरू कराया गया है।

विश्वविद्यालय निधि से बनने वाले इस भवन पर करीब 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को सौंपी गई है। नए भवन में आधुनिक कक्षा कक्षों के साथ प्रयोगशालाएं, डीन कार्यालय और विद्यार्थियों की जरूरत से जुड़ी अन्य शैक्षणिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे विश्वविद्यालय में पढ़ाई के लिए उपलब्ध स्थान बढ़ेगा और शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर तरीके से संचालित करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय में वर्तमान में दो शैक्षणिक भवनों के माध्यम से पठन-पाठन की व्यवस्था संचालित है। स्नातक स्तर पर 23 और परास्नातक स्तर पर 27 पाठ्यक्रम चल रहे हैं। इनमें विधि से जुड़े पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। वर्तमान में 1700 से अधिक विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय अपने चौथे शैक्षणिक सत्र में प्रवेश कर चुका है और आने वाले वर्षों में छात्र संख्या बढ़ने की संभावना है। छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया भी चल रही है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त शैक्षणिक भवन की आवश्यकता महसूस की।

◆ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या और पाठ्यक्रम लगातार बढ़ रहे हैं। तीसरे शैक्षणिक भवन से अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगशालाएं और कार्यालय उपलब्ध होंगे। इससे नए पाठ्यक्रम शुरू करने और शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार में मदद मिलेगी।
-प्रबुद्ध सिंह, रजिस्ट्रार।

प्रस्तावित भवन में भूतल के साथ प्रथम और द्वितीय तल का निर्माण किया जाएगा। इससे नए पाठ्यक्रमों के लिए पर्याप्त कक्ष और प्रयोगशालाएं उपलब्ध हो सकेंगी। विश्वविद्यालय का मूल परिसर लोधा क्षेत्र के मूसेपुर गांव में विकसित किया गया है। वर्ष 2021 में यहां विश्वविद्यालय भवन निर्माण की आधारशिला रखी गई थी और करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से प्रारंभिक परिसर तैयार किया गया। तीसरे भवन के निर्माण से विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों का दायरा और बढ़ने की उम्मीद है।

यूपी के सभी मुख्य डाकघरों में अब रविवार को भी मिलेगी आधार सेवा

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सभी मुख्य डाकघरों में रविवार को भी आधार सेवा उपलब्ध होगी। डाक विभाग ने आधार पंजीयन, संशोधन और बायोमीट्रिक अपडेट की सुविधा रविवार को भी शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य डाकघरों में एक-एक आधार सेवा काउंटर संचालित किया जाएगा। मुख्यालय परिक्षेत्र के लखनऊ, सीतापुर, अयोध्या, रायबरेली और बाराबंकी समेत कई जिलों में यह व्यवस्था पहले से लागू है, जबकि अन्य जिलों में भी इसे शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। डाक विभाग के अनुसार, कार्यदिवस में नौकरी, कारोबार, पढ़ाई और अन्य जरूरी कामों के कारण कई लोग आधार से जुड़ी सेवाओं के लिए डाकघर नहीं पहुंच पाते हैं।

रविवार को सुविधा मिलने से ऐसे लोगों को काफी राहत मिलेगी। मुख्यालय परिक्षेत्र के छह जिलों में 156 डाकघरों में आधार सेवा केंद्र संचालित हैं। इसके अलावा 886 मोबाइल उपकरणों के माध्यम से घर-घर जाकर भी आधार संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रविवार की सुविधा शुरू होने से आधार में मोबाइल नंबर, पता, बायोमीट्रिक और अन्य आवश्यक जानकारी अपडेट कराने वालों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।

मेरठ की 70 सड़कों की बदलेगी सूरत 80.75 करोड़ रुपए से होंगे विकास कार्य

एजेंसी, मेरठ। मेरठ शहर की जर्जर सड़कों और खराब बुनियादी ढांचे से परेशान लोगों के लिए राहत की खबर है। शासन ने वायु प्रदूषण नियंत्रण और शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए 80.75 करोड़ रुपये की लागत वाली 70 विकास परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इस धनराशि से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कंक्रीट, डामर, व्हाइट टापिंग और इंटरलाकिंग टाइल्स से सड़कों का निर्माण व सुधार कराया जाएगा। जैननगर, श्यामनगर, गंगानगर, शास्त्रीनगर, प ल ल व पु र म, कंकरखेड़ा और जागृति विहार समेत कई इलाकों को योजना में शामिल किया गया है। श्यामनगर मुख्य मार्ग के निर्माण के लिए 3.40 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गोल मंदिर से कुटी चौराहे तक व्हाइट टापिंग सड़क के लिए 3.21 करोड़ रुपये और फतेहउल्लापुर रोड पर सीसी सड़क निर्माण के लिए 2.85 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। उद्योगपुरम से गगोल रोड तक सड़क निर्माण पर 2.70 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा लिसाड़ी गेट, जाकिर हुसैन कालोनी, समर गार्डन और न्यू इस्लाम नगर सहित अन्य क्षेत्रों की सड़कों और नालियों का भी सुधार किया जाएगा।

वाराणसी में भाजपा की बड़ी बैठक, 16 जिलों के पदाधिकारी चुनावी तैयारियों पर करेंगे मंथन

◆ 2024 के लोकसभा चुनाव के अनुभवों से सबक लेकर भाजपा काशी क्षेत्र में बनाएगी नई चुनावी रणनीति

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी में भाजपा के काशी क्षेत्र के 16 संगठनात्मक जिलों के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को होगी। प्रदेश उपाध्यक्ष और काशी क्षेत्र के नवनियुक्त प्रभारी रमेश सिंह बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें काशी क्षेत्र के सांसदों राज्यसभा सदस्यों विधायकों महापौर जिला पंचायत अध्यक्षों नगर पालिका और नगर पंचायत अध्यक्षों सहित प्रदेश व क्षेत्रीय पदाधिकारी शामिल होंगे। सातों मोर्चों के क्षेत्र अध्यक्ष जिलाध्यक्ष और जिला प्रभारी भी बैठक में मौजूद रहेंगे। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन की तैयारियों और चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

पिछले चुनावों के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जहां संगठन को और मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके अलावा मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विचार किया जाएगा।

रमेश सिंह वाराणसी महानगर और जिले के पदाधिकारियों के साथ अलग बैठक भी करेंगे। इसमें सातों मोर्चों के अध्यक्षों के अलावा 33 मंडल अध्यक्ष और मंडल प्रभारी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि इन बैठकों के जरिए भाजपा काशी क्षेत्र में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने और संगठन को चुनावी मोर्चे पर अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम फैसले ले सकती है।

चुनावी तैयारी | बसपा ने दलित-पिछड़े-मुस्लिम-सवर्ण समीकरण साधने की दिशा में बढ़ाए कदम

बसपा ने सर्व समाज को साधने की रणनीति तेज की

एजेंसी, लखनऊ

बसपा ने उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच अपनी पुरानी सामाजिक रणनीति को नए रूप में आगे बढ़ाने के संकेत दिए हैं। हाथरस में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने सर्व समाज को साथ लेकर चलने का संदेश दिया। उनके संबोधन में यह स्पष्ट नजर आया कि बसपा अपने पारंपरिक दलित आधार के साथ-साथ पिछड़े वर्गों, मुस्लिम समाज, सवर्णों, किसानों और युवाओं के बीच भी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी का लक्ष्य विभिन्न सामाजिक समूहों को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाकर चुनावी आधार को व्यापक बनाना है।

आकाश आनंद ने कहा कि बसपा किसी एक वर्ग या समुदाय तक सीमित राजनीतिक संगठन नहीं है। पार्टी समाज के सभी वर्गों के हितों की बात करती है। उन्होंने सामाजिक एकजुटता और समान भागीदारी पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से सभी वर्गों के बीच पहुंच बढ़ाने का आह्वान किया। उनके भाषण में ब्राह्मण समाज सहित सवर्ण वर्गों को जोड़ने का संदेश भी प्रमुखता से दिखाई दिया। इससे संकेत मिल रहा है कि पार्टी आगामी चुनाव में सामाजिक समीकरण को व्यापक बनाने के लिए अलग-अलग वर्गों के बीच संवाद बढ़ाने की रणनीति अपना रही है।

बसपा की राजनीति में सामाजिक समीकरणों की भूमिका लंबे समय से महत्वपूर्ण रही है। पार्टी के संस्थापक कांशीराम ने बहुजन समाज को राजनीतिक रूप से संगठित करने की रणनीति तैयार की थी। इसका उद्देश्य उन सामाजिक समूहों को राजनीतिक ताकत देना था जो लंबे समय तक सत्ता की मुख्यधारा से दूर रहे। बाद में मायावती के नेतृत्व में बसपा ने अपने राजनीतिक आधार का विस्तार किया और दलितों के साथ अन्य सामाजिक वर्गों को जोड़ने की कोशिश की। इसी क्रम में सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की अवधारणा को राजनीतिक अभियान का हिस्सा बनाया गया।

वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा की सामाजिक इंजीनियरिंग को बड़ी सफलता मिली थी। पार्टी ने विभिन्न सामाजिक समूहों को साथ जोड़कर उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। उस समय दलित और ब्राह्मण सहित कई वर्गों के बीच बनाए गए राजनीतिक समीकरण को बसपा की सफलता का महत्वपूर्ण आधार माना गया था। यही कारण है कि वर्तमान दौर में भी पार्टी की ओर से सर्व समाज की बात किए जाने को महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

आकाश आनंद ने दिया एकजुटता का संदेश

आकाश आनंद के सक्रिय होने से बसपा के चुनावी अभियान में युवा नेतृत्व का पक्ष भी सामने आ रहा है। पार्टी की कोशिश है कि युवाओं को रोजगार, शिक्षा और अवसरों से जुड़े मुद्दों के जरिए अपने साथ जोड़ा जाए। इसके साथ ही किसान, पिछड़ा वर्ग और मुस्लिम मतदाताओं के बीच भी राजनीतिक संवाद बढ़ाने की आवश्यकता पार्टी महसूस कर रही है। विभिन्न वर्गों के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना बसपा के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में सामाजिक गठबंधन अक्सर परिणामों को प्रभावित करते रहे हैं। बसपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने सामाजिक आधार को प्रभावी चुनावी समर्थन में बदलने की है।

राजकीय और निजी आईटीआई में विकल्प बदलने की सुविधा अब 15 अगस्त तक

एजेंसी, लखनऊ

◆ एससीवीटी ने आईटीआई विकल्प परिवर्तन की समयसीमा 15 अगस्त तक बढ़ाई

उत्तर प्रदेश के राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों को संस्थान और व्यवसाय बदलने का एक और अवसर दिया गया है। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद ने विकल्प परिवर्तन की समयसीमा बढ़ाकर 15 अगस्त की रात 12 बजे तक कर दी है। पहले यह सुविधा नौ से 12 अगस्त तक उपलब्ध थी। अब अभ्यर्थी एससीवीटी के पोर्टल पर नए सिरे से आनलाइन आवेदन और पंजीकरण करने के साथ अपनी पसंद के संस्थान या व्यवसाय का विकल्प भी बदल सकेंगे। विभाग के अनुसार यह सुविधा प्रदेश के राजकीय और निजी आईटीआई में संचालित विभिन्न व्यवसायों के लिए लागू होगी। इसके अलावा टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 211 राजकीय आईटीआई में चल रहे 10 दीर्घकालीन व्यवसायों तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल वाले राजकीय संस्थानों के विभिन्न व्यवसायों में भी अभ्यर्थी विकल्प संशोधित कर सकेंगे।

विभाग ने यह निर्णय अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए लिया है। इससे उन छात्रों को राहत मिलेगी जो पहले चयनित संस्थान या व्यवसाय से संतुष्ट नहीं हैं और अपनी पसंद के अनुसार विकल्प बदलना चाहते हैं। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि से पहले पोर्टल पर आवश्यक बदलाव पूरा कर लें और आवेदन से जुड़ी जानकारी एससीवीटी की आधिकारिक वेबसाइट पर जांच लें।

रेवाड़ी में गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों पर कसेगा शिकंजा, शिक्षा विभाग ने दिए बंद करने के आदेश

शिक्षा विभाग ने फिर ऐसे स्कूलों को बंद करने के आदेश दिए हैं, जहां बिना मान्यता बच्चों को पढ़ाया जा रहा

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

रेवाड़ी जिले में गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के संचालन को लेकर शिक्षा विभाग एक बार फिर सक्रिय हुआ है। विभाग की ओर से ऐसे विद्यालयों की सूची तैयार कर उन्हें बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। हालांकि, इससे पहले करीब दो वर्ष पूर्व भी 40 गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची तैयार की गई थी, लेकिन उन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। अब दो साल बाद एक बार फिर ऐसे स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी किए जाने से शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, जिले में कई ऐसे विद्यालय संचालित होने की शिकायतें सामने आती रही हैं, जिनके पास संबंधित बोर्ड या शिक्षा विभाग से आवश्यक मान्यता नहीं है। इसके बावजूद इन स्कूलों में विद्यार्थियों का दाखिला लिया जा रहा है और उन्हें शिक्षा प्रदान की जा रही है।

विभाग की ओर से समय-समय पर जांच और सूची तैयार करने की प्रक्रिया तो की जाती है, लेकिन कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाने के कारण ऐसे विद्यालय लगातार संचालित होते रहते हैं। दो साल पहले बनी थी 40 स्कूलों की सूची बताया जा रहा है कि करीब दो वर्ष पहले शिक्षा विभाग की ओर से गैर मान्यता प्राप्त 40 स्कूलों की सूची तैयार की गई थी।

उस समय इन विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की बात कही गई थी, लेकिन सूची तैयार होने के बाद भी संबंधित स्कूलों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। आरोप है कि इसके बाद विभागीय स्तर पर इन विद्यालयों की दोबारा जांच तक नहीं की गई। इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के सामने सबसे बड़ी चिंता उनके भविष्य को लेकर है। अभिभावक अक्सर स्कूल की मान्यता और प्रमाणपत्रों की वास्तविक स्थिति की जानकारी किए बिना बच्चों का दाखिला करा देते हैं।

बाद में स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट, फीस, बोर्ड परीक्षा या अन्य किसी विवाद की स्थिति में उन्हें विद्यालय की मान्यता से संबंधित वास्तविकता का पता चलता है। गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। आरोप है कि कई स्कूल निर्धारित मानकों को पूरा किए बिना ही संचालित हो रहे हैं। इससे विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और भविष्य पर भी असर पड़ सकता है।

घरेलू सहायिका की हत्या के बाद पुलिस सतर्क, 1800 बुजुर्गों की सुरक्षा होगी मजबूत

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

शहर में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। पंचकूला पुलिस ने अब तक करीब 1800 ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को चिह्नित किया है, जो या तो अकेले रहते हैं या घर में केवल पति-पत्नी रहते हैं। पुलिस अब इन बुजुर्गों की जानकारी जुटाकर उनके लिए सुरक्षा नेटवर्क तैयार करने की दिशा में काम कर रही है।

पुलिस का यह अभियान हाल ही में सेक्टर-21 में हुई 72 वर्षीय महिला की हत्या की घटना के बाद तेज किया गया है। महिला रिटायर्ड आर्मी कैप्टन की पत्नी थीं। घटना के बाद पुलिस ने अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू की है। अभियान के तहत पुलिस कर्मचारी घर-घर पहुंचकर बुजुर्गों से संपर्क कर रहे हैं। उनके परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, संपर्क नंबर और घर में आने-जाने वाले लोगों से संबंधित आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। इसका उद्देश्य जरूरत पड़ने पर बुजुर्गों तक पुलिस की मदद तुरंत पहुंचाना है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों की जानकारी व्यवस्थित तरीके से दर्ज की जाएगी, ताकि किसी आपात स्थिति में उनसे तत्काल संपर्क किया जा सके। पुलिस की ओर से बुजुर्गों को संदिग्ध गतिविधियों और अनजान लोगों से सावधान रहने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है।

अकेले रहने वाले बुजुर्गों के घरों पर पुलिस की निगरानी और समय-समय पर संपर्क बढ़ाने की योजना भी बनाई जा रही है। स्थानीय स्तर पर पुलिसकर्मियों को ऐसे वरिष्ठ नागरिकों के संपर्क में रहने के निर्देश दिए जा रहे हैं। पुलिस का मानना है कि बुजुर्गों की सुरक्षा केवल गश्त बढ़ाने से नहीं, बल्कि उनके साथ नियमित संपर्क और भरोसेमंद संवाद से भी मजबूत होगी। इसी उद्देश्य से करीब 1800 वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षा नेटवर्क से जोड़ने की तैयारी की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

सड़क पर पानी भरा तो कंपनी ने उतारी नाव पुलिस ने थमाया 50 हजार का चालान

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। भारी बारिश के बाद जलभराव से जूझ रही गुरुग्राम की सड़क पर नाव उतारना कंपनी को महंगा पड़ गया। पुरानी कारों की खरीद-बिक्री करने वाले ऑनलाइन मंच सीएआरएस24 ने शनिवार को जलमग्न सड़क पर अपनी ब्रांडेड नाव उतारी थी। कंपनी के कर्मचारी नाव के जरिए पानी में जाते दिखाई दिए। इसकी जानकारी मिलते ही ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और नाव को जब्त कर लिया। पुलिस ने नियमों के उल्लंघन के आरोप में कंपनी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। मामले की जानकारी कंपनी की ब्रांड एवं संचार प्रमुख प्राची शर्मा ने सामाजिक मंच पर साझा की। उन्होंने जलभराव को लेकर प्रशासन पर तंज कसते हुए कहा कि पानी भरने के लिए जिम्मेदार लोगों का भी चालान काटा जाना चाहिए। प्राची के अनुसार, कंपनी ने प्रशासन की नाकामी पर व्यंग्य करने के उद्देश्य से नाव उतारी थी।

यूथ हॉस्टल के माय भारत कार्यालय में चोरी दरवाजे-खिड़कियां तोड़कर घुसे चोर

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। तेजली स्पोर्ट्स स्टेडियम स्थित यूथ हॉस्टल में संचालित माय भारत कार्यालय में चोरों ने रात के समय चोरी की वारदात को अंजाम दिया। छुट्टी के दौरान कार्यालय में घुसे चोरों ने मुख्य दरवाजे और खिड़कियों के शीशे तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद कार्यालय में रखा कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना का पता कार्यालय खुलने के बाद चला। कर्मचारियों ने सामान गायब देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने कार्यालय में हुई तोड़फोड़ और चोरी से संबंधित साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

शॉर्ट सर्किट से एसडीएम कार्यालय में लगी आग, धुएं का गुबार देख मचा हड़कंप

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल जिला सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में मंगलवार सुबह करीब आठ बजे अचानक भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। घटना के समय शिवरात्रि की छुट्टी होने के कारण कार्यालय में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग इतनी तेज थी कि कार्यालय के अंदर रखा फर्नीचर, फाइलें और अन्य सामान जलकर राख हो गया। कार्यालय से उठते काले धुएं को देखकर आसपास के लोगों में भी हड़कंप मच गया। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। शॉर्ट सर्किट की पुष्टि के लिए भी जांच की जा रही है।

शादी के दावे के बाद दुष्कर्म की एफआईआर युवक ने युवती पर लगाए गंभीर आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। महेंद्रगढ़ के एक युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध का मामला अब दुष्कर्म की एफआईआर तक पहुंच गया है। युवक कुलदीप का दावा है कि दोनों ने 10 अप्रैल 2025 को जयपुर के आर्य समाज मंदिर में शादी की थी। इसके बाद करीब दो साल तक दोनों साथ रहे और कई जगह घूमने भी गए। युवक के अनुसार, युवती ने नूंह के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिला लिया था। उसका आरोप है कि बाद में युवती ने उससे दूरी बना ली। युवक का दावा है कि उसने युवती से मेडिकल की पढ़ाई छोड़ने के लिए कहा था, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और रिश्ता टूट गया।

हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना की आय सीमा बढ़ी, सितंबर से मिलेगा लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आर्थिक सहायता देने वाली लाडो लक्ष्मी योजना का दायरा बढ़ाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार सितंबर माह से अब 1.80 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाली महिलाएं भी योजना का लाभ उठा सकेंगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद बड़ी संख्या में अतिरिक्त महिलाएं योजना से जुड़ सकेंगी।

अब तक लाडो लक्ष्मी योजना के तहत एक लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाली महिलाओं को ही पात्र माना जा रहा था। सरकार ने आय सीमा में 80 हजार रुपये की वृद्धि कर इसे 1.80 लाख रुपये कर दिया है। इससे उन महिलाओं को भी आर्थिक सहायता मिल सकेगी, जो पहले निर्धारित आय सीमा अधिक होने के कारण योजना के दायरे से बाहर थीं। योजना के तहत पात्र महिलाओं को

आय सीमा बढ़ने के बाद योजना से जुड़ेंगी अधिक पात्र महिलाएं।

हर माह 2100 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है।

सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना और उनके दैनिक खर्चों में सहायता उपलब्ध कराना है। आय सीमा बढ़ाए जाने से मध्यम आय वर्ग की महिलाओं को भी योजना का लाभ मिलने का रास्ता साफ हुआ है। रेवाड़ी जिले में योजना के लाभार्थियों की संख्या भी नई पात्रता सीमा लागू होने के बाद बढ़ने की संभावना है।

हिसार में 5.35 करोड़ की धोखाधड़ी, तहसीलदार के परिवार समेत तीन पर केस

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हिसार शहर थाना क्षेत्र में 5 करोड़ 35 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि सेक्टर-14 स्थित दो मकानों को विवाद रहित बताकर सीए हिमांशु मित्तल से 5.35 करोड़ रुपये ले लिए गए, जबकि दोनों मकान पहले ही अन्य लोगों को बेचे जा चुके थे। शिकायत के अनुसार, सौदा तय करते समय आरोपियों ने मकानों पर किसी तरह का विवाद नहीं होने का भरोसा दिलाया। इसके बाद सीए से रकम ले ली गई। जब रजिस्ट्री कराने की बारी आई तो आरोपियों ने कथित तौर पर रजिस्ट्री करने से इनकार कर दिया। जांच में यह भी सामने आने का आरोप है कि संबंधित मकान पहले ही दूसरे खरीदारों के नाम बेचे जा चुके थे।इस मामले में तहसीलदार के परिवार से जुड़े लोगों समेत तीन व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।

महेंद्रगढ़ और कैथल में डिजिटल खाद बुकिंग शुरू सफल होने पर पूरे प्रदेश में लागू होगी व्यवस्था

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और खाद वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटल बुकिंग प्रणाली शुरू की है। नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को खाद खरीदने से पहले अपनी आवश्यकता की डिजिटल बुकिंग करानी होगी।

फिलहाल इसका पायलट प्रोजेक्ट महेंद्रगढ़ और कैथल जिलों में शुरू किया गया है। दोनों जिलों में परीक्षण सफल रहने के बाद इसे प्रदेश के अन्य जिलों में लागू करने पर विचार किया जाएगा। नई डिजिटल व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को खाद की उपलब्धता की पहले से जानकारी देना और उन्हें बिक्री केंद्रों के बाहर अनावश्यक इंतजार व भागदौड़ से बचाना है। इसके साथ ही सरकार

किसानों की वास्तविक मांग के आधार पर उर्वरकों की आपूर्ति की बेहतर योजना तैयार कर सकेगी।

नई व्यवस्था में किसान मोबाइल एप या वेब पोर्टल के माध्यम से अपनी उर्वरक आवश्यकता की अग्रिम जानकारी दे सकेंगे। इसके साथ ही किसान अपनी सुविधा के अनुसार अधिकृत बिक्री केंद्र का चयन भी कर पाएंगे। बुकिंग स्वीकृत होने के बाद किसान को क्यूआर कोड या टोकन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके आधार पर निर्धारित केंद्र से खाद प्राप्त की जा सकेगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार के अनुसार, किसान द्वारा घोषित फसल और उसके खेती क्षेत्र के आधार पर उर्वरक की अनुशंसित मात्रा का आकलन किया जाएगा।

किसान अनुशंसित मात्रा या उससे कम उर्वरक के लिए आवेदन कर सकेंगे। उर्वरक प्राप्त करने के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक ई-केवाइसी या ओटीपी के माध्यम से किसान का प्रमाणीकरण किया जाएगा।

गोसेवा पर हरियाणा सरकार का बड़ा जोर, गोशालाएं 200 से बढ़कर 650 हुईं

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में गोवंश संरक्षण और गोसेवा को लेकर सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों का दायरा पिछले 12 वर्षों में काफी बढ़ा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अनुसार, वर्ष 2014 में प्रदेश में जहां करीब 200 गोशालाएं थीं, वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 650 हो गई है। इसी अवधि में गोशालाओं के लिए निर्धारित वार्षिक बजट में भी कई गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में गोशालाओं के लिए जहां केवल दो करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध था, वह अब बढ़कर 600 करोड़ रुपये हो चुका है।

सरकार के अनुसार, प्रदेश की गोशालाओं में वर्तमान में चार लाख से अधिक बेसहारा गोवंश की देखभाल की जा रही है। गोवंश के संरक्षण, उनके लिए चारा, उपचार और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था के लिए सरकार की ओर से लगातार बजट बढ़ाया गया है। गोशालाओं की संख्या में वृद्धि के साथ बेसहारा

12 साल में गोशालाएं बढ़ीं, चार लाख से अधिक गोवंश को मिला आश्रय।

पशुओं के लिए देखभाल की व्यवस्था का भी विस्तार हुआ है। सरकार का कहना है कि गोशालाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने और वहां उपलब्ध सुविधाओं में सुधार के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं।

इसके तहत गोवंश के लिए पर्याप्त चारे और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। पिछले वर्षों में बेसहारा गोवंश की समस्या को देखते हुए गोशालाओं की क्षमता बढ़ाने की जरूरत महसूस की गई है। नई गोशालाओं की स्थापना से ऐसे पशुओं को आश्रय उपलब्ध कराने में मदद मिली है। वहीं, पहले से संचालित गोशालाओं को भी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार गोसेवा और गोवंश संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है।

गोशालाओं की बढ़ती संख्या और बजट में हुई वृद्धि को इसी दिशा में उठाए गए कदमों के रूप में देखा जा रहा है। सरकार का लक्ष्य बेसहारा गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के साथ गोशालाओं में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना है। सरकार का जोर गोशालाओं में स्वच्छता, पर्याप्त चारे, पशु चिकित्सा सेवाओं और अन्य जरूरी सुविधाओं को मजबूत करने पर भी है। इससे गोवंश की बेहतर देखभाल के साथ गोशालाओं की व्यवस्थाओं में सुधार और संचालन क्षमता बढ़ाने की उम्मीद है।

कांवड़ लेकर लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने घर लौट रहे सोनीपत के एक कांवड़िये की शामली जिले में सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा मंगलवार सुबह शामली के बनत गांव के पास हुआ। दुर्घटना में एक अन्य कांवड़िया भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका उपचार अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, सोनीपत के गन्नौर क्षेत्र के रहने वाले 16 दोस्त डाक कांवड़ लेकर हरिद्वार गए थे। सभी गंगाजल लेकर वापस गन्नौर लौट रहे थे।

इसी दौरान जब उनकी टोली शामली के बनत गांव के पास पहुंची तो एक अज्ञात वाहन ने दो कांवड़ियों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों कांवड़िये सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए शामली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच

के बाद एक कांवड़िये को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गन्नौर निवासी कुणाल मलिक के रूप में हुई है। दूसरे घायल कांवड़िये की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका अस्पताल में उपचार जारी है।

हादसे की सूचना मिलने के बाद कांवड़ियों के साथ आए अन्य दोस्तों में भी शोक की लहर दौड़ गई। सभी दोस्त हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने घर लौट रहे थे, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने खुशी के माहौल को गम में बदल दिया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि दुर्घटना में शामिल वाहन का पता लगाया जा सके।

कांवड़ियों की परेशानी पर भड़के श्रद्धालु शिव मंदिर के गेट पर लगाया ताला

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

शिवरात्रि के अवसर पर हरिद्वार से गंगाजल लेकर गुरुग्राम पहुंचे कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को कृष्णा कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में अव्यवस्थाओं के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। मंदिर में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने और गेट बंद होने से नाराज श्रद्धालुओं ने विरोध जताते हुए मंदिर के गेट पर ताला लगा दिया। काफी देर तक जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु मंदिर के बाहर खड़े रहे।

जानकारी के अनुसार, शिवरात्रि के अवसर पर बड़ी संख्या में कांवड़िये हरिद्वार से गंगाजल लेकर कृष्णा कॉलोनी स्थित शिव मंदिर पहुंचे थे। श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए मंदिर में प्रवेश करना चाहते थे, लेकिन मंदिर का गेट बंद होने के कारण उन्हें बाहर ही इंतजार करना पड़ा। मंदिर परिसर में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने से उनमें नाराजगी बढ़ती गई। श्रद्धालुओं का कहना था कि धार्मिक पर्व के दौरान मंदिर में

गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों को मंदिर में करना पड़ा इंतजार

बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पहले से उचित व्यवस्था की जानी चाहिए थी। जलाभिषेक के लिए पहुंचे लोगों को लंबे समय तक बाहर खड़े रहने से परेशानी हुई।

मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से बातचीत कर स्थिति को शांत कराया और मंदिर के गेट पर लगा ताला खुलवाया। इसके बाद श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश करने दिया गया और भगवान शिव का जलाभिषेक दोबारा शुरू हो सका। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो गई। श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली और कांवड़िये गंगाजल लेकर मंदिर में जलाभिषेक करने पहुंचे। हालांकि, घटना ने धार्मिक स्थलों पर पर्व के दौरान श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शिवरात्रि जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक अवसरों पर मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर प्रबंधन और संबंधित प्रशासन को प्रवेश, पेयजल, सुरक्षा तथा अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रेलवे की नई नीति से निर्माण परियोजनाओं में दक्ष अधिकारियों की तैनाती

नई रेल लाइनों, पुलों और सुरंगों जैसी परियोजनाओं के लिए रेलवे अब अनुभवी और प्रशिक्षित अधिकारियों की तैनाती पर जोर देगा

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

भारतीय रेलवे ने अपनी निर्माण परियोजनाओं में अधिकारियों की तैनाती को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए नई नीति लागू की है। अब रेलवे के निर्माण संगठन में अधिकारियों की पोस्टिंग केवल वरिष्ठता या उपलब्धता के आधार पर नहीं होगी। निर्माण विंग में जिम्मेदारी संभालने के इच्छुक अधिकारियों को केंद्रीय चयन बोर्ड (सीएसबी) की चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। इसके साथ ही चयनित अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण लेना भी अनिवार्य किया गया है।

नई नीति का उद्देश्य रेलवे की महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं के लिए ऐसे अधिकारियों की नियुक्ति करना है, जिनके पास तकनीकी दक्षता के साथ-साथ परियोजना प्रबंधन, निर्माण कार्य और आधुनिक रेलवे तकनीक की पर्याप्त समझ हो। रेलवे लगातार नई रेल लाइनों, पुलों, सुरंगों, विद्युतीकरण, सिग्नलिंग और तेज गति वाले रेल मार्गों से जुड़ी परियोजनाओं पर काम कर रहा है। इन परियोजनाओं की बढ़ती जटिलता को देखते हुए अधिकारियों की विशेषज्ञता को महत्वपूर्ण माना गया है। नई व्यवस्था में अधिकारियों के चयन के दौरान केवल वरिष्ठता को प्राथमिक

आधार नहीं बनाया जाएगा। अधिकारी की तकनीकी क्षमता, अनुभव, कार्यकुशलता और निर्माण परियोजनाओं के प्रबंधन की समझ को भी ध्यान में रखा जाएगा।

निर्माण संगठन में सेवा देने के इच्छुक अधिकारियों को निर्धारित समर्पित पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। इसके बाद चयन प्रक्रिया के तहत उनकी उपयुक्तता का आकलन किया जाएगा। केंद्रीय चयन बोर्ड द्वारा चयन की व्यवस्था लागू होने से निर्माण विंग में तैनाती के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया तैयार होगी। इससे परियोजनाओं की जरूरत के अनुसार उपयुक्त अधिकारियों की पहचान करने में मदद मिलने की उम्मीद है। रेलवे का जोर ऐसे अधिकारियों को जिम्मेदारी देने पर है, जो जटिल निर्माण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के साथ गुणवत्ता और सुरक्षा के मानकों का भी पालन सुनिश्चित कर सकें।नई नीति में अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण का भी प्रावधान किया गया है।

चयनित अधिकारियों को निर्माण परियोजनाओं से जुड़े विषयों पर करीब दो से तीन सप्ताह का अनिवार्य प्रशिक्षण लेना होगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों को आधुनिक निर्माण तकनीक, परियोजना प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और रेलवे की नई तकनीकी जरूरतों से परिचित कराना है। रेलवे में अब केवल पारंपरिक निर्माण कार्यों तक ही परियोजनाएं सीमित नहीं हैं। नई रेल लाइन बिछाने के साथ बड़े पुलों, सुरंगों, विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग और तेज गति वाली रेल परियोजनाओं पर भी तेजी से काम हो रहा है। ऐसे में अधिकारियों के लिए बदलती तकनीक और निर्माण प्रक्रियाओं की जानकारी जरूरी मानी जा रही है।

नई नीति के तहत निर्माण संगठन में तैनात अधिकारियों का कार्यकाल पांच वर्ष निर्धारित किया गया है। इस अवधि के दौरान अधिकारियों के प्रदर्शन की भी समीक्षा की जाएगी। इससे यह आकलन किया जा सकेगा कि संबंधित अधिकारी ने परियोजनाओं को किस तरह आगे बढ़ाया और निर्धारित जिम्मेदारियों को कितनी प्रभावी तरीके से पूरा किया।

रेलवे की नई व्यवस्था से निर्माण परियोजनाओं में अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। प्रदर्शन की समीक्षा के आधार पर अधिकारियों की कार्यक्षमता और परियोजना प्रबंधन की क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों की गति, गुणवत्ता और समयसीमा पर भी बेहतर निगरानी रखने में मदद मिल सकती है। रेलवे की निर्माण परियोजनाओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में नई नीति के माध्यम से तकनीकी रूप से सक्षम और प्रशिक्षित अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने पर जोर दिया गया है।

271 करोड़ की प्रॉपर्टी डील से सुर्खियों में मानव सरदाना, रियल एस्टेट में बड़ा निवेश

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम में देश की सबसे महंगी आवासीय संपत्तियों में शामिल एक पेंटहाउस की खरीद ने रियल एस्टेट बाजार में चर्चा तेज कर दी है। कारोबारी मानव सरदाना ने गोल्फ कोर्स रोड स्थित डीएलएफ के अल्ट्रा-लग्जरी प्रोजेक्ट द डहलियास में करीब 271 करोड़ रुपये में एक पेंटहाउस खरीदा है। इसे देश की सबसे बड़ी एकल आवासीय संपत्ति सौदों में से एक बताया जा रहा है।

सेक्टर-54 में स्थित इस पेंटहाउस का सुपर एरिया करीब 17,200 वर्ग फुट है, जबकि इसका कारपेट एरिया लगभग 10,500 वर्ग फुट बताया गया है। सौदे के अनुसार, सुपर एरिया के आधार पर संपत्ति की कीमत करीब 1.58 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट बैठती है। वहीं कारपेट एरिया के हिसाब से इसकी कीमत लगभग 2.6 लाख रुपये प्रति वर्ग फुट है। इतनी बड़ी कीमत पर हुई इस खरीद ने गुरुग्राम के लग्जरी रियल एस्टेट बाजार की बढ़ती कीमतों को भी चर्चा में ला दिया है।

कौन हैं मानव सरदाना?

मानव सरदाना कारोबारी और निवेशक के तौर पर सक्रिय हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उनका निवेश रियल एस्टेट के साथ-साथ तकनीकी और उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों में भी रहा है। वह त्वरित वाणिज्य क्षेत्र की कंपनी ब्लिंकिट में भी निवेशक के तौर पर जुड़े हैं। रियल एस्टेट में उनकी सक्रियता के कारण भी उनका नाम कारोबारी जगत में चर्चा में रहा है। द डहलियास को गुरुग्राम के सबसे महंगे और अत्याधुनिक आवासीय प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है। गोल्फ कोर्स रोड क्षेत्र में स्थित इस परियोजना में बड़े आकार के आलीशान आवास और उच्चस्तरीय सुविधाओं पर जोर दिया गया है। परियोजना की लोकेशन और सुविधाओं के कारण यहां संपत्तियों की कीमतें सामान्य आवासीय परियोजनाओं की तुलना में काफी अधिक हैं।

मानव सरदाना की 271 करोड़ रुपये की खरीद इस बात का संकेत भी मानी जा रही है कि गुरुग्राम के प्रीमियम रियल एस्टेट बाजार में अत्यधिक महंगी संपत्तियों की मांग बनी हुई है। बड़े कारोबारी और निवेशक शहर के प्रमुख इलाकों में अल्ट्रा-लग्जरी घरों में बड़ी रकम लगा रहे हैं। द डहलियास में हुई यह डील इसी बढ़ते लग्जरी आवासीय बाजार की एक बड़ी मिसाल के रूप में सामने आई है।

न्यूज ब्रीफ

वॉट्सऐप पर 'नोट बदलो' का झांसा देकर ठगी, दिल्ली में तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने बिंदापुर थाना क्षेत्र में वॉट्सऐप के जरिए लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। आरोपी 500 रुपये के नोट के बदले छोटे नोट देने का लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। जिला एएटीएस की टीम ने बिंदापुर स्थित एक फ्लैट में छापेमारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से करीब 30 लाख रुपये के 100 और 200 रुपये के डमी नोट बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 70 हजार रुपये के असली नोट भी मिले हैं। आरोपी वॉट्सऐप के माध्यम से लोगों से संपर्क करते थे और छोटे नोट उपलब्ध कराने का झांसा देते थे। इसके बाद रकम लेकर डमी नोट थमा देते थे। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है।

एअर इंडिया उड़ान में 300 फीट की अचानक गिरावट, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने शुरू की जांच

एजेंसी, नई दिल्ली। फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान में अचानक करीब 300 फीट की गिरावट और तेज झटकों के मामले की जांच अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शुरू हो गई है। भारतीय विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के नेतृत्व में चल रही जांच में विदेशी विशेषज्ञों और विमान निर्माता कंपनी एयरबस की टीम भी शामिल होगी। आज एयरबस और फ्रांस के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (बीईए) की विशेष टीम के नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। जांच एजेंसियां घटना के दौरान विमान में आई तकनीकी गड़बड़ी और अचानक ऊंचाई कम होने के कारणों का पता लगाने में जुटी हैं। प्रारंभिक जांच में विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम से जुड़े तीन फाल्ट संदेश मिलने की जानकारी सामने आई है। अब तकनीकी आंकड़ों और उड़ान से जुड़े डेटा का विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है। घटना के दौरान विमान की अंदरूनी छत को भी नुकसान पहुंचा था। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

पुरानी दिल्ली में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्कूली छात्र भी जुटे

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस सप्ताह के तहत दिल्ली भाजपा ने पुरानी दिल्ली में तिरंगा यात्रा निकाली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में हजारों भाजपा कार्यकर्ता, स्कूली छात्र और स्थानीय लोग शामिल हुए। तिरंगा यात्रा चांदनी टाउन हॉल से शुरू होकर हौज काजी तक पहुंची। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं और छात्रों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। पुरानी दिल्ली की सड़कों पर बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से माहौल देशभक्ति से सराबोर नजर आया। भाजपा नेताओं ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित यह यात्रा देश के स्वतंत्रता सेनानियों और उनके बलिदानों को याद करने का माध्यम है। यात्रा में युवाओं और स्कूली छात्रों की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण बताया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने लोगों से राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत करने का आह्वान किया।

नोएडा में असम की युवती की बेरहमी से हत्या, धारदार हथियार से किए कई वार

एजेंसी, नई दिल्ली। नोएडा में असम की युवती की बेरहमी से हत्या, धारदार हथियार से किए कई वार बरौला गांव स्थित एक पीजी में असम की 19 वर्षीय युवती महक अहमद की हत्या कर दी गई। वह करीब तीन सप्ताह पहले अपनी सहेली के साथ नौकरी की तलाश में नोएडा आई थी। उसका शव मकान की पहली मंजिल पर एक युवक के कमरे से खून से लथपथ हालत में बरामद हुआ। शव पर धारदार हथियार से कई वार के निशान मिले हैं। वारदात के बाद आरोपी कमरे में बाहर से ताला लगाकर फरार हो गया। पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली हाई अलर्ट, सार्वजनिक स्थलों पर लगे 19 मोस्ट वांटेड आतंकियों के पोस्टर

प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस ने बढ़ाई निगरानी

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राजधानी दिल्ली में आतंकी हमले की आशंका को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस ने पूरी राजधानी में हाई अलर्ट जारी करते हुए प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय बढ़ाने के साथ-साथ पुलिस ने आम लोगों को भी सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की पहल की है।

इसी क्रम में दिल्ली के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर 19 मोस्ट वांटेड आतंकियों के पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों के जरिए लोगों से संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने और उनके संबंध में कोई जानकारी होने पर पुलिस को सूचित करने की अपील की जा रही है।

पुलिस का उद्देश्य संभावित खतरे को समय रहते रोकना और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना है। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर राजधानी के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। बाजारों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, मेट्रो स्टेशनों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जा रही है। संदिग्ध वस्तुओं और व्यक्तियों की जांच के लिए विशेष निगरानी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मचारियों को भी पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए खुफिया सूचनाओं को साझा किया जा रहा है और संवेदनशील स्थानों की लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस की ओर से लोगों को सलाह दी गई है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न करें। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगती हैं या कोई लावारिस वस्तु दिखाई देती है तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दें। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी सूचना को बिना पुष्टि के प्रसारित न करने की अपील की गई है।

रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान, 17 लाख पात्र महिलाओं को मिलेगा दिल्ली लक्ष्मी योजना का लाभ

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के लिए महिलाओं के पंजीकरण का सिलसिला तेजी से जारी है। योजना शुरू होने के महज 10 दिनों के भीतर करीब छह लाख महिलाओं ने आवेदन जमा किए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि सरकार का लक्ष्य 17 लाख पात्र महिलाओं को योजना के दायरे में लाना है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान कहा कि योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया तब तक बंद नहीं की जाएगी, जब तक सभी पात्र महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिल जाता। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पात्र महिलाएं योजना से वंचित न रहें। 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' की शुरुआत एक अगस्त को की गई थी। योजना के तहत पात्र महिलाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान है। सरकार की ओर से इसे दिल्ली की अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय सहायता योजनाओं में से एक बताया गया है। योजना के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं आवेदन कर रही हैं।

शुरुआती 10 दिनों में ही छह लाख आवेदन आने से सरकार को लक्ष्य पूरा होने की उम्मीद बढ़ी है। अधिकारियों की ओर से आवेदनों की प्रक्रिया और पात्रता की जांच की जा रही है। योजना की पहली किस्त रक्षा बंधन के आसपास जारी किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इस वर्ष रक्षा बंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। हालांकि, किस्त जारी करने की अंतिम तारीख और प्रक्रिया से संबंधित जानकारी सरकार की ओर से आगे स्पष्ट की जाएगी।

दिल्ली विधानसभा में मानसून सत्र का आखिरी दिन हंगामेदार, दो आप विधायक मार्शल आउट

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे और अंतिम दिन मंगलवार को सदन में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष के लगातार प्रदर्शन और नारेबाजी के बीच कार्यवाही प्रभावित हुई। स्थिति को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सख्त रुख अपनाया और हंगामा कर रहे दो विधायकों को मार्शल के माध्यम से सदन से बाहर करा दिया गया।

सदन की कार्यवाही दोपहर बाद शुरू होने के बाद विपक्षी सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने इसे सदन की कार्यवाही में बाधा बताते हुए विधानसभा अध्यक्ष से कार्रवाई की मांग की। अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष पिछले तीन दिनों से लगातार सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलने में व्यवधान डाल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी दौरान दिल्ली नागरिक सेवा अधिकार विधेयक 2026 पर चर्चा हुई। विधेयक का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है।

इसके लागू होने के बाद दिल्ली के लोगों को यह जानकारी मिल सकेगी कि उनकी किसी सरकारी सेवा से संबंधित फाइल किस विभाग में लंबित है और उसमें देरी का कारण क्या है। इससे अधिकारियों की जवाबदेही तय करने में मदद मिलने की उम्मीद है। विधेयक के जरिए सरकारी सेवाओं से जुड़े कामकाज में समयबद्धता और पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इससे नागरिकों को अपनी शिकायतों और आवेदनों की स्थिति जानने में सुविधा मिलने की बात कही जा रही है।

सरकार का उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और नागरिकों के प्रति जवाबदेह बनाना है। विधानसभा में इससे पहले दिल्ली में बेड एंड ब्रेकफास्ट नियमों को निरस्त करने का सामूहिक निर्णय भी लिया गया था। मानसून सत्र के अंतिम दिन विपक्ष के हंगामे के बीच विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

यमुना सिटी में बनेगा बड़ा मेडिकल हब, 189 एकड़ में मेडिकल कॉलेज विकसित करने की तैयारी

मेडिकल हब से डॉक्टर, नर्सिंग और पैरामेडिकल क्षेत्र में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर।

एजेंसी, नई दिल्ली

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) यमुना सिटी को स्वास्थ्य सुविधाओं के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत सेक्टर-13 और 14 में करीब 189 एकड़ जमीन पर एक बड़ा मेडिकल हब विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। परियोजना के तहत कई बड़े चिकित्सा संस्थान स्थापित किए जाने की संभावना है।

इस पहल का उद्देश्य यमुना सिटी और इसके आसपास के क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। वर्तमान में आसपास के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को गंभीर बीमारियों और विशेषज्ञ उपचार के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। मेडिकल हब विकसित होने के बाद स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधाएं बढ़ने की उम्मीद है। प्रस्तावित मेडिकल हब में मेडिकल कॉलेज के साथ चिकित्सा शिक्षा से जुड़े अन्य संस्थान भी विकसित किए जा सकते हैं। इससे क्षेत्र में उच्च स्तर की चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

मेडिकल कॉलेज और अन्य संस्थानों की स्थापना से विद्यार्थियों को चिकित्सा, नर्सिंग और पैरामेडिकल क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण के नए अवसर मिलेंगे। परियोजना से रोजगार के नए अवसर पैदा होने की भी उम्मीद है। मेडिकल संस्थानों के संचालन के लिए डॉक्टर, नर्स, तकनीकी कर्मचारियों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की आवश्यकता होगी। इसके अलावा अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विभिन्न सहायक क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। यीडा की योजना से यमुना सिटी के विकास को भी गति मिलने की संभावना है। बड़े चिकित्सा संस्थानों की स्थापना से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ आवास, परिवहन, व्यावसायिक गतिविधियों और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो सकता है।

बारिश और डायवर्जन से थमी एनसीआर की रफ्तार कांवड़ यात्रा के बाद खुल सकता है एक्सप्रेसवे

एजेंसी, नई दिल्ली

सावन की शिवरात्रि के अवसर पर कांवड़ यात्रा संपन्न होने के साथ ही दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को आम लोगों के लिए खोलने की तैयारी है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के वाहन चालकों के लिए यह राहत की खबर है। डाक कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन को ध्यान में रखते हुए एक्सप्रेसवे के एक हिस्से पर 30 जुलाई से यातायात प्रतिबंध लगाया गया था।

आज शिवरात्रि पर कांवड़िए और श्रद्धालु अपने-अपने क्षेत्रों के शिवालयों में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। इसके साथ ही इस वर्ष की कांवड़ यात्रा और कांवड़ मेला विधिवत संपन्न हो जाएगा। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर आम वाहनों के आवागमन को नियंत्रित किया गया था। ट्रैफिक प्रतिबंधों के कारण दिल्ली-एनसीआर के लोगों को पिछले कई दिनों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बारिश और विभिन्न मार्गों पर किए गए यातायात डायवर्जन के चलते दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई स्थानों पर यातायात दबाव बढ़ गया था।

लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य से अधिक समय लग रहा था। अब कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद यातायात व्यवस्था को सामान्य करने की तैयारी है। हालांकि एक्सप्रेसवे को पूरी तरह खोलने का अंतिम निर्णय ट्रैफिक पुलिस की ओर से लिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, दोपहर बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद वाहनों के आवागमन को सामान्य करने को लेकर निर्णय लिया जा सकता है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे दिल्ली-एनसीआर के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। इसके जरिए दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच आवागमन आसान होता है। एक्सप्रेसवे पर प्रतिबंध हटने से रोजाना यात्रा करने वाले लोगों के साथ-साथ मालवाहक और निजी वाहनों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर लगेंगे 450 एनपीआर कैमरे, ओवरस्पीडिंग पर कसेगा शिकंजा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर अब निगरानी और सख्त होने जा रही है। फरीदाबाद क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर करीब 450 एनपीआर यानी नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की मदद से वाहनों की नंबर प्लेट की पहचान करने के साथ यातायात नियमों के उल्लंघन पर भी नजर रखी जाएगी।

पुलिस की योजना एक्सप्रेसवे पर तेज गति से वाहन चलाने, रेड लाइट जंप करने और अन्य यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों पर प्रभावी कार्रवाई करने की है। कैमरों के माध्यम से वाहनों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। इससे नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की पहचान करना आसान होगा और सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है। एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसों का खतरा बना रहता है। ऐसे में ओवरस्पीडिंग पर नियंत्रण के लिए कैमरों की निगरानी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यातायात नियमों का पालन कराने के साथ पुलिस का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना भी है।

इसके अलावा फरीदाबाद क्षेत्र के नौ चौराहों पर ट्रैफिक लाइटें लगाने की भी योजना है। इससे प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। ट्रैफिक सिग्नल शुरू होने के बाद सड़क पार करने वाले लोगों और वाहन चालकों की सुरक्षा भी बढ़ने की उम्मीद है। 450 एनपीआर कैमरों और नौ चौराहों पर ट्रैफिक लाइटों की व्यवस्था से एक्सप्रेसवे और आसपास के क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन को आधुनिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का मानना है कि तकनीकी निगरानी बढ़ने से यातायात नियमों का पालन बेहतर होगा और लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

तीन साल से अधूरा डबलिंग काम, नारनौल रेवाड़ी रूट पर यात्री फिर होंगे परेशान

आज से 24 सितंबर तक कई ट्रेनें रद्द और डायवर्ट रहेंगी।

एजेंसी, नई दिल्ली

नारनौल-रेवाड़ी रेलखंड पर डबलिंग कार्य के कारण एक बार फिर रेल यात्रियों की परेशानी बढ़ने वाली है। करीब 50 किलोमीटर लंबे इस रेलखंड पर पिछले तीन वर्षों से चल रहा डबलिंग का काम अभी तक पूरा नहीं हो सका है। अब कुंड-पाली-खोरी स्टेशनों के बीच पैच डबलिंग और इंटरलॉकिंग कार्य के चलते 12 अगस्त से 24 सितंबर तक कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा।

रेलवे की ओर से किए जा रहे इस कार्य के कारण कुछ ट्रेनों को रद्द किया जाएगा, जबकि कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया जाएगा। इससे नारनौल, रेवाड़ी और आसपास के क्षेत्रों के दैनिक यात्रियों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी, कारोबार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए प्रतिदिन ट्रेन से यात्रा करने वाले लोगों के लिए यह बदलाव खासा महत्वपूर्ण है।

रेलखंड पर चल रहे डबलिंग कार्य का उद्देश्य रेल यातायात को सुचारु बनाने और भविष्य में ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के लिए अतिरिक्त ट्रैक उपलब्ध कराना है। हालांकि, काम लंबे समय से चलने के कारण यात्रियों को लगातार असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। पहले भी निर्माण और तकनीकी कार्यों के चलते ट्रेनों के संचालन में बदलाव किए जा चुके हैं। इस बार कुंड, पाली और खोरी स्टेशनों के बीच पैच डबलिंग के साथ इंटरलॉकिंग का काम किया जाएगा।

इसके चलते ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ेगा। खोरी स्टेशन पर एक ट्रेन का ठहराव भी करीब एक माह के लिए समाप्त कर दिया गया है। इससे इस स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है।

देवी-देवताओं से जुड़े वीडियो पर विवाद, गूगल ने भारत में ध्रुव राठी के वीडियो किए ब्लॉक

ध्रुव राठी के विवादित वीडियो भारत में ब्लॉक, गूगल ने हाई कोर्ट में दी जानकारी

दिल्ली हाई कोर्ट में वीडियो विवाद की सुनवाई, भारत में रोक की जानकारी दी गूगल ने।

एजेंसी, नई दिल्ली

हिंदू देवी-देवताओं से संबंधित टिप्पणियों वाले यूट्यूब वीडियो को लेकर दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान गूगल की ओर से अदालत को बताया गया कि संबंधित वीडियो के प्रसार को भारत में रोक दिया गया है। गूगल ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई सरकार की शिकायत अपीलीय समिति के आदेश के बाद की गई है।

मामला उन वीडियो से जुड़ा है, जिनमें हिंदू देवी-देवताओं के मांस और शराब का सेवन करने से संबंधित कथित टिप्पणियां की गई थीं। इन वीडियो को हटाने की मांग को लेकर याचिकाकर्ता और अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था। याचिका में संबंधित वीडियो को हटाने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान गूगल की ओर से अदालत को बताया गया कि शिकायत अपीलीय समिति के आदेश के अनुपालन में भारत में इन वीडियो को ब्लॉक कर दिया गया है। यह आदेश अदालत के पूर्व निर्देश के बाद शिकायत अपीलीय समिति द्वारा पारित किया गया था। इस तरह भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए संबंधित सामग्री के प्रसार पर रोक लगा दी गई है।

हालांकि, याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में यह मुद्दा उठाया गया कि केवल भारत में वीडियो को ब्लॉक किए जाने से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने अदालत को बताया कि संबंधित वीडियो अभी भी भारत के बाहर देखे जा सकते हैं। इसके अलावा, भारत में भी कुछ उपयोगकर्ता आभासी निजी नेटवर्क यानी वीपीएन के माध्यम से इन वीडियो तक पहुंच बना सकते हैं।

याचिकाकर्ता ने इसी आधार पर अदालत से संबंधित वीडियो को केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से हटाने का निर्देश देने की मांग की। उनका कहना है कि यदि सामग्री अन्य देशों में उपलब्ध रहती है तो इंटरनेट के माध्यम से उसके प्रसार को पूरी तरह रोकना मुश्किल होगा। सुनवाई के दौरान इस पहलू को भी अदालत के समक्ष रखा गया।

मामले में शिकायत अपीलीय समिति की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अदालत के पूर्व निर्देश के बाद समिति ने मामले पर विचार किया था और उसके आदेश के आधार पर गूगल ने भारत में वीडियो के प्रसार को रोकने की कार्रवाई की। इससे संबंधित सामग्री को लेकर कानूनी और तकनीकी दोनों स्तरों पर उठाए गए कदम सामने आए हैं। याचिकाकर्ता की मांग अब भारत की सीमा से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर वीडियो हटाने तक पहुंच गई है। उनका तर्क है कि इंटरनेट पर किसी सामग्री की उपलब्धता को केवल एक देश तक सीमित करके रोकना पर्याप्त नहीं हो सकता, खासकर तब जब उपयोगकर्ता तकनीकी माध्यमों का इस्तेमाल करके उस तक पहुंच सकते हों।

दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान गूगल की ओर से भारत में की गई कार्रवाई की जानकारी दिए जाने के बाद मामले का यह पहलू सामने आया। अब अदालत के समक्ष यह मुद्दा भी महत्वपूर्ण रहेगा कि संबंधित सामग्री को लेकर किस स्तर तक रोक लगाने का निर्देश दिया जा सकता है। फिलहाल गूगल के अनुसार, शिकायत अपीलीय समिति के आदेश के बाद भारत में संबंधित वीडियो का प्रसार रोक दिया गया है। वहीं, याचिकाकर्ता वैश्विक स्तर पर इन्हें हटाने की मांग कर रही हैं।

एमएसएमई और उद्यमियों को बढ़ावा, जेम के प्रभावी इस्तेमाल पर दिल्ली सरकार सम्मानित

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) के बढ़ते उपयोग और सरकारी सेवाओं की खरीद में निरंतर भागीदारी के लिए दिल्ली सरकार को विशेष सम्मान मिला है। इस उपलब्धि को सरकारी खरीद प्रक्रिया में डिजिटल बदलाव और पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रयास है कि हर एमएसएमई, उद्यमी और छोटे-बड़े कारोबारी को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर और मजबूत मंच उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जेम के प्रभावी इस्तेमाल से सरकारी खरीद प्रक्रिया में छोटे कारोबारियों की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिल रही है। दिल्ली में पहले सरकारी खरीद की निविदा प्रक्रिया छोटे कारोबारियों के लिए काफी जटिल और समय लेने वाली मानी जाती थी। अलग-अलग विभागों की प्रक्रियाओं को समझना, निविदाओं की जानकारी हासिल करना और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। डिजिटल माध्यम के विस्तार से अब इस प्रक्रिया को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

जेम के माध्यम से सरकारी विभागों को वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए एक व्यापक डिजिटल मंच उपलब्ध होता है। इससे कारोबारियों को सरकारी खरीद से जुड़ने और अपने उत्पाद व सेवाएं उपलब्ध कराने का अवसर मिलता है। प्रक्रिया ऑनलाइन होने से जानकारी तक पहुंच भी आसान हुई है। सरकार का मानना है कि जेम का प्रभावी उपयोग छोटे उद्यमियों और एमएसएमई को सरकारी बाजार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

फरीदाबाद में आवारा पशु से टकराई स्कूटी, डिवाइडर से सिर भिड़ने पर युवक की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

एनआईटी-3 क्षेत्र में मंगलवार तड़के सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब चार बजे हुआ, जब सड़क पर बैठे आवारा पशुओं से युवक की स्कूटी टकरा गई। टक्कर के बाद युवक उछलकर डिवाइडर से जा टकराया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। हादसे के बाद युवक काफी देर तक सड़क पर बेहोशी की हालत में पड़ा रहा। सुबह आसपास के लोगों की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने उसे तत्काल एक निजी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बीके अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान आशु खत्री के रूप में हुई है। वह बाइक और स्कूटी की खरीद-बिक्री का काम करता था। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई। स्थानीय लोगों ने सड़क पर आवारा पशुओं की मौजूदगी को लेकर चिंता जताते हुए संबंधित विभाग से कार्रवाई की मांग की है।

सितंबर में सजेगा जेएंडके का पहला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

श्रीनगर, जम्मू और गुलमर्ग में श्रृंगारित होगा अंतरराष्ट्रीय सिनेमा का मंच

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में पहली बार आयोजित होने जा रहे अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2026 की तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इस महोत्सव को लेकर देश ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक 80 से अधिक देशों से फिल्मों की प्रविष्टियां प्राप्त हो चुकी हैं। सात से 10 सितंबर तक आयोजित होने वाला यह महोत्सव श्रीनगर, जम्मू और गुलमर्ग में सिनेमा, कला और संस्कृति का अंतरराष्ट्रीय मंच तैयार करेगा। आयोजकों का मानना है कि इस आयोजन से जम्मू-कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

महोत्सव की तैयारियों को लेकर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से जम्मू स्थित डीआइपीआर मीडिया कांप्लेक्स में फ्रेम बाय फ्रेम द स्टोरीटेलर मीट का आयोजन किया गया। इसमें फिल्म निर्माताओं, कलाकारों, मीडिया प्रतिनिधियों और सिनेमा से जुड़े लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सूचना विभाग की आयुक्त सचिव आर. एलिस वाज ने प्रतिभागियों के साथ संवाद किया और महोत्सव की संभावनाओं पर चर्चा की।

> सात से 10 सितंबर तक होने वाला यह पहला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव जम्मू-कश्मीर के सांस्कृतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण आयोजन के रूप में देखा जा रहा है। 80 से अधिक देशों की भागीदारी ने इसकी शुरुआत को ही वैश्विक स्वरूप दे दिया है। यदि आयोजन अपेक्षाओं के अनुरूप सफल रहता है तो भविष्य में जम्मू-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर सकता है।

आर. एलिस वाज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का सिनेमा से पुराना और गहरा संबंध रहा है। यहां की खूबसूरत वादियां लंबे समय से फिल्मकारों को आकर्षित करती रही हैं। कई फिल्मों में कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और स्थानीय संस्कृति को प्रमुखता से दिखाया गया है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव इस सिनेमाई विरासत को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल फिल्मों की स्क्रीनिंग तक सीमित नहीं रहेगा। इसके माध्यम से फिल्मकारों, कलाकारों, लेखकों, तकनीकी विशेषज्ञों और दर्शकों के बीच संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।

80 देशों की फिल्में होंगी शामिल

महोत्सव में 80 से अधिक देशों की प्रविष्टियां मिलना इसकी अंतरराष्ट्रीय पहुंच को दर्शाता है। विभिन्न देशों की फिल्मों के जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शित होने से स्थानीय दर्शकों को दुनिया भर के सिनेमा को करीब से देखने और समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही विदेशी फिल्मकारों और कलाकारों को भी जम्मू-कश्मीर की संस्कृति, परंपराओं और कला से परिचित होने का मौका मिलेगा। श्रीनगर, जम्मू और गुलमर्ग को महोत्सव के प्रमुख केंद्रों के रूप में चुना गया है। इन स्थानों की अपनी अलग सांस्कृतिक और प्राकृतिक पहचान है।

पुंछ में संदिग्ध गतिविधि से मचा हड़कंप, सुरक्षा अभियान तेज

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में निर्माणाधीन सुरंग के पास संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने के बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान तेज कर दिया है। मंगलवार को सुरंग निर्माण स्थल पर तैनात एक सुरक्षा गार्ड ने संदिग्ध हलचल देखी। एहतियात के तौर पर गार्ड ने तीन से चार राउंड फायरिंग की, जिसके बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस, विशेष अभियान दल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने संयुक्त रूप से अभियान शुरू किया। सुरक्षाबलों ने भातदुरियां, संगियोट और आसपास के वन क्षेत्रों को घेरकर तलाशी ली। जवान संदिग्ध गतिविधि से जुड़े किसी भी सुराग की तलाश कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार अभी तक अभियान के दौरान किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु के मिलने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। घटना में किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की भी सूचना नहीं है। संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण सुरक्षाबल पूरी सतर्कता के साथ अभियान चला रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक तलाशी अभियान जारी था और आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई थी।

वैष्णो देवी में चढ़ावे की शुद्धता को लेकर जांच तेज

तीन साल में वैष्णो देवी के दरबार में चढ़ा 572 करोड़ रुपए का चढ़ावा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों की आस्था के रूप में चढ़ाए जाने वाले सोने चांदी और नकदी को लेकर सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आरटीआई से सामने आए आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन वित्त वर्षों में श्राइन बोर्ड को 32.10 किलोग्राम सोना और 572.14 करोड़ रुपये नकद चढ़ावे के रूप में प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा 7,671.44 किलोग्राम सफेद धातु भी दान में मिली है जिसे देखने में चांदी जैसी बताया गया है।

आरटीआई के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में भक्तों ने 18.11 किलोग्राम सोना चढ़ाया। वर्ष 2025-26 में यह मात्रा 10.82 किलोग्राम रही जबकि अप्रैल से जून 2026 के दौरान 3.17 किलोग्राम सोना प्राप्त हुआ। इस तरह तीन वर्षों में कुल सोने का चढ़ावा 32.10 किलोग्राम रहा। नकदी के मामले में भी भक्तों ने बड़ी राशि दान की। 2024-25 में 282.17 करोड़ रुपये जबकि 2025-26 में 217 करोड़ रुपये नकद प्राप्त हुए। अप्रैल से जून 2026 तक 72.97 करोड़ रुपये का नकद चढ़ावा दर्ज किया गया।

सबसे अधिक चर्चा सफेद धातु के चढ़ावे को लेकर है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 2024-25 में 4,080.66 किलोग्राम 2025-26 में 2,916.94 किलोग्राम और अप्रैल से जून 2026 तक 673.84 किलोग्राम सफेद धातु प्राप्त हुई। कुल मात्रा 7.67 टन से अधिक बताई गई है।

यह मामला उस विवाद के बीच सामने आया है जिसमें मंदिर में चढ़ाई गई चांदी की शुद्धता को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार सरकारी टकसाल में हुई जांच में चांदी जैसे दिखने वाले चढ़ावे में वास्तविक चांदी की मात्रा बेहद कम होने का दावा किया गया। इसे लेकर लगभग 550 करोड़ रुपये मूल्य के चढ़ावे पर सवाल उठे हैं। हालांकि अंतिम स्थिति जांच और संबंधित अधिकारियों की पुष्टि के बाद ही स्पष्ट होगी। आरटीआई से सामने आए आंकड़े इस बात को रेखांकित करते हैं कि धार्मिक स्थलों पर प्राप्त होने वाले बहुमूल्य चढ़ावे की शुद्धता और पारदर्शी जांच कितनी महत्वपूर्ण है।

राजौरी में कुत्तों का बढ़ा खौफ, आठ पंचायतों के स्कूल बंद

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। राजौरी जिले के कोटरंका क्षेत्र में आवारा और संदिग्ध रूप से पागल कुत्तों के आतंक से लोगों में दहशत का माहौल है। पिछले दिनों कुत्तों के हमले में सात लोगों के घायल होने की घटनाओं के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग ने एहतियाती कदम उठाया है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कोटरंका शिक्षा क्षेत्र की आठ पंचायतों के अंतर्गत आने वाले स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। अचानक स्कूल बंद होने से अभिभावकों में भी चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में आवारा कुत्ते घूम रहे हैं और कई कुत्ते आक्रामक व्यवहार कर रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से इन कुत्तों को जल्द पकड़कर सुरक्षित स्थान पर ले जाने तथा प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की मांग की है। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने और बच्चों को अकेले बाहर न भेजने की सलाह दी गई है। कुत्ते के काटने की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय उपचार कराने पर भी जोर दिया गया है। स्थानीय स्तर पर कुत्तों की समस्या के स्थायी समाधान की मांग तेज हो गई है। स्कूल बंद करने का निर्णय फिलहाल बच्चों को संभावित खतरे से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है।

राजौरी में ऐतिहासिक 'लाह वाली बावली' के जीर्णोद्धार के लिए 5.78 करोड़ रुपए मंजूर

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने राजौरी में ऐतिहासिक 'लाह वाली बावली' के पूरी तरह से जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए 5.78 करोड़ मंजूर किए हैं। इस प्रोजेक्ट में ऐतिहासिक बावली और उससे जुड़ी आर्किटेक्चरल विशेषताओं को बहाल करने पर ध्यान दिया जाएगा। साथ ही इसकी मूल सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक महत्व को भी बनाए रखा जाएगा। सरकार के मुताबिक इस पहल का मकसद इस जगह की टूरिज्म वैल्यू को बढ़ाना और इसे पर्यटकों के लिए एक हेरिटेज आकर्षण के तौर पर विकसित करना भी है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट जारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार पिछले 24 घंटों में जम्मू और कश्मीर के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई है। कठुआ में सबसे अधिक 156 मिमी बारिश दर्ज की गई इसके बाद जम्मू में 79 मिमी, कटरा में 71 मिमी और सांबा में 55 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने 12 अगस्त को जम्मू और कश्मीर के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान लगाया है जबकि जम्मू संभाग के कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। कश्मीर संभाग के कुछ स्थानों पर सुबह और दोपहर के समय तेज बारिश की भी संभावना है। 17 से 19 अगस्त तक हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है जबकि कुछ जिलों में विशेष रूप से सुबह और दोपहर के समय भारी बारिश और तेज बौछारें पड़ने की संभावना है।

जम्मू के उप्पल परिवार ने श्रवण बाधित बच्चों के लिए बढ़ाया मदद का हाथ

दुलारी उप्पल के नाम पर शुरू हुई छात्रवृत्ति, मूकबधिर बच्चों को मिलेगा सहारा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू के उप्पल परिवार ने अपने श्रवण बाधित बेटे की जीवन यात्रा से प्रेरणा लेकर मूकबधिर बच्चों के भविष्य को संवारने की दिशा में सराहनीय पहल की है। परिवार ने जम्मू के मूकबधिर विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए दुलारी उप्पल दिव्यांग छात्रवृत्ति शुरू की है। इस पहल के तहत हर वर्ष पांच विद्यार्थियों को 7,400 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। परिवार का उद्देश्य ऐसे बच्चों को शिक्षा जारी रखने में मदद करना है जिन्हें आर्थिक या अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

दुलारी उप्पल की बेटी गौरी उप्पल के बेटे निहाल को जन्म से ही सुनने में कठिनाई थी। परिवार के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण रही, लेकिन उन्होंने इसे नकारात्मक रूप में लेने के बजाय निहाल के बेहतर भविष्य के लिए लगातार प्रयास किए। भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर गौरी ने अपने बेटे की चिकित्सा और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया। निहाल को कॉक्लियर इंप्लांट कराने के बाद नियमित स्पीच थेरेपी दिलाई गई। निरंतर अभ्यास और परिवार के सहयोग से निहाल ने उल्लेखनीय प्रगति की और सफलता हासिल की।

निहाल की इस यात्रा ने परिवार को एहसास कराया कि उचित उपचार, शिक्षा, प्रशिक्षण और सहयोग मिलने पर श्रवण बाधित बच्चे भी आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इसी सोच के साथ उप्पल परिवार ने अन्य बच्चों की मदद करने का निर्णय लिया। छात्रवृत्ति के माध्यम से जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग मिलेगा और उन्हें पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

उमर बोले- 15 अगस्त के बाद होगा कैबिनेट विस्तार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट का विस्तार जरूर होगा, लेकिन इसकी प्रक्रिया 15 अगस्त के बाद ही आगे बढ़ेगी। श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब उनसे मंत्रिमंडल विस्तार के समय को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस से पहले ऐसा करना उचित नहीं होगा। उन्होंने बताया कि जिन मंत्रियों के नाम 15 अगस्त के कार्यक्रमों में भाषण देने के लिए तय हैं, वे अपनी तैयारियों में जुटे हैं। इसलिए पहले स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम पूरे होंगे और उसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा की जाएगी। उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि कैबिनेट विस्तार को लेकर किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोविड में बंद हुई सुविधा फिर शुरू, सांबा में थमेंगी ट्रेनें

सांबा स्टेशन पर लौटेगा ट्रेनों का ठहराव, यात्रियों की मुश्किलें होंगी कम

भारतेंदु संवाददाता, सांबा

रेल मंत्री से मुलाकात के बाद सांबा स्टेशन को मिली बड़ी सौगात।

सांबा रेलवे स्टेशन पर जल्द ही रेलगाड़ियों का ठहराव दोबारा शुरू होने की उम्मीद है। इससे सांबा और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। कोविड-19 महामारी के दौरान कई ट्रेनों के ठहराव बंद किए गए थे, जिसके बाद सांबा स्टेशन पर नियमित रूप से ट्रेन सुविधा नहीं मिलने के कारण लोगों को जम्मू या अन्य नजदीकी स्टेशनों का रुख करना पड़ रहा था। इससे यात्रियों को अतिरिक्त समय और खर्च दोनों उठाने पड़ते थे। अब इस समस्या को दूर करने के लिए जम्मू के सांसद जुगल किशोर शर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष यह मुद्दा उठाया है।

सांसद ने दिल्ली में रेल मंत्री से मुलाकात कर सांबा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव को बहाल करने की मांग रखी। उन्होंने इस संबंध में रेल मंत्री को पत्र भी सौंपा और बताया कि स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से स्थानीय लोगों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों और अन्य यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने सांबा के नागरिकों की समस्याओं और अपेक्षाओं को सीधे रेल मंत्री तक पहुंचाने के लिए फोन पर उनसे बातचीत भी करवाई।

सांसद की पहल रंग लाई

सांसद ने कहा कि सांबा के लोगों की लंबे समय से चली आ रही यह मांग पूरी तरह जायज है। स्टेशन पर ट्रेनों के रुकने से न केवल स्थानीय यात्रियों को सुविधा मिलेगी बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। कारोबार और रोजगार से जुड़े लोगों को आवागमन में आसानी होगी। विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए भी यह सुविधा महत्वपूर्ण साबित होगी।

जम्मू में रोहिंग्या-बांग्लादेशियों की मौजूदगी से बढ़ी सुरक्षा चिंता

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू संभाग के सीमावर्ती जिलों जम्मू, सांबा और कठुआ में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की मौजूदगी लंबे समय से सुरक्षा और प्रशासनिक एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। इन क्षेत्रों में अवैध प्रवास से जुड़े मामलों की पहचान और दस्तावेजों के सत्यापन के लिए समय-समय पर अभियान चलाए जाते रहे हैं। विशेष रूप से जम्मू शहर और आसपास के इलाकों में रोहिंग्या आबादी की मौजूदगी को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क रही हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े क्षेत्रों में उनकी मौजूदगी को सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी देखा जाता है। अधिकारियों का कहना है कि संदिग्ध या अवैध रूप से रह रहे लोगों की पहचान कर उनके दस्तावेजों की जांच करना जरूरी है। इसी क्रम में कठुआ जिले के हीरानगर स्थित जेल को रोहिंग्याओं के लिए निरोध केंद्र के रूप में इस्तेमाल किए जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की वर्तमान संख्या को लेकर कोई नया व्यापक आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। वर्ष 2018 के बाद नए आंकड़े सामने नहीं आने से वास्तविक संख्या को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जम्मू में पुलिस जवानों ने निकाली भव्य बाइक रैली

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू में गूंजी देशभक्ति की आवाज

जम्मू में स्वतंत्रता दिवस से पहले देशभक्ति का माहौल लगातार गहरा रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जम्मू जिला पुलिस की ओर से तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर निकले पुलिसकर्मियों ने लोगों को राष्ट्रप्रेम, एकता और अखंडता का संदेश दिया। जिला पुलिस लाइन जम्मू से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद तिरंगा लहराते हुए पुलिस जवान शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरे।

रैली के दौरान लोगों का ध्यान भी आकर्षित हुआ और जगह-जगह देशभक्ति का वातावरण देखने को मिला। पुलिसकर्मियों ने नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल देशभक्ति की भावना को मजबूत करना ही नहीं बल्कि समाज में राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा देना रहा। जम्मू जैसे सीमावर्ती क्षेत्र में इस तरह के आयोजन का विशेष महत्व माना जा रहा है।

श्रीनगर मस्जिद हत्याकांड में पूर्व आतंकी को उम्रकैद

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में वर्ष 2020 में मस्जिद के भीतर हुई हत्या के मामले में अदालत ने पूर्व आतंकी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। प्रिंसिपल सेशन जज श्रीनगर हक नवाज जरगर की अदालत ने 60 वर्षीय गुलाम मोही-उद-दीन डार को अब्दुल गनी डार उर्फ अब्दुल्ला गजाली की हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि किसी भी धर्मस्थल के भीतर हिंसा की घटना गंभीर अपराध है और इसे किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

मामला 13 फरवरी 2020 का है। श्रीनगर के गावकदल इलाके में स्थित जमीयत-ए-अहले हदीस मस्जिद के भीतर अब्दुल गनी डार की हत्या कर दी गई थी।

◆ आतंकी संगठन के पूर्व प्रमुख की हत्या पड़ी भारी

अब्दुल गनी डार प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-उल-मुजाहिदीन का पूर्व प्रमुख बताया गया था। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू की और गुलाम मोही-उद-दीन डार को आरोपी बनाया गया। लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और मामले की परिस्थितियों के आधार पर उसे हत्या का दोषी माना।

अदालत ने अपने फैसले में धर्मस्थलों की पवित्रता और सामाजिक शांति के महत्व को रेखांकित किया। न्यायालय ने कहा कि धार्मिक स्थल लोगों की आस्था और आपसी सम्मान से जुड़े होते हैं। ऐसे स्थानों पर हिंसा न केवल कानून व्यवस्था को प्रभावित करती है बल्कि समाज में भय और अविश्वास का वातावरण भी पैदा कर सकती है। अदालत की सख्त टिप्पणी के साथ सुनाई गई सजा को इस मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उम्रकैद के साथ लगाए गए 50 हजार रुपये के जुर्माने के फैसले से यह संदेश भी गया है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा कानून हाथ में लेने और हिंसा करने को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कुलगाम के अशकूर गनी को पैरा क्रिकेट लीग में मिली बड़ी कामयाबी

भारतेंदु संवाददाता, कुलगाम। कुलगाम के 23 वर्षीय क्रिकेटर अशकूर बशीर गनी ने अपनी मेहनत और मजबूत इच्छाशक्ति के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पैर की पांच सर्जरी से गुजरने के बावजूद उन्होंने क्रिकेट के प्रति अपना जुनून कम नहीं होने दिया। कठिन परिस्थितियों के बीच लगातार अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है कि उनका चयन भारतीय पैरा क्रिकेट लीग 2026 के लिए 2.75 लाख रुपये की बोली में हुआ है। कुलगाम के गडीहामा निवासी अशकूर बशीर अहमद गनी के बेटे हैं। शारीरिक चुनौतियों ने उनके सामने कई मुश्किलें खड़ी कीं लेकिन उन्होंने कभी अपने सपने को पीछे नहीं छोड़ा। बार-बार होने वाली सर्जरी और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बावजूद उन्होंने मैदान पर वापसी जारी रखी और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया। उनकी कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो किसी भी बाधा के कारण अपने लक्ष्य से पीछे हट जाते हैं। अशकूर का मानना है कि सफलता का रास्ता आसान नहीं था लेकिन सकारात्मक सोच और लगातार प्रयास ने उन्हें आगे बढ़ने की ताकत दी।

तैयारी

आईजीपी बिरदी बोले, बेफिक्र होकर मनाएं स्वतंत्रता दिवस, सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी

15 अगस्त से पहले कश्मीर में सुरक्षा का मजबूत घेरा तैयार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

15 अगस्त पर सुरक्षा के होंगें पुख्ता इंतजाम

जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 15 अगस्त से पहले कश्मीर घाटी में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के विभिन्न जिलों में सुरक्षा तैयारियों की जानकारी देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां समारोह स्थलों के साथ-साथ आसपास के इलाकों पर भी विशेष निगरानी रख रही हैं।

आईजीपी ने कहा कि सुरक्षा इंतजाम केवल उन स्थानों तक सीमित नहीं हैं जहां स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम स्थलों के आसपास के क्षेत्रों में भी सुरक्षा घेरा मजबूत किया गया है। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है और विभिन्न स्तरों पर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जा रही है।

सुरक्षा बलों की बढ़ी तैनाती

दक्षिण कश्मीर के सभी जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सार्वजनिक स्थानों और प्रमुख मार्गों पर निगरानी बढ़ाई गई है। सुरक्षा बलों की मौजूदगी भी बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संभावित चुनौती से समय रहते निपटा जा सके। अधिकारियों के स्तर पर लगातार स्थिति की समीक्षा की जा रही है।

आईजीपी ने लोगों से बेफिक्र होकर जश्न मनाने को कहा

वीके बिरदी ने लोगों से अपील की कि वे स्वतंत्रता दिवस को लेकर किसी तरह की चिंता न करें और पूरे उत्साह के साथ समारोहों में भाग लें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस और सुरक्षा बल शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उनका कहना है कि सुरक्षा एजेंसियां अपनी जिम्मेदारी पूरी गंभीरता से निभा रही हैं ताकि नागरिकों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। स्वतंत्रता दिवस जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण अवसर है।

सामूहिक सहयोग से होगी सुरक्षा मजबूत

कश्मीर के लोगों से भी सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने की अपील की गई है। पुलिस का कहना है कि सामूहिक सहयोग से ही सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित किया जा सकता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे क्षेत्र में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश मजबूत करने की तैयारी है। सुरक्षा एजेंसियों की बहुस्तरीय व्यवस्था के बीच प्रशासन को उम्मीद है कि 15 अगस्त के समारोह शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित होंगे।

सुक्खू कैबिनेट में जल्द शामिल होंगे सुंदर ठाकुर

सीएम सुक्खू ने कहा– हिमाचल में मंत्रिमंडल विस्तार जल्द, सुंदर सिंह ठाकुर कभी भी ले सकते हैं मंत्री पद की शपथ

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू सदर से कांग्रेस विधायक सुंदर सिंह ठाकुर का मंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को शिमला में कहा कि प्रदेश में जल्द मंत्रिमंडल विस्तार होगा और हाईकमान की अनुमति मिलते ही इसे किया जाएगा। सुंदर सिंह ठाकुर के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि वह कभी भी मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद उनके मंत्री बनने की अटकलों को लगभग विराम लग गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति यानी पीएसी की बैठक होनी है, हालांकि, उससे पहले भी सुंदर सिंह ठाकुर को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। इस समय मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री सहित प्रदेश मंत्रिमंडल में 11 मंत्री हैं, जबकि मंत्री का एक पद पिछले लंबे समय से रिक्त चल रहा है। सुक्खू सरकार में मंडी, कुल्लू, लाहौल–स्पीति और चंबा जिलों का कोई मंत्री नहीं है। चंबा को विधानसभा अध्यक्ष का पद मिला हुआ है। ऐसे में मंडी संसदीय क्षेत्र से जुड़े कुल्लू को मंत्रिमंडल में जगह देने से कांग्रेस क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश कर सकती है। मंडी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को यहां हार का सामना करना पड़ा था और मंडी जिले में इस समय कांग्रेस का सिर्फ एक विधायक है।

सेब की खरीद पर बोले मुख्यमंत्री – एमआईएस में कोई सीमा नहीं

मुख्यमंत्री ने सेब खरीद की मार्केट इंटरवेंशन स्कीम यानी एमआईएस को लेकर कहा कि सरकार की ओर से खरीदे जाने वाले सेब पर कोई सीमा तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि 100 बोरी सेब की कोई अधिकतम सीमा नहीं है और जितना सेब आएगा, सरकार उसे खरीदेगी। उन्होंने कहा कि किसी नोटिस में क्लेरिकल गलती होगी तो उसे ठीक किया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, कुछ नोटिस पिछले वर्ष से जुड़े हैं। शिमला नगर निगम यानी एसडीएमसी के माध्यम से जारी नोटिसों को लेकर उन्होंने अधिकारियों को इन्हें रोकने के निर्देश देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि बागवानों के हित में कांग्रेस सरकार ने सबसे अधिक काम किया है। इससे पहले मुख्यमंत्री शिमला में अग्निशमन विभाग के कार्यक्रम में शामिल हुए और 46 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि अग्निशमन विभाग का 55 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

जिप अध्यक्ष चुनाव पर हाईकोर्ट के आदेशों का पालन होगा, तारीख जल्द तय होगी : सुक्खू

शिमला जिला परिषद अध्यक्ष के चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेशों का पालन होगा और अदालत के निर्देशों के अनुसार चुनाव की तारीख तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले तय तारीख पर भाजपा के सदस्य चुनाव में शामिल नहीं हुए थे। पंचायतीराज चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि बीडीसी और जिला परिषद सदस्यों की भूमिका को लेकर भाजपा जरूरत से ज्यादा जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 256 प्रत्याशी घोषित किए थे, जिनमें 116 चुनाव जीते, जबकि कांग्रेस ने एक भी प्रत्याशी घोषित नहीं किया था और उसके पदाधिकारी चुनाव जीत गए। मुख्यमंत्री ने जयराम ठाकुर सरकार के समय 12 में से नौ जिलों में भाजपा समर्थित जिला परिषद अध्यक्ष चुने जाने का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा बाद में इस प्रदर्शन को दोहरा नहीं पाई।

आईटीबीपी और सीमावर्ती समुदायों के बीच मजबूत होंगे आर्थिक संबंध : सीएम

शिमला। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और किन्नौर जिला सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ लिमिटेड (किनफेड) के बीच पहाड़ी भेड़ एवं बकरी के मांस की आपूर्ति के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत आईटीबीपी जवानों के लिए स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से प्रसंस्कृत मांस की खरीद व आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। प्रारंभिक चरण में सहकारी क्षेत्र के माध्यम से आईटीबीपी की कुल मांस आवश्यकता का करीब 10 प्रतिशत पूरा किया जाएगा। इससे स्थानीय सहकारी क्षेत्र को प्रतिवर्ष लगभग 90 लाख रुपए का आर्थिक अवसर मिलने की उम्मीद है। भविष्य में आईटीबीपी की मांस आवश्यकता का बड़ा हिस्सा सहकारी क्षेत्र से पूरा होने पर इसका वार्षिक आर्थिक मूल्य करीब 9 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल आईटीबीपी जवानों के कल्याण के साथ सीमावर्ती समुदायों के साथ सतत आर्थिक संबंध स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय पशुपालकों को भरोसेमंद संस्थागत बाजार मिलेगा और सीमावर्ती गांवों में आर्थिक गतिविधियों व आजीविका को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि एमओयू को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय अंडे, पोल्ट्री, ताजी सब्जियां, ट्राउट मछली और अन्य उपयुक्त उत्पादों को भी खरीद व्यवस्था में शामिल किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

सीएम 12 व 14 को बिलासपुर के प्रवास पर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू 12 और 14 अगस्त को बिलासपुर जिला प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री 12 अगस्त को झंडूता विधानसभा क्षेत्र के धराड़सानी में दोपहर 12:20 बजे मुख्यमंत्री मछुआरा सम्मान निधि वितरण समारोह व मछुआरा सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे वह हमीरपुर के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री 14 अगस्त को दोपहर 12 बजे घुमारवीं के निहारी में राज्य स्तरीय वन महोत्सव की अध्यक्षता करेंगे। इसके बाद दोपहर 1:05 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दधोल पहुंचेंगे। यहां वह विद्यार्थियों से संवाद करने के साथ विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री का रात्रि ठहराव लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह, घुमारवीं में रहेगा।

बिलासपुर कॉलेज में 30 को पीटीए की आम सभा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में अभिभावक-प्राध्यापक संघ (पीटीए) की आम सभा का आयोजन 30 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे किया जाएगा। सोमवार को महाविद्यालय में आयोजित पीटीए की बैठक में यह निर्णय लिया गया। आम सभा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पीटीए पदाधिकारियों और कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। पीटीए सचिव प्रो. ऋतु राज ठाकुर ने बताया कि आम सभा में गत वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के साथ कॉलेज में किए गए विकासात्मक कार्यों की रिपोर्ट भी रखी जाएगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने सभी अभिभावकों से अधिक संख्या में आम सभा में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि आम सभा में शामिल होने वाले अभिभावक विद्यार्थी का पहचान पत्र और आधार कार्ड साथ लेकर आएं। अभिभावकों के लिए अपना आधार कार्ड लाना भी अनिवार्य होगा। पीटीए चुनाव में केवल वही अभिभावक भाग ले सकेंगे, जो पीटीए के सदस्य हैं।

औट थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। औट पुलिस ने अवैध भांग की खेती के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में भांग के पौधे बरामद कर नष्ट किए हैं। पुलिस टीम ने गश्त और अवैध भांग की खेती की तलाश के दौरान ग्राम पंचायत सोगमाड़ के गांव छलवार में वन विभाग की भूमि पर करीब आठ बीघा क्षेत्र में 27 पटीदार खेतों में कुल 3,11,110 भांग के पौधे पाए। मौके पर राजस्व अधिकारी और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में नियमानुसार कार्रवाई की गई। पुलिस ने 10 भांग के पौधों को जड़ सहित नमूने के तौर पर सुरक्षित कर सील किया, जबकि शेष 3,11,100 पौधों को मौके पर ही जड़ सहित नष्ट कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। भूमि की निशानदेही और संबंधित दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

723 ग्राम चरस के साथ महाराष्ट्र के दो युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बरमाणा पुलिस ने घाघस क्षेत्र में गश्त के दौरान दो युवकों से 723 ग्राम चरस बरामद कर उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सोमवार को बरमाणा थाना की टीम कानून व्यवस्था और सुरक्षा के मद्देनजर घाघस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान घाघस स्थित रैन शेल्टर में बैठे दो संदिग्ध युवकों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 723 ग्राम चरस/कैनाबिस बरामद हुई। पुलिस ने दोनों युवकों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र निवासी शिवानन्द इंदी पुत्र नागेश्वरी शिवानन्द इंदी, निवासी अक्कलकोट, जिला शोलापुर तथा आकाश परशुराम जाधव पुत्र परशुराम जाधव, निवासी प्लॉट नंबर 39, खारघर, जिला रायगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

जिला व तालुका न्यायालयों में मध्यस्थता अभियान शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। लंबे समय से लंबित विवादों के जल्द समाधान के लिए मंडी में 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 3.0' अभियान शुरू किया गया है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के तहत यह अभियान जिला एवं तालुका न्यायालयों में चलाया जा रहा है और लंबित मामलों के समाधान तक जारी रहेगा। अभियान के दौरान आपसी सहमति से सुलझाए जा सकने वाले मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निपटाने का प्रयास किया जाएगा। इनमें वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, मोटर वाहन चालान, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक व सेवा संबंधी मामले, समझौता योग्य आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद और ऋण वसूली के मामले शामिल हैं। भूमि, विभाजन, बेदखली और भूमि अधिग्रहण से जुड़े उपयुक्त मामलों को भी मध्यस्थता के जरिए सुलझाने का प्रयास होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडी के सचिव एवं एसीजेएम विवेक कायस्थ ने कहा कि मध्यस्थता गोपनीय, लचीली और कम खर्चीली प्रक्रिया है। उन्होंने लोगों से इसका लाभ उठाने की अपील की।

9 सितंबर से नाहन में होगा सिरमौर फेस्टिवल

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन में पांचवां स्टेपको सिरमौर फेस्टिवल 9 सितंबर से 17 सितंबर तक ऐतिहासिक चौगान में आयोजित किया जाएगा। इसमें 12 सितंबर से 15 सितंबर तक सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन होगा जिसमें स्थानीय कलाकारों के साथ प्रदेश के पहाड़ी गायकों, पंजाबी कलाकारों को बुलाया जाएगा। इसके इलावा बेबी शो, बॉडी बिल्डिंग, मिस्टर सिरमौर इत्यादि प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी स्टेपको संस्था के अध्यक्ष रचित कंवर ने नाहन में एक प्रेस कांफ्रेस में दी। कंवर ने बताया कि स्टेपको हर वर्ष सिरमौर फेस्टिवल का आयोजन करता आ रहा है और यह पांचवां आयोजन 9 सितंबर से आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य स्थानीय प्रतिभा को विभिन्न विधाओं में मंच प्रदान करना है। इस वर्ष भी चौगान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ साथ बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए ऑडिशन अगस्त मास में शुरू किए जाएंगे। संस्था के अमित अत्री ने बताया कि ये आयोजन नो प्रॉफिट नो लॉस पर किये जाते हैं और इन आयोजनों का लक्ष्य युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है।

झारखंड में छात्रों पर कार्रवाई राहुल की सोच व कांग्रेस की युवा विरोधी मानसिकता का प्रमाण : अनुराग ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने झारखंड में छात्रों के विरोध–प्रदर्शन के दौरान सरकार की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि झारखंड में छात्रों के साथ जिस तरह सरकार बर्बरता कर रही है, वह राहुल गांधी की सोच और उनके समर्थन से चल रही राज्य सरकार की युवाओं के प्रति क्रूर मानसिकता को उजागर करता है।

अनुराग ने कहा कि देश का युवा अपने अधिकारों, रोजगार और अपने भविष्य से जुड़े सवाल पूछ रहा है, लेकिन कांग्रेस की सरकारें उन सवालों का जवाब देने के बजाय युवाओं की आवाज दबाने का रास्ता अपना रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस सरकार को छात्रों की समस्याएं सुननी चाहिए थीं, वही उनके लोकतांत्रिक विरोध के सामने दमन का रास्ता अपना रही है।

उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी गृहमंत्री से जवाब तो चाहते हैं, मगर खुद सदन में आने से बचते हैं, जब संसद में देश के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होती है, तब उनकी गैरहाजिरी और बाहर आकर बयानबाजी उनकी गंभीरता पर सवाल खड़े करती है। अनुराग ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस की राजनीति अब मुद्दों के समाधान की नहीं, बल्कि सुर्खियों में बने रहने की राजनीति बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के बीच भ्रम पैदा करने के लिए कांग्रेस लगातार झूठ और आधे–अधूरे तथ्यों का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को न्याय, अवसर और संवाद चाहिए, दमन नहीं। कांग्रेस को यह समझना होगा कि देश का युवा अब उसकी राजनीति और दोहरे मापदंडों को अच्छी तरह समझ चुका है।

15 अगस्त तक करवा सकेंगे मक्की–धान की फसल का बीमा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बिलासपुर जिले में मक्की और धान की फसल का बीमा करवाने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 अगस्त 2026 कर दी गई है। उप निदेशक कृषि कुलभूषण धीमान ने किसानों से निर्धारित समय में बीमा करवाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सूखा, कम वर्षा, बाढ़, जलभराव, कीट एवं रोग सहित प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को बीमा कवर मिलेगा। कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए छोड़ी गई फसल को भी अधिकतम दो सप्ताह तक चक्रवात और बेमौसमी बारिश से होने वाले नुकसान का कवर मिलेगा। ओलावृष्टि, भूस्खलन और जलभराव से हुए स्थानीय नुकसान की सूचना 72 घंटे में टोल–फ्री नंबर 14447 पर देनी होगी। मक्की और धान के लिए बीमित राशि 60 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर है। किसानों को केवल 2 प्रतिशत प्रीमियम, यानी 1,200 प्रति हेक्टेयर देना होगा।

14 को निहारी में होगा राज्य स्तरीय वन महोत्सव

वन विभाग ने 8 हजार हेक्टेयर भूमि पर पौधरोपण का रखा लक्ष्य

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता शिमला। इस बार राज्य स्तरीय वन महोत्सव 14 अगस्त को घुमारवीं के निहारी में आयोजित किया जाएगा, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू करेंगे। इस बात की जानकारी वन बल प्रमुख एवं जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक डॉ. संजय सूद ने दी।

वन महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू स्कूली बच्चों के साथ–साथ वन संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को पौधे भी वितरित करेंगे। डॉ. संजय सूद ने वन महोत्सव का सफल आयोजन के लिए वन वृत्त बिलासपुर और वन मंडल बिलासपुर को सख्त निर्देश दिए। डॉ. संजय सूद ने हाल ही में प्रदेश के सभी वन मंडलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक कर पौधरोपण अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। डॉ. संजय सूद ने कहा कि इस वर्ष हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने राज्य में 7 से 8 हजार हेक्टेयर भूमि पर 50 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से करीब 4 हजार हेक्टेयर भूमि पर राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत पौधे रोपे जाएंगे। बता दें कि इन दिनों यानी बरसात के मौसम में राज्य के भिन्न–भिन्न वन मंडलों में पौधरोपण अभियान जोरों पर चल रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों की भौगोलिक परिस्थितियों एवं संतुलित जलवायु के मुताबिक चिनार और अन्य प्रजातियों के पौधे रोपे जा रहे हैं। विभाग ने वर्ष 2030 तक मिशन–32 यानी राज्य के हरित आवरण को 32 प्रतिशत तक बढ़ाने के लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लिया है।

जाइका परियोजना ने रखा 500 हेक्टेयर का लक्ष्य

जाइका वानिकी परियोजना ने इस बार 500 हेक्टेयर भूमि पर पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है। बता दें कि जाइका वानिकी परियोजना ने 2018 से लेकर 2025 तक 8343 हेक्टेयर भूमि पर भिन्न–भिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर राज्य के 22 वन मंडलों में हरित क्रांति लोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हर वर्ष की भांति इस बार भी वानिकी परियोजना मिशन-32 के लक्ष्य को सफल बनाने के लिए जन सहभागिता और विभागीय स्तर पर पौधे रोपने के लिए कार्य करेगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना के तहत भी परियोजना ने पिछले साल 124 हेक्टेयर भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपने में सफलता हासिल की।

जिला परिषद की बैठक में 82 मुद्दों पर चर्चा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला परिषद की बैठक मंगलवार को जिला परिषद के बैठक कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष लेख राम ठाकुर ने की। इसमें अतिरिक्त उपायुक्त रुपिंदर कौर, जिला परिषद के सदस्य और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सड़क, बिजली, पेयजल, परिवहन, स्वास्थ्य सहित 82 विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला परिषद सदस्यों ने अपने–अपने क्षेत्रों से संबंधित जनसमस्याओं व विकास कार्यों से जुड़े मुद्दे उठाते हुए संबंधित विभागों से शीघ्र समाधान की मांग की। अध्यक्ष लेख राम ठाकुर ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ प्राथमिकता और समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान होना चाहिए, ताकि जिला परिषद में उठाए गए मामलों का धरातल पर प्रभावी परिणाम दिखाई दे। उन्होंने हिमाचल पथ परिवहन निगम के अधिकारियों को लंबे समय से बंद पड़े विभिन्न बस रूटों की दोबारा समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए बंद रूटों को दोबारा शुरू करने की संभावनाओं पर विचार किया जाए। अतिरिक्त उपायुक्त रुपिंदर कौर ने अधिकारियों को जिला परिषद सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर गंभीरता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में विभागों से संबंधित मदों के जवाब समय पर उपलब्ध करवाए जाएं, ताकि लंबित मामलों की प्रभावी समीक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि बैठक में जिन कार्यों के लिए समय–सीमा निर्धारित की गई है, उन्हें तय समय के भीतर पूरा करने का हरसंभव प्रयास किया जाए। साथ ही संबंधित मामलों की नियमित समीक्षा और विभागीय समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जिला परिषद सदस्य सपना कुमारी, अशोक कुमार, सुरभि ठाकुर, तरसेम सिंह, देवांश चंदेल, जरनैल सिंह, आशा देवी, रक्षा कुमारी और रतन चंदेल सहित अन्य सदस्यों ने सड़क, पेयजल, बिजली, परिवहन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे उठाए।

◆ **ग्रामीण सड़कों व जनसमस्याओं के समाधान के दिए निर्देश**

श्री नयना देवी शक्तिपीठ में श्रावण अष्टमी मेला 13 से, प्रशासन ने पूरी की तैयारियां

◆ **400 से अधिक जवान संभालेंगे सुरक्षा, 22 घंटे खुलेगा मां नयना देवी का दरबार**

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उत्तरी भारत के प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री नयना देवी जी में श्रावण अष्टमी मेला 13 से 22 अगस्त तक आयोजित होगा। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि मेले में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए माता का दरबार प्रतिदिन करीब साढ़े 22 घंटे खुला रहेगा। मंदिर के कपाट रात 12 बजे से 1:30 बजे तक बंद रहेंगे। एडीसी बिलासपुर को मेला अधिकारी तथा एएसपी बिलासपुर को पुलिस मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है। मेला क्षेत्र को कानून व्यवस्था के लिए नौ सेक्टरों में बांटा गया है और 400 से अधिक पुलिस एवं सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे। श्रद्धालुओं की भीड़ नियंत्रित करने के लिए बस अड्डे से मंदिर तक छह बैरिकेड लगाए जाएंगे। छह स्थायी एवं अस्थायी चिकित्सा सहायता केंद्रों के साथ क्विक रिस्पांस टीम भी तैनात रहेगी। पंजाब से करीब 300 स्वयंसेवक श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे। वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए टोबा, घवांडल और रोप–वे सहित प्रमुख स्थानों पर बैरियर लगाए जाएंगे। विशेष बस सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। पूरे मेला क्षेत्र की सीसीटीवी से निगरानी होगी तथा तीन एलईडी स्क्रीन के माध्यम से श्रद्धालुओं को पवित्र पिंडी के दर्शन करवाए जाएंगे। करीब एक हजार लोगों की क्षमता वाला जर्मन हैंगर भी स्थापित होगा। प्रशासन ने मेले को ग्रीन मेला बनाने, प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। खाद्य पदार्थों की नियमित सैंपलिंग के साथ पर्याप्त पेयजल और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष 15 अगस्त को बिलासपुर में फहराएंगे तिरंगा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 15 अगस्त को बिलासपुर में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष प्रातः 11 बजे राजकीय पीएम श्री मुख्यमंत्री आदर्श राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बिलासपुर में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके बाद वह परेड का निरीक्षण करेंगे व पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी तथा एनएसएस की टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष अपना शुभ संदेश भी देंगे। समारोह से पहले कुलदीप सिंह पठानिया चंगर स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर शहीदों को माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। जिला प्रशासन ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। समारोह में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा स्थानीय लोग भी शामिल होंगे।

परेशानी हिमाचल में बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त, 259 सड़कें बंद, कुल्लू में स्कूल रहे बंद

चलती कार पर गिरी चट्टान, एक की मौत, दो गंभीर घायल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की व्यापक बारिश के बीच जनजीवन प्रभावित हुआ है। लगातार हो रही बारिश से कई जगह सड़कें बंद हैं, बिजली और पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हुई है।

कुल्लू उपमंडल में खराब मौसम और ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए सभी शिक्षण संस्थान बंद रखे गए। जनजातीय जिला किन्नौर में बारिश के बाद कई छोटे नालों में बाढ़ आई है। पूह उपमंडल के लियो नाले में बाढ़ आने से गांव को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग बंद हो गया और कुछ बागवानों के बगीचों में मलबा पहुंच गया। हालांकि जिले में किसी तरह के जान–माल के नुकसान की सूचना नहीं है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की मंगलवार की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में भूस्खलन और बारिश के कारण 259 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा 161 बिजली ट्रांसफार्मर और 54 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं।

मंडी जिले में सबसे अधिक 120 सड़कें बंद हैं। चंबा में 42, कुल्लू में 40, शिमला में 30 और सिरमौर में 15 सड़कें अवरुद्ध हैं। बिजली व्यवस्था की बात करें तो मंडी में 77, शिमला में 43 और कुल्लू में 40 ट्रांसफार्मर बंद हैं।

पेयजल योजनाओं में शिमला की 33 और चंबा के भटियात क्षेत्र की 16 योजनाएं प्रभावित हैं। बारिश के कारण मंडी–कुल्लू राष्ट्रीय राजमार्ग–21 पर झलोगी के पास शूटिंग स्टोन गिरने से सड़क भी अवरुद्ध हुई है। इससे इस मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है। मंगलवार को शिमला समेत प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश हो रही है और कई क्षेत्रों में मौसम खराब बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान चंबा के भटियात चौवारी में सबसे अधिक 95.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

कांगड़ा के धर्मशाला में 74.1 मिलीमीटर, कुल्लू के बजौरा ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन में 67.5 मिलीमीटर और कांगड़ा के पालमपुर में 66.4 मिलीमीटर बारिश हुई। चंबा के जोत में 51 मिलीमीटर, मंडी के जोगिंदरनगर में 50 मिलीमीटर और पंडोह में 43.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। कांगड़ा में 40.2 मिलीमीटर, हमीरपुर के सुजानपुर टीरा में 38.2 मिलीमीटर, शिमला के सराहन में 37.7 मिलीमीटर, कुल्लू के भुंतर में 37.4 मिलीमीटर और कांगड़ा के नगरोटा सूरियां में 37.2 मिलीमीटर बारिश हुई।

भुंतर में गरज के साथ बिजली चमकने की घटना भी दर्ज की गई। किन्नौर के ताबो में 59 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चली। वहीं, शिमला–बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग–205 पर भराड़ीघाट के दसेरन में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। पहाड़ी से अचानक भारी भरकम चट्टान चलती कार पर आ गिरी। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। चट्टान गिरने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को बाहर निकालने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। करीब एक घंटे तक बचाव कार्य चलने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित रही। बताया जा रहा है कि हादसे के समय कार में तीन लोग सवार थे।

एक व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों घायलों को पहले दाड़लाघाट अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया है।

किन्नौर में बीती रात से बारिश हो रही है। जिले के कई छोटे नालों में बारिश के बाद पानी का बहाव बढ़ा और बाढ़ की स्थिति बनी। पूह उपमंडल के लियो नाले में बाढ़ आने से गांव को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग अवरुद्ध हो गया। नाले का मलबा कुछ बागवानों के बगीचों में भी पहुंच गया है। सतलुज नदी का जलस्तर भी बढ़ा है। हालांकि अभी तक किसी व्यक्ति के हताहत होने या संपत्ति को बड़े नुकसान की सूचना नहीं है।

मुख्यमंत्री सहारा योजना के लिए नया डिजिटल प्लेटफॉर्म अब ऑनलाइन होंगे आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मुख्यमंत्री सहारा योजना के संचालन एवं क्रियान्वयन की जिम्मेदारी अब सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग संभाल रहा है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के गंभीर एवं दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाना है। योजना में पार्किंसन, कैंसर, स्थायी दिव्यांगता के साथ लकवा, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, गुर्दा विफलता और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित पात्र मरीज शामिल हैं। विभाग ने अप्रैल से जून 2026 तक की सहायता राशि आधार सत्यापित सक्रिय लाभार्थियों को जारी कर दी है। सरकार ने आवेदन से भुगतान तक की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के लिए नया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तैयार किया है। इच्छुक आवेदक ऑनलाइन पोर्टल या नजदीकी लोकमित्र केंद्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। लंबित आवेदकों को भी पुनः आवेदन करना होगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सत्यापन एवं औपचारिकताओं में सहायता करेंगी।

बड़सर में स्वतंत्रता दिवस समारोह ऐतिहासिक, गौरवपूर्ण अवसर: सुभाष

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। बड़सर में आयोजित होने जा रहे राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का हार्दिक स्वागत व आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष ढटवालिया ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस जैसे गौरवपूर्ण राष्ट्रीय पर्व का आयोजन बड़सर की धरती पर होना पूरे विधानसभा क्षेत्र के लिए गर्व और खुशी का विषय है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुक्खू की उपस्थिति बड़सर की जनता के लिए विशेष सम्मान की बात है। उन्होंने मुख्यमंत्री का बड़सर को इस महत्वपूर्ण अवसर को प्रदान करने के लिए विधानसभा क्षेत्र बड़सर के निवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आम जनता के हित में अनेक विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्य कर रही है। बड़सर विधानसभा क्षेत्र में भी सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, पेयजल सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिली है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा खुली निविदा संख्या 21–अम्बाला/2026–27 दिनांक 10.08.2026

वरिष्ठ मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र.सं.: 1. कार्य का नाम: (i) JUDW में वर्कशॉप के अंदर बायो–टॉयलेट, टैस्टिंग लैब बिल्डिंग बनाना (ii) ADEN/JUDW सेक्शन के तहत जगाधरी वर्कशॉप में एयर कंप्रेसर रूम और अलग–अलग शेड की AC शीट, गटर और रेनवाटर पाइन बदलना। **अनुमानित लागत** (Rs): 65,28,901 **अग्रिम राशि** (Rs.): 1,30,600 **कार्य समाप्ति का समय:** 09 महीने, **निविदा खुलने की तिथि:** 01.09.2026

क्र.सं.: 2. कार्य का नाम: अंबाला डिवीजन में मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट का इस्तेमाल करके फ्लैश बट वेल्डिंग। **अनुमानित लागत** (Rs): 7,88,11,751 **अग्रिम राशि** (Rs.): 15,76,200 **कार्य समाप्ति का समय:** 18 महीने, **निविदा खुलने की तिथि:** 01.09.2026

नोटः 1 ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेन्टों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। 2 अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट/बैंक गारंटी बांड अनुबंध IV के द्वारा ही स्वीकार्य होगें। 3 निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लोग ऑन करें। 4 ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास–III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5 जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2761/2026

खूबसूरत अदा में जेस मार्टिन

जेस मार्टिन एक प्रतिभाशाली खेल महिला हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण से पहचान बनाई है। उनके संघर्ष और उपलब्धियां युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक हैं। खेल के मैदान पर उनका आत्मविश्वास और निरंतर बेहतर प्रदर्शन उन्हें खास बनाता है।

आईएलटी-20 के 5वें सत्र में स्टार खिलाड़ी लगाएंगे चौके और छक्के

मिलर, फिन एलेन व क्लासेन से बढ़ेगा बल्लेबाजी का रोमांच, स्टोइनिस की भी वापसी

एजेंसी, दुबई

डेविड मिलर, फिन एलेन और हेनरिक क्लासेन जैसे दिग्गज टी-20 बल्लेबाजों के जुड़ने से डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र में बल्लेबाजी का रोमांच बढ़ने वाला है। तीनों खिलाड़ियों को पांचवें सत्र के लिए नीलामी से पहले टीमों ने अपने साथ जोड़ा है। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस भी तीन साल के अंतराल के बाद टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। न्यूजीलैंड के फिन एलेन अबू धाबी नाइट राइडर्स, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन गल्फ जायंट्स का हिस्सा होंगे। इन तीनों खिलाड़ियों की यह आईएलटी20 में पहली उपस्थिति होगी। स्टोइनिस दुबई कैपिटल्स के लिए खेलेंगे।

आईएलटी-20 के चर्चित खिलाड़ियों में शामिल जेसन होल्डर और सुनील नरेन अबू धाबी नाइट राइडर्स, शिमरोन हेटमायर डेजर्ट वाइपर्स, जबकि रोवमैन पॉवेल और मुस्तफिजुर रहमान दुबई कैपिटल्स में लौटे हैं। गत चैंपियन डेजर्ट वाइपर्स ने एंड्रीस गाउस और डैन लॉरेंस को भी बरकरार रखा है। अजमतुल्लाह उमरजई और

ब्लेसिंग मुजाराबानी गल्फ जायंट्स में लौट आए हैं। टी-20 क्रिकेट के सबसे आक्रामक सलामी बल्लेबाजों में शुमार फिन एलेन ने टी-20 विश्व कप-2026 के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केवल 33 गेंदों में शतक लगाया था। 27 वर्षीय एलेन ने न्यूजीलैंड के लिए 62 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,663 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 170.73 रहा है।

डेविड मिलर दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी मध्यक्रम बल्लेबाज हैं। उन्होंने 140 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2,804 रन बनाए हैं। उनका औसत 33.78 और स्ट्राइक रेट 141.40 है। विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 58 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,000 रन बनाए हैं। उन्हें खास तौर पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है। क्लासेन करीब 300 टी-20 मैच खेल चुके हैं और उनके नाम इस प्रारूप में लगभग 7,000 रन हैं। 2021 में टी-20 विश्व कप विजेता मार्कस स्टोइनिस एक दशक से अधिक समय से ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 87 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,416 रन बनाए हैं। इसके अलावा दाएं हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज स्टोइनिस ने 53 विकेट भी लिए हैं। नीलामी से पहले शामिल किए गए अन्य खिलाड़ियों में अमेरिका के मैथ्यू ट्रॉम्प को अबू धाबी नाइट राइडर्स, अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान को डेजर्ट वाइपर्स, नूर अहमद को दुबई कैपिटल्स, वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड को एमआई एमिरेट्स तथा एडम मिल्ने, जेम्स विंस और वकार सलामखेल को शारजाह वॉरियर्स ने अपने साथ जोड़ा है।

छहों फ्रेंचाइजियों ने विदेशी खिलाड़ियों के लिए नीलामी पूर्व चयन प्रक्रिया पूरी कर ली है। प्रत्येक टीम अधिकतम चार खिलाड़ियों को नीलामी से पहले अपने साथ जोड़ सकती थी। अब टीमों को यूएई, कुवैत, सऊदी अरब और अन्य विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक टीम में न्यूनतम 18 और अधिकतम 23 खिलाड़ी हो सकते हैं। डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 सीजन 5 की खिलाड़ी नीलामी 1 अक्तूबर को दुबई में होगी। नीलामी के बाद प्रत्येक टीम एक अतिरिक्त वाइल्डकार्ड खिलाड़ी को भी शामिल कर सकेगी।

राशिद के ऑलराउंड प्रदर्शन से अफगानिस्तान की जीत

एजेंसी, बेलफास्ट

आयरलैंड को तीन विकेट से हराया, 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई

अफगानिस्तान ने राशिद खान के ऑलराउंड खेल के दम पर आयरलैंड को तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 31 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

आयरलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.3 ओवर में 206 रन बनाकर आउट हो गई। एक समय उसका स्कोर आठ विकेट पर 128 रन था। इसके बाद गेविन होए (36) और जय मूंदड़ा (31) ने नौवें विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। अफगानिस्तान की तरफ से राशिद ने 44 रन देकर तीन और एएम गजनफर ने 29 रन देकर तीन विकेट लिये। इसके जवाब में अफगानिस्तान सलामी बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज के 71 रन के बावजूद छह विकेट पर 164 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था।

राशिद ने यहीं से मोर्चा संभाला और 43 गेंद पर नाबाद 37 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आयरलैंड की तरफ से होए ने 34 रन देकर चार विकेट लिए। इन दोनों टीम के बीच पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि अफगानिस्तान ने दूसरा मैच 92 रन से जीता था।

स्पोर्ट्स विंडो

पहला सेट गंवाने के बाद एलिना स्वितोलिना की शानदार वापसी

एजेंसी, टोरंटो। एलिना स्वितोलिना ने टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा पर तीन सेट की जीत के साथ डब्ल्यूटीए 1000 मैचों में अपनी लगातार जीत का सिलसिला 10 तक बढ़ाया।

पिछले राउंड में दुनिया की नंबर 1 आर्यना सबालेंका को हराने में मदद करने वाले उसी आक्रामक बेसलाइन गेम का इस्तेमाल करते हुए, एलेक्जेंड्रोवा ने पहला सेट 6-3 से जीता, इससे पहले कि स्वितोलिना अपनी लय में आ जातीं। नंबर 9 सीड और 2017 की चैंपियन ने अगले 12 में से 11 गेम जीते और दूसरा सेट 6-0 से जीता और निर्णायक सेट में 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि एलेक्जेंड्रोवा ने थोड़ी देर के लिए वापसी करते हुए स्कोर 5-3 कर लिया, लेकिन स्वितोलिना ने नौवें गेम में ब्रेक करके 1 घंटे, 33 मिनट में 3-6, 6-0, 6-3 से जीत हासिल की।

स्वियाटेक ने डायना श्नाइडर को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

एजेंसी, टोरंटो। इगा स्वियाटेक का सीजन वैसा नहीं रहा जैसा वह

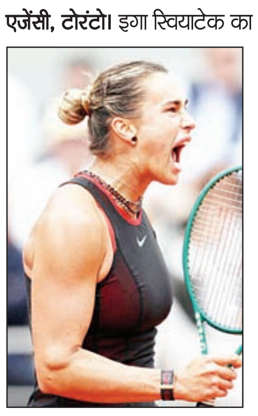

आदी है, लेकिन हाल ही में ऐसे संकेत मिले हैं कि वह फिर से अपना सबसे अच्छा टेनिस खेल रही है। सोमवार रात टोरंटो में एक और मौका मिला। नंबर 7 सीड ने टोरंटो क्वार्टरफाइनल में नंबर 15 सीड डायना श्नाइडर को हरा दिया- जो जेसिका पेगुला को हराकर आ रही थीं- और 64 मिनट तक चले मैच में 6-2, 6-1 के स्कोर में सिर्फ तीन गेम हारीं। स्वियाटेक ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा कि मैं कोर्ट पर अच्छा महसूस कर रही हूं। मुझे पता है कि मैंने कितनी प्रैक्टिस की और हमने प्रैक्टिस के दौरान क्या किया। इससे मुझे कॉन्फिडेंस मिल रहा है। बस उस दिन अच्छी जगह पर होने और उसका इस्तेमाल करने की बात है। इसलिए मैं हर दिन अपना बेस्ट देने की कोशिश कर रही हूं, अपने रूटीन बनाए रख रही हूं, सच में फोकस्ड रह रही हूं, और पक्का, मैं सेमीफाइनल में पहुंचकर बहुत खुश हूं।

आर्यन ने दूसरे छोर पर निभाई अहम भूमिका : कप्तान अनुज

एजेंसी, नई दिल्ली। कप्तान अनुज रावत की 92 रन की तूफानी पारी और आर्यन गौर के नाबाद अर्धशतक की बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में सोमवार रात आउटर दिल्ली वॉरियर्स को सात विकेट से हराया। जीत के बाद रावत ने अपनी पारी और आर्यन गौर के साथ साझेदारी को टीम की सफलता में अहम बताया। 166 रन के लक्ष्य का पीछा

करते हुए पुरानी दिल्ली 6 ने नौ रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद रावत ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला, जबकि गौर ने दूसरे छोर पर उनका शानदार साथ दिया। रावत ने कहा कि विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए योजना सामान्य तरीके से खेलने और कुछ अतिरिक्त करने की कोशिश नहीं करने की थी। हालांकि, जब बाएं हाथ के स्पिनर ने गेंदबाजी शुरू की और हमने शुरुआती दो विकेट गंवा दिए, तो मुझे लगा कि टीम के लिए आगे आकर प्रभावशाली पारी खेलना जरूरी है। गौर के साथ साझेदारी पर उन्होंने कहा कि जब मैंने एक अच्छा शॉट लगाया तो लय बननी शुरू हो गई और आर्यन ने भी दूसरे छोर पर बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रावत ने महज 38 गेंदों में 92 रन बनाए, जबकि आर्यन गौर ने 40 गेंदों में नाबाद 57 रन की पारी खेली। दोनों ने मिलकर पुरानी दिल्ली 6 को मजबूत स्थिति में पहुंचाया और टीम ने 16वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के बाद पुरानी दिल्ली 6 के छह मैचों में सात अंक हो गए हैं।

मेस्सी के दौरे को लेकर विवाद : केरल के खेल विभाग ने सरकार को सौंपी जांच रिपोर्ट

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

पिछली सरकार की घोषणा पर उठे सवाल, 126 करोड़ खर्च का भी दावा

केरल के खेल विभाग ने पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी और अर्जेंटीना टीम के प्रस्तावित दौरे से जुड़े विवाद की जांच रिपोर्ट सौंप दी है। राज्य के खेल मंत्री ओ जे जनीश ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने पत्रकारों को बताया कि खेल विभाग के विशेष सचिव ने विभाग के पास उपलब्ध फाइलों की जांच के बाद तैयार की गई रिपोर्ट को आगे की कार्रवाई के लिए सरकार को सौंप दिया है। जनीश ने कहा कि रिपोर्ट गोपनीय है और इसलिए वह इस पर विस्तार से बात नहीं कर सकते हैं। सरकार तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए उचित फैसला लेगी। उन्होंने कहा, ''रिपोर्ट गोपनीय है। मैं फिलहाल केवल इतनी ही जानकारी दे सकता हूं। सरकार इस पर उचित फैसला करेगी और और बाद में सभी को इससे सूचित कर दिया जाएगा।'' मंत्री ने कहा कि मीडिया और फुटबॉल प्रशंसकों के सवालों को ध्यान में रखते हुए विभाग ने जांच शुरू की थी कि

पिछली सरकार द्वारा मेस्सी को केरल लाने की घोषणा क्यों साकार नहीं हुई। यह विवाद पूर्व खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान के कार्यकाल से जुड़ा है, जिन्होंने घोषणा की थी कि मेस्सी और अर्जेंटीना की टीम केरल का दौरा करेगी। अब्दुरहीमान ने दावा किया था कि उन्होंने प्रस्तावित दौरे के संबंध में स्पेन की यात्रा की थी और अर्जेंटीना के अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। एक प्रायोजक ने भी दावा किया था कि उसने मेस्सी को अर्जेंटीना लाने के लिए लगभग 126 करोड़ रुपये खर्च किए थे। लेकिन मेस्सी और अर्जेंटीना की टीम केरल के दौरे पर नहीं आई।

रोहित पॉडेल की जगह लैमिछाने दोबारा बने नेपाल के वनडे कप्तान

एजेंसी, काठमांडू। लेग स्पिनर संदीप लैमिछाने ने एसीसी पुरुष प्रीमियर कप से पहले बतौर वनडे कप्तान रोहित पॉडेल की जगह ली है। 30 अगस्त से 12 सितंबर तक मलेशिया में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट के लिए क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने 14 सदस्यीय दल की घोषणा की है। यह नेपाल के कप्तान के तौर पर लैमिछाने का दूसरा कार्यकाल होगा। इससे पहले वह 2022 में 14 वनडे और 18 टी 20 में नेपाल की कप्तानी कर चुके हैं। नेपाल की कप्तानी में बदलाव आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 में नेपाल की लगातार चार हार के बाद किया गया है। आठ टीमों वाली इस प्रतिस्पर्धा में नेपाल की टीम सातवें स्थान पर रही।

फील्डिंग करते समय विराट का जोश अन्य खिलाड़ियों को भी करता प्रेरित : टी दिलीप

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के पूर्व फील्डिंग कोच टी दिलीप ने कहा विराट कोहली का क्षेत्ररक्षण करते समय जोश अन्य खिलाड़ियों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है और इससे कम से कम पांच अन्य खिलाड़ी अपनी सीमा से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। इतिहास दिलीप का भारतीय टीम के साथ लगभग पांच साल का कार्यकाल हाल ही में इंग्लैंड दौरे के बाद समाप्त हुआ। उन्होंने अभ्यास और मैच के दौरान जोश और जज्बा बनाए रखने के लिए भी कोहली की सराहना की।

दिलीप ने जियोस्टार से कहा कि जब विराट कोहली की बात आती है, तो उनके जोश का कोई सानी नहीं है। आपने उन्हें पावरप्ले में देखा है, एक बल्लेबाज के रूप में उनका खेल देखा है। चाहे वह कवर पर हों या शॉर्ट मिड-विकेट पर, उनकी फुर्ती और उनकी डाइव का कोई जवाब नहीं है।

उन्होंने कहा कि पिछली श्रृंखला में भी वह शानदार डाइव लगा रहे थे और काफी चुस्त दुरुस्त थे। वह खेल में हर समय अपना सब कुछ झोंक देते हैं।

दिलीप ने कहा कि अपने करियर के इस मोड़ पर भी वह तीस ओवरों में एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ते हैं। जब फील्डिंग फैली होती है तो सर्कल से बाहर निकलने वाले वह पहले खिलाड़ी होते हैं। टीम के लिए ऐसा करना शानदार है। दिलीप ने कहा कि कोहली के इस जोश का अन्य खिलाड़ियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि विराट कोहली के लिए अभ्यास सत्र और मैच में ज्यादा फर्क नहीं होता। बात सिर्फ विराट की नहीं है; बल्कि उन पांच अन्य खिलाड़ियों की भी है जिन्होंने विराट कोहली के साथ फील्डिंग करते हुए अपनी सीमाओं को पार किया है। यही उनका टीम पर प्रभाव है। दिलीप के भारत के फील्डिंग कोच के रूप में कार्यकाल में 2024 टी20 विश्व कप में टीम की जीत शामिल थी, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल का सबसे अच्छा क्षण बताया। उन्होंने कहा कि अगर मैं अपने सबसे बेहतरीन पल को याद करूं, तो मुझे बारबाडोस 2024 याद आता है, न सिर्फ ट्रॉफी, बल्कि उसके बाद ड्रेसिंग रूम का माहौल। मैं उस पल को हमेशा अपने मन में संजोकर रखूंगा।

सोना 1.52 लाख व चांदी पहुंची 2.34 लाख

अगस्त माह के 10 दिन में ही सोना 9,630 व चांदी 15,985 रुपए महंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 11 अगस्त को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,849 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 2,907 रुपए बढ़कर 2.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 10 दिन में ही सोना 9,630 और चांदी 15,985 रुपए महंगी हो चुकी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार

उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। चांदी की कीमत में 4 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स में 388 व निफ्टी में 112 अंक की गिरावट

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। सेंसेक्स 388 अंक की गिरावट के साथ 78,154 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 112 अंक की गिरावट रही, ये 24,472 पर बंद हुआ। मेटल, एफएमसीजी और रियल्टी शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही।

मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन के आईपीओ ओपन हैं। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स आईपीओ के जरिए 939.70 करोड़ और धूत ट्रांसमिशन 3,066.89 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इन दोनों ही आईपीओ में 12 अगस्त तक पैसा लगा सकेंगे। इससे पहले कल यानी 19 अगस्त को शेयर बाजार में मामूली बढ़त रही थी। सेंसेक्स 43 अंक की बढ़त के साथ 78,542 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 13 अंक की बढ़त रही, ये 24,584 पर बंद हुआ था।

युद्धपोतों को बोस्फोरस से होते हुए काला सागर में जाने की इजाजत नहीं देगा अंकारा

एजेंसी, अंकारा। तुर्किए सरकार के एक सूत्र ने रिया नोवोस्ती को बताया कि तुर्किए का अपने जलडमरूमध्य से युद्धपोतों को गुजरने देने का कोई इरादा नहीं है, भले ही नाटो देशों की ओर से काला सागर में सैन्य जहाजों की पहुंच बढ़ाने का दबाव बनाने की मीडिया रिपोर्टें आ रही हों।

इससे पहले अगस्त में, 'तुर्किये' अखबार ने रिपोर्ट दी थी कि काला सागर में जारी तनाव के बीच कई नाटो देश अंकारा पर दबाव डाल रहे हैं कि वह बोस्फोरस और डार्डानेल्स से युद्धपोतों की आवाजाही को और आसान बनाए। अखबार के अनुसार, यूक्रेन संघर्ष और नेविगेशन (जहाजों के आवागमन) से जुड़े जोखिमों के कारण सैन्य जहाजों की पहुंच का मुद्दा और भी अहम हो गया है।

सूत्र ने कहा, 'तुर्की के जलडमरूमध्य में युद्धपोतों को जाने की इजाजत नहीं है। अंकारा मॉन्ट्रो कन्वेंशन के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करता है और किसी को भी इन नियमों को दरकिनार करने की अनुमति नहीं देता है। तुर्की जलडमरूमध्य से सैन्य जहाजों की आवाजाही से जुड़े अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सख्ती से पालन करना जारी रखेगा।

विश्व कप में भारत के 'ट्रंपकार्ड' साबित होंगे हरमनप्रीत : जुगराज

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के पूर्व स्टार ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह को कप्तान हरमनप्रीत सिंह से आगामी विश्व कप में बड़ी उम्मीदें हैं। उनका मानना है कि हरमनप्रीत भारतीय टीम के 'ट्रंपकार्ड' साबित हो सकते हैं। जुगराज ने कहा कि हरमनप्रीत दुनिया के शीर्ष तीन ड्रैग फ्लिकरों में शामिल हैं और टीम की जरूरत के समय लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता उन्हें खास बनाती है।

जुगराज ने कहा कि हरमनप्रीत का खेलने का अंदाज और आक्रामकता उन्हें अपने शुरुआती करियर की याद दिलाती है। दोनों सुरजीत हॉकी अकादमी से निकले हैं। उन्होंने कहा, ''उसका स्टाइल हूबहू मेरे जैसा है। उसका खेलने का तरीका और आक्रामकता मुझे अपनी याद दिलाता है। उसमें मुझे अपना अक्स नजर आता है।'' उन्होंने बताया कि हर टूर्नामेंट या शिविर के बाद उनकी हरमनप्रीत से बातचीत होती है और वह उनके खेल को बारीकी से देखकर सुझाव भी देते हैं। जुगराज ने हरमनप्रीत की सीखने की इच्छा को उनकी बड़ी खूबी बताया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में दो पदक और कई अन्य उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद हरमनप्रीत लगातार मार्गदर्शन लेने और अपने खेल में सुधार करने के लिए तैयार रहते हैं। जुगराज के मुताबिक आधुनिक हॉकी में केवल अच्छा ड्रैग फ्लिकर होना पर्याप्त नहीं है। पुशर, स्टॉपर और फ्लिकर के बीच बेहतर तालमेल से ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि अन्य फ्लिकरों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि विरोधी टीमों को चौंकाने के लिए 'सरप्राइज एलिमेंट' जरूरी है। हर टीम हरमनप्रीत के खेल का वीडियो विश्लेषण करेगी, इसलिए उन्हें कुछ नया करके विपक्षी टीमों को हैरान करना होगा।

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन के एसी कोच में लगी आग

एजेंसी, जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर खड़ी एक ट्रेन के एसी कोच में आग लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। यह हादसा सुबह करीब 9:30 बजे हुआ। प्लेटफार्म नंबर 6 पर खड़ी ट्रेन के कोच से धुआं और आग की लपटें उठती देख रेलवे अधिकारियों को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और दमकल को सूचना दी गई। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक जिस कोच में आग लगी, वह यात्रियों के इस्तेमाल में नहीं आता है। इसका उपयोग रेलवे द्वारा

डिपार्टमेंटल और इंटरनल कार्यों के लिए किया जाता है। आग लगने के समय कोच में कोई यात्री मौजूद नहीं था। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर मंडल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि कोच में आग लगने की घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। फायर ब्रिगेड की तत्परता से आग को समय रहते बुझा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की जा रही है। जांच के बाद ही आग लगने की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

मुख्यमंत्री विजय ने शुरू किया 'नशामुक्त तमिलनाडु' अभियान

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु में मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता और कार्रवाई को तेज करने के उद्देश्य से मंगलवार को चेन्नई के स्टेट कॉलेज सभागार में "नशामुक्त तमिलनाडु" अभियान की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री विजय की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली और कॉलेज के छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत 'तमिल थाई वाल्थु' के साथ हुई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विजय ने छात्रों को नशे से दूर रहने और मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई। छात्रों ने शपथ लेते हुए कहा, "मैं नशे की लत का शिकार नहीं बनूंगा" और नशीली दवाओं के उन्मूलन में अपना पूरा योगदान देने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री विजय के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर पुलिस विभाग की ओर से उन्हें सम्मान सलामी दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री मंच पर पहुंचे और तमिलनाडु के स्कूलों तथा कॉलेजों में नशा एवं तंबाकू मुक्त परिसर जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। "नशामुक्त तमिलनाडु" अभियान के तहत राज्यभर में जब्त किए गए मादक पदार्थों को नष्ट करने की राज्यव्यापी कार्रवाई भी आयोजित की गई। यह कार्रवाई सीएम विजय की मौजूदगी में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चेंगलपट्टू, तिरुनेलवेली, कोयंबटूर और तंजावुर क्षेत्रों में जब्त किए गए मादक पदार्थों को नष्ट किए जाने की कार्रवाई को वीडियो के माध्यम से देखा।

यूक्रेनी ड्रोन पार्ट्स के सबसे बड़े सप्लायर हैं यूके और जर्मनी : रूस

एजेंसी, मॉस्को

रूसी विदेश मंत्रालय के एम्बेसडर-एट-लार्ज रोडियन मिरोशनिक ने रिया नोवोस्ती को बताया कि यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, स्वीडन और कनाडा यूक्रेनी ड्रोन के पार्ट्स के सबसे बड़े सप्लायर हैं। मिरोशनिक ने कहा, 'यूनाइटेड किंगडम आम लोगों के खिलाफ किलर ड्रोन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले अनमैन्ड एरियल व्हीकल के मेन यूनिट्स और कंपोनेंट्स का सबसे एक्टिव सप्लायर है। जर्मनी बड़ी मात्रा में हथियार सप्लाई करता है और स्वीडन भी इसमें शामिल है। इसमें एक्टिव रोल निभाता है।'

उन्होंने आगे कहा कि यह पूरी लिस्ट नहीं है।' मिरोशनिक ने कहा, 'कम-से-कम, ये देश, अपनी ऑफिशियल बातों में भी, इस बात पर ज्यादा से ज्यादा जोर देते हैं कि

वे कीव में यूक्रेनी सरकार को बिना पायलट वाले हवाई वाहन सप्लाई कर रहे हैं, जिनकी वजह से निजनेकाम्स्क और बेलगोरोड दोनों जगहों पर आम लोगों की मौत हुई है। सोमवार को रूस के तातारस्तान रिपब्लिक के हेड रुस्तम मिन्निखानोव ने कहा कि निजनेकाम्स्क पर यूक्रेन का एक खतरनाक ड्रोन हमला हुआ था। इस हमले में इंडस्ट्रियल और आम लोगों, दोनों तरह की जगहों को टारगेट किया गया था। लेटेस्ट डेटा के मुताबिक, एक बच्चा समेत 13 लोग मारे गए और 75 लोगों ने मेडिकल मदद ली, जिनमें से 21 अस्पताल में भर्ती हैं।

रिपब्लिक में एक दिन का शोक घोषित किया गया। रशियन इन्वेस्टिगेटिव कमेटी ने इस घटना में क्रिमिनल केस खोला है। मिन्निखानोव के ऑफिस ने बाद में कहा कि मारे गए लोगों में उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान के नागरिक भी शामिल थे। रूस का मानना है कि यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई सेटलमेंट में रुकावट आ रही है, जिससे नाटो देश सीधे लड़ाई में शामिल हो रहे हैं। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन के लिए हथियारों वाला कोई भी शिपमेंट रूस के लिए सही टारगेट होगा।